संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक

घटती घटना

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Sarguja DN/2023-2025

www.ghatatighatana.com

ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 315 शुक्रवार 19 सितम्बर 2025, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

राहुल के प्रजेंटेशन में वोटर्स डिलीट कराने का दावा

जिनके नाम कटे,उन्हें स्टेज पर बुलाया, चुनाव आयोग बोला...आरोप झूठे,नाम ऑनलाइन डिलीट नहीं होते

नई दिल्ली,18 सितम्बर 2025 (ए)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 31 मिनट के प्रजेंटेशन में वोट चोरी के आरोप लगाए और सबूत दिखाने का दावा किया। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग जानबूझकर कांग्रेस के वोटों को निशाना बना रहा है और उनके नाम डिलीट कर रहा है। गुरुवार को वोट चोरी पर दूसरी बार प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इससे पहले उन्होंने 7 अगस्त को मीडिया से बात की थी। राहुल इस बार अपने साथ कर्नाटक के ऐसे वोटर्स को भी लेकर आए, जिनके नाम वोटर्स लिस्ट से डिलीट किए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार उन लोगों की रक्षा कर रहे हैं, जिन्होंने भारतीय लोकतंत्र को बर्बाद कर दिया है। उन्होंने फिर कहा कि महाराष्ट्र, हरियाणा और यूपी में यही हो रहा है।

आरोप गलत और निराधार

चुनाव आयोग ने राहुल के आरोपों को गलत और निराधार बताया। कहा- कोई भी आम नागरिक ऑनलाइन किसी का भी वोट डिलीट नहीं कर सकता। किसी का वोट डिलीट करने से पहले संबंधित व्यक्ति को अपनी बात रखने का मौका दिया जाता है।

राहुल का दावा,कर्नाटक के आलंद में 6018 वोटर्स को डिलीट करने की कोशिश

राहुल ने कर्नाटक के आलंद विधानसभा क्षेत्र का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा 2023 के चुनाव में किसी ने 6,018 वोट डिलीट करने की कोशिश की। इसकी संख्या ज्यादा भी हो सकती है। हमें नहीं पता कि कुल कितने वोट डिलीट किए गए। इन्हें डिलीट करते समय गलती से मामला पकड़ में आ गया। उन्होंने कहा...हुआ यूं कि वहां की एक बूथ-लेवल अधिकारी ने देखा कि उसके चाचा का वोट डिलीट हो गया है। उसने जांच की तो पाया पड़ोसी ने वोट डिलीट किया था। बीएलओ ने उससे बात की। जब उसने अपने पड़ोसी से पूछा तो उसने कहा कि मैंने कोई वोट डिलीट नहीं किया। यानी न तो जिस व्यक्ति ने वोट डिलीट किया और न ही जिसका वोट डिलीट हुआ- दोनों को इस बारे में कुछ पता था। असल में किसी और ताकत ने सिस्टम को हाईजैक करके ये वोट डिलीट किए थे। राहुल ने कहा- मैं ज्ञानेश कुमार के खिलाफ इतने सीधे आरोप क्यों लगा रहा हूं। कर्नाटक में इस मामले की जांच जारी है।

गोदाबाई के लॉगिन का इस्तेमाल कर 12 लोगों का नाम हटाने का आरोप

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान 63 साल की गोदाबाई का वीडियो दिखाया गया। इसमें उन्होंने कहा- मेरा वोट डिलीट किया गया। मुझे इसकी कोई जानकारी नहीं है। गोदाबाई के नाम से फेक लॉगिन बनाया गया। 12 वोटर्स के नाम डिलीट किए गए।

मोबाइल नंबर्स जिनका इस्तेमाल वोटर्स को हटाने के लिए किया गया

राहुल ने दावा किया कि आलंद में जिन वोटर्स के नाम डिलीट किए गए उनको हटाने के लिए दूसरे राज्यों में ऑपरेट हो रहे मोबाइल नंबर का इस्तेमाल किया गया। राहुल ने प्रजेंटेशन में उनके नंबर भी बताए। गोदाबाई के 12 पड़ोसी के नाम भी हैं,जिन्हें इन मोबाइल नंबर्स से डिलीट किया गया। राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर वोट चोरों की मदद का आरोप लगाया।

कर्नाटक के मुख्य चुनाव अधिकारी ने जवाब दिया

कर्नाटक के मुख्य चुनाव अधिकारी ने कहा कि दिसंबर 2022 को आलंद में इलेक्शन रजिस्ट्रेशन ऑफिसर को फॉर्म 7 के 6,018 आवेदन प्राप्त हुए,जिन्हें एनवीएसपी, वीएचए और गरुड़ जैसी कई ऐप्स से ऑनलाइन जमा किया गया था। आलंद विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं के नाम हटाने के लिए इतनी बड़ी संख्या में ऑनलाइन जमा किए गए आवेदनों की सत्यता पर शक हुआ, जिसके बाद हर आवेदन का सत्यापन किया गया। उन्होंने कहा कि ईआरओ ने फरवरी 2023 में जांच के आधार पर आलंद पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कराया था।

राहुल ने ये आरोप लगाए

- **पहला**-हमें वह डेस्टिनेशन आईपी दीजिए, जिससे ये फॉर्म भरे गए।
- **दूसरा**-हमें उन डिवाइस डेस्टिनेशन पोर्ट्स दीजिए,जिनसे ये आवेदन दाखिल किए गए।
- **तीसरा**-सबसे महत्वपूर्ण,ओटीपी ट्रेल्स दीजिए,क्योंकि आवेदन दाखिल करने के लिए ओटीपी लेना पड़ता है।

कर्नाटक सीईडी ने 18 बार चुनाव आयोग से जानकारी मांगी, लेकिन इसीई ने नहीं दी। ऐसा क्यों किया जा रहा है,क्योंकि इससे हमें पता चल जाएगा कि यह ऑपरेशन कहां से चल रहा है। हमें पूरी तरह यकीन है कि यह हमें उसी जगह तक ले जाएगा। राहुल ने कहा कि सेंट्रलाइज्ड तरीके से नामों को वोटर लिस्ट से डिलीट किया गया। इसके लिए सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल हुआ। उदाहरण देते हुए कहा- इन सीरियल नंबर को देखिए, हर जगह सीरियल नंबर वन है। इसका मतलब है कि ये बूथ का पहला वोटर है।

संक्षिप्त समाचार

एक अक्टूबर से पूरे देश में बैन होंगे ऑनलाइन मनी गेम्स

नई दिल्ली,18 सितम्बर 2025 (ए)। आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को बताया कि ऑनलाइन गेमिंग एक्ट 2025 1 अक्टूबर से लागू होगा। कानून को बनाने से पहले सरकार ने गेमिंग कंपनियों,बैंकों और अन्य हिस्सेदारों से कई बार चर्चा की है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, सरकार पूरी तरह से बातचीत और सलाह लेने के लिए तैयार है। नियम लागू होने से पहले भी गेमिंग इंडस्ट्री के साथ एक और बैठक की जाएगी। अगर जरूरत पड़ी तो नियम लागू करने के लिए और समय भी दिया जा सकता है। दरअसल, प्रमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ ऑनलाइन गेमिंग बिल 2025 देश में रियल मनी गेमिंग पर पूरी तरह से बैन लगाएगा। इसे 22 अगस्त को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई थी। अब ये कानून बन गया है। इससे पहले राज्यसभा में 21 अगस्त को और लोकसभा में 20 अगस्त को बिल पास हो गया था। कोई भी मनी बेस्ड गेम ऑफर करना, चलाना, प्रचार करना गैरकानूनी है। ऑनलाइन गेम खेलने वालों को कोई सजा नहीं होगी। अगर कोई रियल-मनी गेम ऑफर करता है या उसका प्रचार करता है, तो उसे 3 साल तक की जेल और 1 करोड़ रुपए तक का जुर्माना हो सकता है। विज्ञापन चलाने वालों को 2 साल की जेल और 50 लाख रुपए तक का जुर्माना हो सकता है।

महाराष्ट्र के बुलढाणा में ट्रक और कार के बीच टक्कर में 4 की मौत

मुंबई,18 सितम्बर 2025 (ए)। महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले के मलकापुर के पास नेशनल हाइवे पर गुरुवार को तड़के एक कार और एक ट्रक के बीच हुई जोरदार टक्कर में तीन महिलाओं सहित चार लोगों की मौत हो गई और 5 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी को जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती करवाया गया है। इस घटना की छानबीन मलकापुर पुलिस स्टेशन की टीम कर रही है। इस घटना की जांच कर रहे पुलिस अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि तड़के भुसावल से मलकापुर की ओर जा रही कार अचानक अनियंत्रित होकर सामने जा रहे ट्रक से टकरा गई। इस घटना में कार चालक साजिद अजीज बागवान और 3 महिलाओं समेत कुल चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। तीनों मृतक महिलाओं की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। जबकि 5 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। गंभीर रूप से घायलों में संतोष तेजराव महाले (40), पंकज दिलीप गोपाल (22), दीपिका विश्वास (30) और टीना अजय पाटिल (45) के रुप में की गई है। एक घायल महिला की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। इसकी सूचना मिलते ही एमआईडीसी के पुलिस निरीक्षक हेमराज कोली और उनकी टीम घटनास्थल पर पहुँची।

हर प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी एक-एक जनप्रतिनिधि लेकर सुनिश्चित करें गुणवत्तापूर्ण कार्य : सिंधिया

नई दिल्ली,18 सितम्बर 2025 (ए)। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री तथा गुना सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुरुवार को वर्चुअल माध्यम से मध्य प्रदेश के गुना शहर के विकास और सौंदर्यीकरण को लेकर अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों की बैठक लेकर विस्तृत बैठक की। इसमें शहर के विकास से जुड़े विभिन्न प्रोजेक्ट पर चर्चा हुई और स्पष्ट निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि सभी प्रस्तावित कार्यों के फाइनल डिज़ाइन,लागत और समय सीमा तय कर,इन्हें निर्धारित अवधि में पूरा किया जाए। हर प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी एक-एक जनप्रतिनिधि लें,ताकि सभी प्रोजेक्ट गुणवत्तापूर्ण तरीके से समय सीमा के अंदर पूरे हो सके।

तेजस्वी चुनाव लड़ने की हिम्मत नहीं कर पाएगा इस बार एनडीए प्रचंड बहुमत लाएगी : अमित शाह

बेगूसराय,18 सितम्बर 2025 (ए)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बिहार के बेगूसराय में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन में कार्यकर्ताओं को मालिक बताया। शाह ने कहा- हमारे यहां नेता थोपे नहीं जाते, नीचे से उठ कर ऊपर आते हैं। मैं एक ऐसा कार्यकर्ता हूं, जिसके करियर की शुरुआत एक बूथ अध्यक्ष के रूप में शुरू हुई है। उन्होंने कहा कि, बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए प्रचंड बहुमत लाएगी। इसके बाद तेजस्वी यादव चुनाव लड़ने की हिम्मत नहीं कर पाएगा। अपने भाषण के दौरान अमित शाह ने मंच से केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के लिए ताली भी बजवाई। अमित शाह ने कहा कि राहुल गांधी ने घुसपैठियों को बचाने के लिए वोटर अधिकार यात्रा निकाली थी। वोटर लिस्ट से सिर्फ घुसपैठियों का नाम काटेगा, किसी भारतीय का नहीं। बिहार से चुन-चुन कर घुसपैठियों को निकालेंगे। एसआईआर घुसपैठियों के प्रदूषण से मुक्त कराने के लिए किया गया है। लालू प्रसाद

लालू यादव बांग्लादेशियों को बचाना चाहते हैं : शाह

बांग्लादेश से आए लोगों को वोट देने का अधिकार और राशन नहीं मिलना चाहिए। लालू एंड कंपनी इन्हें बचाने में लगी है। ऐसे लोग इन लोगों के वोट बैंक हैं।

लालू-राबड़ी बिहार के विकास के लिए खतरा : शाह

लालू जी पूछते हैं मोदी जी ने बिहार के लिए क्या किया। जब वो रेल मंत्री थे तो बिहार को केंद्र से कितनी मदद मिलती थी। आज मोदी जी ने बजट में बिहार के लिए अपना खजाना खोल रखा है।

राहुल पर तेजस्वी ने सब कुछ लुटा दिया : गिरिराज सिंह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की ओर से घुसपैठ का मुद्दा उठाए जाने पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि बिहार के 16 जिलों के मस्जिदों में घुसपैठियों को पनाह दिया जाता है। किसी भी मुस्लिम टोले में जाने पर पता चल जाता है कि इन्हें पनाह कौन दे रहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव पर सब कुछ लूटा कर होश में आए तो क्या होगा वाला गाना हकीकत में सटीक आ रहा है। तेजस्वी यादव सब कुछ लुटा दिए हैं राहुल गांधी के ऊपर। अब उनको होश आया है तो दूसरी यात्रा निकाल रहे हैं जो कुछ बाकी बचा था,राहुल गांधी ले गए।

से सवाल करते हुए अमित शाह ने कहा कि घुसपैठियों का नाम कटा है तो आपके पेट में दर्द क्यों हो रहा है। इससे पहले केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गुरुवार को रोहतास में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से पूछा, लालू जी, राबड़ी जी बिहार को समृद्ध कर सकते हैं क्या। उन्होंने कहा, ये लोग सिर्फ अपना और अपने परिवार का सोचते हैं। उन्होंने कहा, हमें आज यहां से तय कर के जाना है कि इस क्षेत्र की 80 फीसदी सीटें हमारे पास हो। ये संकल्प लेकर हमें जाना है। शाह ने कहा, अभी राहुल बाबा यात्रा कर के गए। क्या आपको इसका विषय पता है। इस यात्रा का विषय शिक्षा, बिजली,सड़क,रोजगार नहीं था। यात्रा का विषय था जो बांग्लादेश से घुसपैठिए आए हैं। शाह ने पूछा- आप बताइए किसी का वोट कटा है क्या। राहुल ने घुसपैठिया बचाओ यात्रा निकाली थी। अमित शाह ने कार्यकर्ताओं से कहा, ये चुनाव सरकार बनाने का नहीं है। ये चुनाव 3 तिहाई से ज्यादा बहुमत से सरकार बनाने का चुनाव है। आप संकल्प लेकर जाइए, मोदी की नेतृत्व में बिहार में सरकार बनानी है।

जानकारी छिपाकर किसे बचा रहा चुनाव आयोग : खरगे

नई दिल्ली,18 सितम्बर 2025 (ए)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के कर्नाटक के आलंद विधानसभा क्षेत्र में 6,018 मतदाताओं के नाम हटाए जाने के आरोप का कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने समर्थन करते हुए चुनाव आयोग से तीन सवाल पूछे। मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी पोस्ट में कहा कि आलंद विधानसभा क्षेत्र में मतदाता सूची से नाम हटाने की जांच कर रही सीआईडी टीम ने पिछले 18 महीनों में चुनाव आयोग को 18 पत्र लिखे हैं। लेकिन, चुनाव आयोग दोषियों का पता लगाने के लिए जरूरी जानकारी छिपा रहा है। उन्होने राहुल गांधी के आरोपों का समर्थन करते हुए कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने इस घटना का पर्दाफाश कर दिया है।

पराली जलाई तो हो सकती है जेल,किसानों को सुप्रीम कोर्ट की चेतावनी

सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब-हरियाणा सरकार को भी लगाई फटकार

नई दिल्ली,18 सितम्बर 2025 (ए)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को पराली जलाने की समस्या पर बहुत सख्त रुख अपनाया है। अदालत ने सुझाव दिया है कि जो किसान पराली जलाने के निर्देशों का उल्लंघन करते हैं, उन्हें गिरफ्तार भी किया जा सकता है। इसका मकसद किसानों को ऐसा करने से रोकना और गंभीर वायु प्रदूषण पर लगाम लगाना है।

सुनवाई के दौरान भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) बी.आर. गवई ने कहा कि किसान देश की खाद्य सुरक्षा के लिए बहुत ज़रूरी हैं, लेकिन इसका बहाना बनाकर पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले काम नहीं किए जा सकते।

अदालत अब इस मामले में कड़े कदम उठाने पर विचार कर रही है. इसमें जुर्माना बढ़ाने से लेकर किसानों को गिरफ्तार करने और जेल भेजने जैसे प्रावधान शामिल हो सकते हैं. अदालत का मानना है कि बार-बार आदेश देने के बावजूद ज़मीनी स्तर पर कोई खास सुधार नहीं हुआ है.

सरकारों की ढिलाई पर उठे सवाल

सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश जैसी राज्य सरकारों से सवाल किया कि वे पराली जलाने वाले किसानों पर सख्त कार्रवाई क्यों नहीं कर रही हैं. इस पर पंजाब सरकार के वकील ने कहा कि प्रदूषण कम करने के लिए उपाय किए जा रहे हैं.

उत्तराखंड के चमोली में बादल फटा,14 लोग लापता

मसूरी में 2500 टूरिस्ट्स फंसे,हिमाचल में 419 मौतें,देश में अबतक 8% ज्यादा बारिश

नई दिल्ली,18 सितम्बर 2025 (ए)। उत्तराखंड में दो दिन में दूसरी बार बादल फटा है। 17 सितंबर की रात चमोली जिले के नंदानगर घाट में बादल फटा। यहां कुंटरी लंगाफली वार्ड में छह घर मलबे में दब गए। 14 लोग लापता हैं और 20 लोग घायल हैं। अब तक 2 लोग रेस्क्यू किए गए। इससे पहले 16 सितंबर को देहरादून में बादल फटा था। देहरादून से मसूरी का 35 किलोमीटर का रास्ता कई जगह क्षतिग्रस्त है। इसके कारण मसूरी में 2500 टूरिस्ट्स लगातार तीसरे दिन फंसे हुए हैं। हिमाचल में इस सीजन बारिश, बाढ़, लैंडस्लाइड और अचानक आई

बाढ़ से अब तक 419 लोगों की मौत हो चुकी है। मौसम विभाग ने दोनों ही राज्यों उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश को अगले 48 घंटे हाई अलर्ट पर रखा है। देश में इस साल 24 मई को दक्षिण-पश्चिम मानसून केरल पहुंचा था। देश में अब तक (17 सितंबर) सामान्य से 8% ज्यादा बारिश हो चुकी है। 3 राज्यों राजस्थान (पश्चिम), पंजाब और हरियाणा से मानसून की विदाई शुरू भी हो चुकी है, लेकिन इसके जाते-जाते भी देश के 7 राज्यों में तेज बारिश की संभवना है। मौसम विभाग और ग्लोबल फोरकास्ट सिस्टम (GFS) के मुताबिक, सितंबर के आखिरी कुछ दिन और अक्टूबर की शुरुआत तक एक बड़े कम दबाव के क्षेत्र के साथ जबरदस्त बारिश के आसार हैं। 25-26 सितंबर को बंगाल की खाड़ी में बड़ा मानसूनी सिस्टम लो प्रेशर एरिया बन रहा है। इससे पूर्वी-पश्चिमी मध्य प्रदेश के अलावा पश्चिम बंगाल, ओडिशा, झारखंड, छग, बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 2-3 दिन तेज बारिश हो सकती है। कुछ इलाकों में 3 इंच तक पानी गिर सकता है।

भारत की विकास गाथा अधिक आत्मविश्वास के साथ गति पकड़ रही है : अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली,18 सितम्बर 2025 (ए)। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नई दिल्ली में गुरुवार को पब्लिक अफेयर्स फोरम ऑफ इंडिया (पीएएफआई) के 12वें वार्षिक फोरम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारत की विकास गाथा निरंतर जारी है और यह अधिक आत्मविश्वास के साथ गति पकड़ रही है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारत आज एक विश्वसनीय वैश्विक भागीदार के रूप में उभर रहा है। इस उभार के पीछे विनियमन-मुक्ति, डिजिटलीकरण और निवेश सुगमता जैसे व्यापक नीतिगत सुधार है। मंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों में हुई महत्वपूर्ण प्रगति पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि दो और सेमीकंडक्टर संयंत्र जल्द ही चालू हो जाएँगे, जिससे वैश्विक चिप निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र में भारत की स्थिति और मजबूत होगी। बुनियादी ढाँचे की महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा करते हुए मंत्री ने रेलवे में पूंजीगत व्यय के तीन प्रमुख क्षेत्रों का विस्तार से उल्लेख किया।

संपादकीय

2035 तक बढ़ेगी भारत की जीडीपी,एआई बनेगा गेमचेंजर

नीति आयोग की एक नई रिपोर्ट में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक के इस्तेमाल के जरिये एक त्वरित आर्थिक विकास का ढांचा पेश किया गया है। इस रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि सिर्फ उत्पादकता में सुधार से वर्ष 2035 तक सकल घरेलू उत्पाद में अतिरिक्त 500-600 अरब डॉलर इजाफा हो सकता है और अनुसंधान एवं विकास में नवाचार को तेज करने से अतिरिक्त 280-475 अरब डॉलर रकम जुड़ सकती है। भारत में तकनीक की जानकारी रखने वाला एक विशाल कार्यबल है और यहां डिजिटल ढांचे का भी तेजी से विस्तार हो रहा है। इनके अलावा, आरऐंडडी तंत्र का भी तेजी से विस्तार हो रहा है। इन खूबियों की बदौलत भारत वैश्विक एआई वैल्यू पूल में 10-15 फीसदी हिस्सेदारी हासिल कर सकता है। मगर केवल अवसर मौजूद रहना ही काफी नहीं है। सरकार, उद्योग और शिक्षा-व्यवस्था के बीच मजबूत समन्वय एक ठोस एवं समावेशी एआई तंत्र विकसित करने के लिए आवश्यक हैं। इसी दिशा में सरकार ने 10,000 करोड़ रुपये से भी अधिक लागत से 'इंडिया एआई मिशन' शुरू किया है। इंडिया एआई मिशन का उद्देश्य डेटा लैब एवं ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) स्थापित करना, भारत के लिए विशिष्ट लार्ज लैंग्वेज मॉडल विकसित करना और राष्ट्रीय कौशल योजना में एआई का समावेश करना है। यह पहल संप्रभु डेटा ढांचा और जवाबदेही सुनिश्चित करते हुए बड़े स्तर पर एआई अपनाने की बुनियाद तैयार करेगी। नीति आयोग की इस रिपोर्ट में जिन संभावनाओं का जिक्र किया गया है उनमें वैश्विक डेटा केंद्र बनने की भारत की क्षमता भी शामिल है। डेटा अगले चरण के एआई मॉडलों को ताकत दे सकते हैं और विनिर्माण, दवा, वित्तीय सेवाएं और वाहन उद्योग सहित विभिन्न क्षेत्रों में तेज विकास के द्वार खोल सकते हैं।

विशेषकर, दवा क्षेत्र बड़े बदलाव लाने वाली संभावनाओं से भरा है। वर्तमान में भारत के दवा बाजार का 80 फीसदी हिस्सा जेनरिक दवाओं तक सीमित है क्योंकि आरऐंडडी पर अधिक खर्च आता है और इसमें समय भी काफी लगता है। मगर एआई के माध्यम से दवाओं की खोज पर आने वाली लागत और इनके विकास में लगने वाला समय दोनों कम किए जा सकते हैं जिससे भारत जेनरिक दवाओं के निर्माता से वैश्विक नवाचारकर्ता बन सकता है। विशाल जीन पूल और औषध विज्ञान में विशेषज्ञता जैसी खूबियों की बदौलत भारत स्वयं को नए नवाचारी दवा विकास के केंद्र के रूप में तैयार कर सकता है। इसी तरह, सॉफ्टवेयर की मदद से संचालित वाहनों (एसएवी) के साथ वाहन क्षेत्र नए बदलाव के लिए तैयार दिख रहा है। सॉफ्टवेयर की मदद से संचालित वाहनों में एआई डिजाइन, परीक्षण और उपकरणों के संयोजन को संचालित कर सकता है। एआई-रेडी औद्योगिक पार्क की स्थापना, स्वच्छ ऊर्जा कारखानों के विकास और दमदार प्रदर्शन करने वाले लैब एवं कौशल केंद्रों की बदौलत भारत त्वरित नवाचार को बढ़ावा दे सकता है और भविष्य में अगली पीढ़ी के यातायात साधनों का पुरोधा बन सकता है। हालांकि, जैसा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नीति आयोग की इस रिपोर्ट की प्रस्तुति के अवसर पर कहा कि दो चुनौतियां भी सामने हैं। इनमें तकनीक के इस्तेमाल में तेजी लाने के साथ ही नवाचार की प्रगति बाधित किए बिना नियामकीय ढांचा तैयार करना शामिल है ताकि नागरिकों के हित सुरक्षित रहे। डेटा सुरक्षा एवं डिजिटल व्यक्तिगत डेटा अधिनियम में प्रस्तावित विस्तृत नियम आने के बाद डेटा गोपनीयता पर स्थिति साफ हो जाएगी। इससे एआई ढांचे से जुड़ी एक सबसे बड़ी चिंता खत्म हो सकती है। इस रिपोर्ट में मानव पूंजी से जुड़ी अहम चुनौती भी रेखांकित की गई है। यह सच है कि एआई तकनीक कई बड़े हुनर वाली भूमिकाओं को अंजाम दे सकती है।

टिटहरी:प्रकृति की मौन चेतावनी

जहाँ विज्ञान चूक जाता है... वहाँ टिटहरी पहले चेताती है...

टिटहरी कोई साधारण पक्षी नहीं, बल्कि प्रकृति का मौन प्रहरी है। किसान उसके अंडों की संख्या, स्थान और समय देखकर बारिश, बाढ़ या अकाल का अनुमान लगाते रहे हैं। विज्ञान भी मानता है कि ऐसे पक्षी इकोसिस्टम इंडिकेटर होते हैं, जो पर्यावरणीय बदलावों का पहले से संकेत दे देते हैं। आज शहरीकरण और रसायनों के प्रयोग से इनका आवास खतरे में है। यदि हम टिटहरी जैसे पक्षियों की चेतावनी अनसुनी कर देंगे, तो भविष्य में आपदाओं के प्रति हमारी संवेदनशीलता और भी घट जाएगी। इसलिए ज़रूरी है कि हम इन्हें बचाएँ और इनके संदेश को गंभीरता से सुनें।

डॉ सत्यवान सौरभ

भारत का ग्रामीण जीवन सदियों से प्रकृति के साथ गहरे संवाद में रहा है। खेत, मौसम और जीव-जंतु मिलकर किसान की दिनचर्या और भविष्य दोनों को प्रभावित करते हैं। इन सबके बीच टिटहरी एक ऐसा छोटा-सा पक्षी है, जो सामान्य आँखों से मामूली दिखता है, लेकिन किसानों और लोकजीवन की स्मृतियों में यह मौसम की सटीक भविष्यवाणी करने वाला प्रहरी माना जाता है। यह केवल एक पक्षी नहीं, बल्कि धरती और आकाश के बीच संवाद का माध्यम है, एक मौन दूत है जो संकट और समृद्धि दोनों की आहट पहले ही दे देता है।

ग्रामीण अनुभव बताते हैं कि टिटहरी का व्यवहार मौसम और कृषि की दिशा तय करने में अहम संकेत देता है। यदि वह चार अंडे देती है तो चार महीने अच्छी वर्षा होने का विश्वास किया जाता है। जब वह ऊँचाई पर अंडे देती है, तो लोग मानते हैं कि सामान्य से अधिक वर्षा होगी। यदि कभी वह मजबूरी में छत या पेड़ पर अंडे दे, तो यह भीषण बाढ़ का संकेत माना जाता है। वहीं, यदि वह अंडे न दे तो यह सबसे डरावनी स्थिति होती है, क्योंकि लोग इसे अकाल का दूत मानते हैं। किसान कहते हैं कि जिस खेत में टिटहरी अंडे देती है, वह खेत खाली नहीं रहता। वहाँ फसल ज़रूर होती है। इस तरह यह पक्षी न केवल वर्षा और मौसम से जुड़े संकेत देता है बल्कि उपजाऊपन और अकाल जैसी चरम स्थितियों की चेतावनी भी बन जाता है। लोकजीवन में एक और मान्यता है कि टिटहरी का मृत शरीर कुरुक्षेत्र के अलावा कहीं दिखाई नहीं देता। चाहे यह तथ्य हो या प्रतीकात्मक कल्पना, लेकिन यह विश्वास उसे जीवन और अस्तित्व की रक्षा का प्रतीक बना देता है। टिटहरी को देखने वाला किसान समझ जाता है कि यह पक्षी उसकी मिट्टी, फसल और भविष्य का पहरेदार है। यही कारण है कि ग्रामीण लोकगीतों और कहावतों में भी टिटहरी का उल्लेख मिलता है। यह उन जीवों में से है जिनकी गतिविधियों पर पीढ़ियाँ भरोसा करती रही हैं। अब सवाल उठता है कि जब विज्ञान मौसम की भविष्यवाणी के लिए उपग्रह, राडार और कंप्यूटर मॉडल जैसे अत्याधुनिक साधन लेकर आया है, तब टिटहरी जैसे पक्षियों की भूमिका क्या रह जाती है। वास्तव में इसका उत्तर यही है कि विज्ञान और लोकअनुभव एक-दूसरे के पूरक हैं, विरोधी नहीं। वैज्ञानिक दृष्टि से देखा जाए तो टिटहरी जैसे पक्षी पर्यावरणीय परिवर्तनों के प्रति अत्यधिक संवेदनशील होते हैं। हवा की नमी, तापमान का उतार-चढ़ाव, भूमि की नमी, जल स्तर का बढ़ना या घटना - इन सबका असर उनके व्यवहार पर पड़ता है। यही कारण है कि वैज्ञानिक भाषा में इन्हें इकोसिस्टम इंडिकेटर कहा जाता है। यानी ऐसे जीव जो अपने आचरण के माध्यम से हमें पर्यावरणीय बदलावों की समय रहते जानकारी दे देते हैं। हमारे पूर्वजों ने विज्ञान के औज़ारों का सहारा लिए बिना ही इन संकेतों को अनुभव के आधार पर समझा और उनका लाभ उठाया। सदियों से किसान टिटहरी की गतिविधियों पर नज़र रखते आए हैं। अगर वह अंडे देने का समय टाल दे तो किसान पहले से ही सतर्क हो जाते थे। यदि वह ज़मीन छोड़कर ऊँचाई पर चली जाए, तो वे अधिक वर्षा और संभावित जलभराव को लेकर चौकन्ने हो जाते थे। इस प्रकार लोकानुभव ने जो बातें कही हैं, वे वास्तव में वैज्ञानिक कारणों से जुड़ी हुई हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि किसानों ने इन्हें अपनी भाषा और प्रतीकों में व्यक्त किया। आज जब हम शहरीकरण और औद्योगिकीकरण की चमक में डूबे हैं, तब सबसे बड़ा संकट यही है कि हमने प्रकृति की इस मौन भाषा को सुनना लगभग छोड़ दिया है। शहरों में रहने वाला इंसान यह नहीं जानता कि कब कोई पक्षी अपनी आदत बदल रहा है, कब उसकी संख्या घट रही है या कब उसका स्वर बदल रहा है। यही लापरवाही हमें अचानक आने वाली आपदाओं के सामने असहाय बना देती है। यदि हम टिटहरी और अन्य पक्षियों के संदेशों को गंभीरता से लें तो आपदा प्रबंधन की हमारी क्षमता कई गुना बढ़ सकती है। टिटहरी के बारे में यह भी कहा जाता है कि यह पक्षी खेत को कभी खाली नहीं छोड़ता। उसका वहाँ अंडे देना किसानों के लिए आश्वासन का प्रतीक है। यह विश्वास अपने आप में गहरा संदेश है कि प्रकृति मनुष्य को निराश नहीं करती, बशर्ते हम उसका सम्मान करें। लेकिन जब हम प्रकृति के नियम तोड़ते हैं, उसके साथ छेड़छाड़ करते हैं, तब उसके प्रहरी पक्षी भी अपने संकेत बदलने को मजबूर हो जाते हैं। यही वजह है कि कई बार बाढ़ या अकाल जैसी स्थिति का पूर्वाभास हमें टिटहरी के व्यवहार से पहले ही मिल जाता है। इस पक्षी का महत्व केवल ग्रामीण जीवन तक सीमित नहीं है। यह हमें याद दिलाता है कि जीवन का हर रूप पर्यावरण के विशाल ताने-बाने से जुड़ा है। जब एक छोटा-सा पक्षी अपने अंडों के ज़रिए भविष्य की तस्वीर दिखा सकता है, तब यह हमारे लिए चेतावनी भी है कि हम इस तंत्र के साथ खिलवाड़ न करें। विज्ञान भी यही कहता है कि पर्यावरण में सूक्ष्मतम बदलाव का सबसे पहले असर पक्षियों और छोटे जीवों पर दिखाई देता है। यदि हम समय रहते उन्हें सुन लें, तो बड़ी त्रासदियों से बच सकते हैं। संपादकीय दृष्टि से यह कहना उचित है कि टिटहरी कोई साधारण पक्षी नहीं है। यह हमें यह समझाती है कि ज्ञान केवल प्रयोगशालाओं और उपग्रहों से नहीं आता, बल्कि खेत-खलिहानों और जीव-जंतुओं के आचरण से भी आता है। आधुनिक विज्ञान जहाँ आँकड़ों और तकनीक पर आधारित है, वहीं टिटहरी सहज संवेदना और प्राकृतिक जुड़ाव पर आधारित चेतावनी देती है। दोनों के बीच पुल बनाना ही आज की सबसे बड़ी ज़रूरत है। आज की स्थिति में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न संरक्षण का है। यदि टिटहरी जैसे पक्षी हमारे बीच से लुप्त हो जाएँगे तो न केवल लोकविश्वास टूट जाएगा, बल्कि पर्यावरणीय चेतावनी प्रणाली का एक अहम हिस्सा भी खो जाएगा। इसके संरक्षण के लिए हमें खेतों में अत्यधिक कीटनाशकों का उपयोग कम करना होगा, प्राकृतिक आवासों को सुरक्षित रखना होगा और जलस्रोतों को बचाना होगा। यह केवल एक पक्षी का संरक्षण नहीं होगा, बल्कि अपने भविष्य और अस्तित्व की रक्षा भी होगी।

निष्कर्ष यही है कि जहाँ विज्ञान आँकड़ों और मशीनों पर भरोसा करता है, वहीं टिटहरी जैसी पक्षियाँ सहज चेतावनी देती हैं। विज्ञान देर से अलर्ट करता है, लेकिन टिटहरी पहले से सावधान कर देती है। हमारे लिए सबसे बड़ी चुनौती यही है कि हम इस मौन संवाद को सुनें और उसके अनुसार कदम उठाएँ। यदि हमने इस आवाज़ को नज़रअंदाज़ किया, तो आने वाले समय में न केवल टिटहरी गायब हो जाएगी, बल्कि उसका दिया हुआ संदेश भी हमारे जीवन से खो जाएगा।

माता सीता से संदर्भित पवित्र श्राद्ध कथाएं। (श्रद्धा एवं धर्म)

श्रद्धा दीयते यत् तत् श्राद्धम। (श्रद्धा से जो कुछ दिया जाए वही श्राद्ध है)

भावना संजीव ठाकुर, रायपुर छत्तीसगढ़

श्राद्ध कर्म के द्वारा पित्रश्रृण से मुक्त हुआ जा सकता है इससे पितृ-गण वर्ष भर प्रसन्न रहते हैं। जानकी माता सीता द्वारा श्राद्ध की भावपूर्ण कथा प्रचलित हैं-

श्री राम जी द्वारा गया जी के रूद्रपद पर पिंडदान किया गया तब दशरथ जी कृतार्थ हुए और उन्हें रुद्रलोक की प्राप्ति हुई थी उन्होंने श्री राम जी को समस्त अयोध्या वासियों सहित बैकुंठ धाम जाने का वर दिया था ।

माता सीता द्वारा दिया गया श्राद्ध भोज-

एक बार अयोध्या में श्री राम सीता द्वारा श्राद्ध के लिए ब्राह्मण भोज दिया गया , फलस्वरूप दूर दूर से ब्रम्णणों की टोलियां पधारने लगीं। शिव जी को जब श्राद्ध भोजन के संदर्भ में मालुम हुआ तो वे एक वृद्ध ब्राह्मण का रुप रख कर टोली में शामिल होकर अयोध्या पहुंच गए।

कहां मुझे भी भोजन कराएं राजन

श्री राम जी उन विशिष्ट अतिथि को पहचान गए कि स्वयं शिव शंकर आए हैं लेकिन वह इस दौरान हमारी परीक्षा लेने । श्री राम जी ने बड़े सम्मान पूर्वक वृद्ध ब्राह्मण के चरण धुलाकर आसन पर बैठाया । उनको भोजन परोसा गया ,छोटे भाई लक्ष्मण जो भी परोसते वृद्ध ब्राह्मण एक ही ग्रास में ग्रहण कर लेते पत्तल में कुछ दिखता ही नहीं,रुकता ही नहीं ,और भी सभासद आ गये जो पत्तल को भरने लग गए पर पत्तल खाली की खाली ही रहती गई। दूर खड़े श्री राम जी शिव जी की लीला देख मन ही मन रोमांचित हो रहे थे । बात फैलते फैलतै राज महल और माता सीता तक पहुंच गई,रसोई का संपूर्ण संचालन एवं नियंत्रण वे ही देख रही थीं। एक बूढा ब्राह्मण आया है ,जिसकी पत्तल मे खाना रुकता ही नहीं ,भोजन सामग्री क्षण भर में साफ हो जाती है । अब यह भोज प्रतिष्ठा का विषय बन गया,लिए महल का पूरा भोजन और सामग्री समाप्त होने लगी,पर भगवान शिव शंकर तृप्त नहीं हुए। सीता माता चिंतित हो गईं तब श्रीराम जी ने माता अन्नपूर्णा पार्वती जी का आवाहन किया कि आप ही भगवान शंकर जी की क्षुधा शांत कर सकती हैं। सभी परोसने वाले वहां से हटा दिये गए,माता अन्नपूर्णा वहां प्रगट हो गईं। श्रीराम जी ने माता अन्नपूर्णा से निवेदन किया कि इन्हें आपके अतिरिक्त और कोई तृप्त नहीं कर सकता है आप ही अपने स्वामी को भोजन कराइये। अन्नपूर्णा माता ने भोजन पात्र अपने हाथ में लिया वैसे ही वह अक्षय पात्र बन गया अन्नपूर्णा माता विश्वनाथ को भोजन कराने लगीं,पत्तल में एक लड्डू परोसा ,शंकर जी खाते खाते तक गये, लड्डू समाप्त नहीं हुआ,माता ने दोबारा परोसना चाहा तो शंकर जी ने मना कर दिया। शंकर जी ने डकार ली और हंसकर कहा -अन्नपूर्णा तुम्हें आना पड़ा,अब मैं तृप्त हो गया। सीता माता द्वारा श्राद्ध का प्रसंग;-

जब उन्होंने साक्षात दशरथ जी को पितृ भोज करते देखा..

भगवान श्री कृष्ण से पक्षीराज गरूड़ ने पूछा लोग अपने पितर को मिल कर तरह तरह का भोजन कराते हैं, तो क्या उनके पित्र,देवलोक से मृत्यु लोक में वह भोजन गृहण करने आते हैं?क्या उन्हें कोई देख सकता है। इसका क्या प्रमाण है । तब श्री कृष्ण जी ने देवी सीता का प्रसंग सुनाया था। माता सीता ने पुष्कर तीर्थ में श्राद्ध किया था तब उन्होंने अपने ससुर सहित तीन पितरों को आमंत्रित ब्राह्मणों के शरीर में देखा था।

वह कथा सुने...

पिता की आज्ञा से श्रीराम लक्ष्मण सीता जी वनवास चले गए उन्हें ज्ञात हो गया था कि दुख में उनके पिता की मृत्यु भी हो गई है। जब श्री राम जी पुष्कर पहुंचे तो उन्होंने अपने पिता के निमित्त श्राद्ध किया इससे श्रेष्ठ अवसर हो ही नहीं सकता कि पिता का श्राद्ध पुष्कर में हो । श्री राम जी ने सभी शाक फल भोजन सामग्री की व्यवस्था की और माता सीता ने रसोई बनाई। सम्पूर्ण विधी विधान के साथ वहां श्राद्ध हेतु ब्राह्मणों का आवाहन किया गया। सभी नेआसन गृहण कर लिया ,जो भोजन उपलब्ध था, वह पत्तल में परोसा गया,माता जानकी स्वयं व्यवस्था कर रही थीं । अचानक जानकी भोजन करते ब्राह्मण और श्रृषियों के बीच से निकलीं और तुरंत ही दूर चली गईं, जाकर वे घनी झाड़ियों लताओं के पीछे छिपकर बैठ गईं,यह सभी कृत्य श्री राम जी देख रहे थे ,उन्हें आश्चर्य भी हुआ ,वे ब्राह्मण, ऋषियों के भोजन सम्पन्न होने की प्रतीक्षा कर रहे थे। भोजन उपरांत श्री राम ने जानकी माता से बोले -हे सीते तुम्हे तो मालुम है, कि ब्राह्मण, ऋषियों के रुप में स्वंय पितृ भोजन करते हैं ,फिर तुम अचानक वहां से कैसे आ गईं,कुछ कमी हो जाती टू वे रुष्ट हो सकते थे ?

तब रुंधे गले से माता जानकी ने बहुत ही भावुक करने वाला जबाब दिया -वहां उपस्थित ब्राह्मण एवं ऋषियों के बीच मैने दो महापुरुषों को देखा जो राजसी वेषभूषा में सजे धजे थे ,तभी मैंने आपके पिता जी के दर्शन किये,वे भी सभी राजसी वस्त्र आभूषण से सजे हुए थे। तभी मुझे लज्जा का बोध हुआ ,और मन में कुछ और भी आया

उसी क्षण मैंने निश्चय किया...

हे प्रभू,मैं इन सन्यासी वस्त्र,पेड़ की छाल,मृघचर्म धारण करके अपने ससुर के सम्मुख कैसे जा सकती हूं? जो भोजन हम परोस रहे थे ,वह तो राजा दशरथ के दास भी नहीं स्वीकार करते ,

मिट्टी और पत्ते के दोने में वह भोजन कैसे दे सकती थी ?

मैं तो अभी भी अपने ससुर की वहीं राजकुमारी लाडली बहू हूं,जो हमेशा स्वर्ण आभूषणों से कीमती वस्त्रों से सुसज्जित महारानी हूं। आज मैं अपनी इस अवस्था में उनके सामने कैसे जाती ,उनके मन को कितना क्षोभ पहुंचता ,मै उनके मन को दुख नहीं पहुंचा सकती थी , अतः मैं शीघ्रता से उनकी नजरों से दूर होकर, लताओं की ओट मे छुप गई । तब गरुण जी संतुष्ट हुए कि पित्र मृत्यु लोक में आकर अपना भोजन गृहण करते हैं।

सीता माता द्वारा फल्गु नदी आदि को दिया गया श्राप - कथा...

एक बार वनवास के समय श्रीराम लक्ष्मण एवं सीता जी गया जी तीर्थ पहुंचे उन्होंने पिता दशरथ के लिए श्राद्ध हेतु ब्राह्मणों से निवेदन किया। फलस्वरूप श्री राम लक्ष्मण श्राद्ध सामग्री एकत्र करने वरेण्य चले गए,माता सीता उनकी राह देखते फल्गु नदी तट पर बैठी थीं,जब काफी समय बीत गया दैपहर हो गई,श्राद्ध का समय बीतने लगा तब माता सीता ने ब्राह्मण जी के कहने पर अपने ससुर का श्राद्ध कर दिया । जब श्री राम लक्ष्मण सामग्री लेकर लौटे तो उन्हें ज्ञात हुआ श्राद्ध तो हो गया है और दशरथ जी ने स्वीकार कर लिया है। श्री राम जी क्रोध में आ गए थे कि बिना सामग्री बिना पुत्र के द्वारा पिता का श्राद्ध कैसे हो सकता है ? माता सीता ने पांच सबूतों को प्रस्तुत किया जो उस घटना के समय उपस्थित होकर श्रद्धा को देख रहे थे वे थे फल्गु नदी,कौआ, ब्राह्मण,गाय ,तुलसी पौधा और बरगद का पेड़ । श्री राम जी के क्रोध को देखकर फल्गु नदी, कौआ,तुलसी पौधा,गाय, ब्राम्हण ने झूठ बोला उन्हें नहीं पता कि श्राद्ध हुआ कि नहीं । सिर्फ बरगद के पेड़ ने ही कहा...हां माता सीता ने श्राद्ध किया है और दशरथ जी ने उसे सहर्ष स्वीकार किया है।तब सीता माता ने उन पांचों को झूठ बोलने पर श्राप दिया -फल्गू नदी केवल नाम की नदी रहेगी जिसमे पानी नहीं रहेगा ।

व्यंग्य

मेरी मर्जी...हाथ मिलाऊँ या न मिलाऊँ

(सुधाकर आशावादी - विनायक फीचर्स)

जब मैं किसी की ज़िंदगी में नही झाँकना चाहता, तो कोई मेरी क्यों झाँके ? ज़रा जरा सी बात पर बात का बतंगड़ बनाना लोगों की आदत बन चुकी है। जब से सोशल मीडिया का प्रादुर्भाव हुआ है, तब से तो जिसे देखो वही मान न मान मैं तेरा मेहमान बन कर कोई भी किसी की ज़िंदगी में दाखिल होने में देर नहीं लगाता। कभी शुभ चिंतक बन जाता है, कभी आलोचक । बहरहाल कोई अपने कष्टों से दुखी नहीं है। उसे बस उस सेलिब्रिटी पर टीका टिप्पणी,छींटाकशी करनी है, जो उसे न जानता है न पहचानता है। मुझे क्या पसंद है, क्या नहीं, मुझसे किस से बात करनी है, किस से नहीं, यह मेरी मर्जी पर निर्भर होना चाहिए या किसी अन्य की मर्जी पर। सवाल मेरे स्वाभिमान और मेरी स्वतंत्रता से जुड़ा है। न जाने क्यों लोग मुझसे अपेक्षा करते हैं, कि मैं उनकी मर्जी से ही जीवनचर्या अपनाऊं, वे जैसे कहें वैसे ही उनके इशारे पर कठपुतली का नाच दिखाऊं, वे कहें कि खड़ा हो जा तो खड़ा हो जाऊं, बैठ जा, तो बैठ जाऊं, चाय पी ले, तो चाय पी लूँ। पानी पी ले तो बिना प्यास के पानी पी लूँ। आखिर मेरी भी तो कोई अपनी इच्छा होगी, मेरा भी अपना नजरिया होगा, जिस नजरिये से मैं जीना चाहता हूँ, उस नजरिये से मेरी भी जीने की तमन्ना होगी। पर मेरे बारे में कोई सोचता ही नहीं, जिसे देखो वही मेरे आचरण के बाल की खाल निकालने में जुटा हुआ है। कल ही मैं मैदान में क्रिकेट खेल रहा था। टॉस हुआ, मैं टॉस हार गया। खेल में जीत हार नई बात नहीं है। चाहे टॉस जीतो या मैच, चाहे टॉस हारो या मैच, क्या फर्क पड़ता है। पर कुछ ऐसे लोग हैं, जो टॉस जीतने को मैच जीतने की प्रस्तावना मान लेते हैं। खेल के मैदान में खेल की शुरुआत ही खेल भावना के प्रदर्शन से होती है। कहा जाता है कि पहले प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी से हाथ मिलाओ, फिर खेल में अपना कौशल दिखाओ। मैं तर्कशील हूँ। हर परंपरा को तब तक निभाना नहीं चाहता, जब तक कि उस परंपरा को तर्क की कसौटी पर न तौल लूँ। मैंने टॉस हार कर विपक्षी टीम के मुखिया से हाथ नहीं मिलाया, मैच जीतकर भी विपक्षी टीम के खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया। लोग उसी की चर्चा करने लगे। हद है, लगता है कि कोई अपने दुःख से दुखी नहीं है। उन्हें केवल दूसरों के आचरण पर नजर रखनी है, कि कब किसने किस से हाथ मिलाया और कब हाथ पीछे कर लिए , कब किस को अपनत्व की नजर से निहारा और कब किसकी तरफ से निगाहें फेर ली। कब किस का अपमान किया, कब किसका सम्मान किया। वैसे समय बलवान है, न जाने कब किस का अपमान करा दे और कब किस का सम्मान। पग पग पर ऐसे लोग खड़े मिलते हैं, जिनसे हमारे विचार नहीं मिलते। क्या सभी से हाथ मिलाना जरुरी है। क्या जरुरी है कि किसी से मन मिले या न मिले हाथ मिलाते रहिए। अपुन तो अपनी मर्जी के मालिक हैं।

दुनिया मा मानवीय व्यवहार बस के हे कीमत

लक्ष्मीनारायण सेन, खुटेरी गरियाबंद छ.ग.

शांतिगढ़ नॉव के एक छोटकन देश रहय, जिंहा के राजा के नॉव प्रित सिंह रहय।राजा हा अपन प्रजा मन के अपन लइका मन बरोबर ख्याल रखय।एक दिन एक झिन साधु बबा हा घूमत घूमत शांतिगढ़ मा आ जते। शांतिगढ़ मा आए के बाद प्रजा मन ले राजा के आव भाव अउ व्यवहार ला जाने के कोशिश करते। राजा के बारे मा साधु बबा ला ज्ञात होते की राजा हा अड़बड़ दयालू स्वाभव के। साधु बबा हा राजा के प्रजा मन ला मिले के बाद राजमहल मा जाए ला लागते।उही बेरा मा राजा के सैनिक मन साधु बबा ला रोक लेते अउ कहिते ये कहां के मंगैया जंचैया आगे,येला भागाओ कहिके ओकर झोला झंखर ला नगा के आगी लगा देते।ओकर बाद भी साधु कहिते मोला एकनिक राजा से मिलना है भैय्या हो अउ कहितेतभे तो सैनिक मन कहिते ये का तभे तो लगाए हस डोकरा तँय,अरे ये डोकरा ला राजा तीर जावन दो। साधु बबा हा सीन दरवाजा मा जाते उहां द्वारपाल मन साधु ला रोकते। द्वारपाल मन हा साधु ला कहिते बबा तँय हा मांगे जांचे बर आत होबे ता तँय हा आज घर जा पुन्नी के दिन आबे तोला मुहुंमंगा दान मिलही। द्वारपाल के गोठ ला सुन साधु फेर कहितेतभे तो ना साधु के गोठ ला सुन द्वारपाल मन हा कहिते का तभे तो बबा? साधु फेर कहिते तभे तो ना साधु के बोली ला सुन द्वारपाल मन असकटा जते अउ जाए बर साधु ला रद्दा दे दे थे।

द्वारपाल मन ले उबर के बाद साधु बबा के भेट राजा के मंत्री के संग होते। मंत्री हा साधु बबा ला देख साधु के पॉव पलगी करते।साधु हा मंत्री ला कहिते, ये मंत्री तँय मोला राजा से भेट करवा दे।अतका ला सुन मंत्री हा साधु ला कहिते देख बबा अभी राजा साहब के जेवन के बेरा आए, ये बेरा मा ओहा काकरो से नइ मिलै।मंत्री के गोठ ला सुन साधु हा मंत्री ला कहितेतभे तो बात हे ना अतका सुन मंत्री हा सोचे ला लागते ये सबो जगातभे तो कहत आत हे येकर का रहस्य हे, साधु बबा ला पूछे ला लागते की येतभे तो के का रहस्य हे बबा। मंत्री के गोठ ला सुन साधु हा मंत्री ला कहिते तँय हां जा के राजा ला बात तोर सन कोनो साधु हा मिले ला हे कहिके तभे तो बता हूं ?।साधु केतभे तो तो बोली ला सुन तुरते राजा ला जा के मंत्री हा बताते। मंत्री के गोठ ला सुन अपन भोग भंडारा ले बिना खाए राजा हा साधु ले मिले बर आते। साधु ला देख राजा हा सुत के साधु के जय जोहार करते ओकर बाद मा साधु के चरण पखारते अउ महल मा राजा हा साधु ला सुग्घर अकन ले बिठाते। राजा हा साधु के राज पहुना कस मान गोन करते।

राजा हा साधु के पहुना सत्कार करे के बाद मा, राजा हा साधु ला माफी मांगते की मोर महल मा कोनो किस्म ले तोर मान गोन मा गलती होइश होहि ता क्षमा करबे साधु बबा। राजा हा साधु ला पूछते हे भगवन तोर ये तभे तो शब्द के का रहस्य हे ओला हमन ला समझा।राजा के गोठ ला साधु हा कहितेतभे तो राजा तँय हा राजा हस तोर दुनिया मा अच्छा गुण गान होवत हे।राजा हा फेर कहिते मॅय हा नइ समझेव तोर बात ला। साधु हा राजा अउ जम्मो प्रजा मन ला समझाते देखो जी राजा हा सुग्घर अउ नरम व्यवहार के कारण दुनिया मा चर्चित हावै, अउ ये हा राजा के दायित्व ला निभावत हावै।देखौ जी राजा, मंत्री, द्वारपाल, अउ सैनिक जम्मो तोर हमर सहिन मइन्खे आए फेर मॅय हा राजा भर के गुण गान काबर गावत हव तुमन जम्मो समझ गे हो हूं। दुनिया मा मइन्खे, मइन्खे के धन सम्पत्ति अउ पद प्रतिष्ठा ले ज्यादा मइन्खे के व्यवहार के कीमत होते।

बिहार चुनाव बड़ा दिलचस्प होगा

संजय गोस्वामी, अणुशक्तिनगर, मुंबई

हाजीपुर में मंगलवार की रात जन सुराज यात्रा के दौरान प्रशांत किशोर ने लालू परिवार पर तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि लालू परिवार की वापसी से बिहार में जंगल राज लौट सकता है। प्रशांत किशोर ने लालू यादव और तेजस्वी यादव पर निशाना साधा।बिहार और बिहार के लोग लालू-राबड़ी के जंगलराज से परिचित हैं, लेकिन 90 के दशक में जंगलराज का मतलब केवल बूथ लूटना, लूट-हत्या, छेड़खानी या लालू यादव की बेटियों की शादी के लिए गाड़ियों के शोरूम से नई गाड़ी उठाई गई ऐ मैं नहीं, पटना हाईकोर्ट ने 1990 से 2005 तक बिहार में लालू-राबड़ी शासनकाल को जंगलराज की संज्ञा 1997 में दी थी.उस समय जमीन लूटना, गोली मरना, चोरी और गन्दी फिल्मों का रिलीज होना आम बात था नौकरी के लिए पैसा देना पड़ता था नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सरकार ने अपने सराहनीय प्रयास से बिहार में जंगल राज को खत्म किया पहले दिन में ही डाका पड़ता था थाने वाले भी उसे पकड़ने में नाकाम रहते और छोटे व्यापारी को चंदा देना होता था अपहरण की कितनी घटना हुई शिक्षा का भी व्यापार हुआ इसलिए बिहार से जो लोग भी नौकरी की तलाश में दूसरे राज्य में जाते तो इंटरव्यू में उल्टा क्वेश्चन पूछ कर भगा दिया जाता, मैंने वहाँ से 1992 में 3 साल का बीएससी का कोर्स 5 साल यानी 1994 में पूरा किया और कई बार बिहार की डिग्री के कारण अच्छे अच्छे संस्थान में इंटरव्यू में फेल हुआ क्योंकि जब कमिटी डिग्री देखती तो उसे भरोसा ही होता की सही है एक बार एक मास्टर डिग्री के छात्र को किसी अनुसंधान संस्थान, इंदौर में रिटेन के बाद इंटरव्यू देना पड़ा तो बिहार का डिग्री सुन कर लालू यादव के बारे में सवाल पूछ दिया और उसके बाद फेल हो गया केवल एक डिग्री का इस्सू नहीं था बल्कि वहाँ के लोग से सच्चाई का विश्वास भी उठ गया था अतः मैंने देहरादून से जब 1साल का इलेक्ट्रॉनिक में एडवांस कोर्स किया तब जाकर कहीं अच्छे संस्थान में बहुत क्वेश्चन का ज़बाव देने के बाद नौकरी मिली ऐ बहुत ही शर्म की बात है कि एक अनपढ़ लड़का पैसा और राजनीति ताकत के बल पर नौकरी पा लेता और जो पढ़े लिखे थे उन्हें अपने खर्ज के लिए सुबह 6 बजे भोर से ही ट्यूशन पढ़ना पड़ता और रात में घर लौटता क्योंकि वहाँ इंफ्रास्ट्रक्चर भी नहीं था इसलिए कहीं आने जाने में ही 2-3 घंटे लग जाते ऐ इंफ्रास्ट्रक्चर का काम तो दीखता है पुल बने रोड बना और लोगों को बेहतर सुविधा मिली विपक्ष के बोलचाल से जैसे किसी को भी गाली देना मंच से उतार देना है आज भी जिस तरह इंडिया गठबंधन के बोलने की भाषा आ रही है उससे यही लगता है कि यदि गलती से भी इंडिया गठबंधन की सरकार बनी तो बिहार में फिर से गुंडाराज आ सकता है लेकिन मैं अभी तक ऐ समझ नहीं पा रहा हूँ माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने उसका दो बार सरकार बनाने में साथ क्यों दिया और क्या संभावना है कि अगर त्रिशुंक बहुमत मिला तो क्या वो फिर से इंडिया गठबंधन में जा सकते हैं हालांकि बिहार में मोदीजी को लोग विकास के लिए मानते हैं क्योंकि बिहार से जंगलराज के बाद गुजरात में जब नौकरी के लिए गए तो वहाँ का विकास देखा है हाल ही में उप राष्ट्रपति धनकड़ जी का त्याग पत्र देना और उसके बाद उप राष्ट्रपति पी .राधाकृष्णनजी का बनना ऐ दिखाता है कि एनडीए अभी कमजोर नहीं है कुछ यू ट्यूबर पूर्व उप राष्ट्रपति के त्यागपत्र को ऐ बता रहें हैं कि वो कुछ उद्योगपति से मिलकर सरकार गिराने की कोशिश कर रहे थे और उद्योगपति ने इंडिया गठबंधन को सरकार बनाने के लिए आम आदमी पार्टी को

नीतीश कुमार या चंद्राबाबूनायडू के नेतृत्व में प्रधानमंत्री बनाने को एकजुट होने को कहा और चंद्राबाबूनायडू को अपने राज्य में ही मुख्यमंत्री बनने की इक्छा जताई फिर नीतीश कुमार को कहा गया क्योंकि दोनों के गठबंधन से ही सरकार टिकी है और श्री नीतीश कुमार ने ये बात मोदीजी को बताई क्योंकि उन्हें मालूम था सरकार चलाना मुश्किल होगा अतः उन्होंने एनडीए के साथ ही रहने में अपनी भलाई समझी हालांकि मैं बिना जाने इसपर क़ोई भी टिप्पणी नहीं करूँगा लेकिन मोदीजी और नीतीश जी की जोड़ी बिहार में हिट हो रही है लेकिन अब कुछ नई पार्टी जैसे जनसुराज और अन्य छोटे दलों से भी वोट काटने की संभावना है. अतः बिहार का चुनाव में कांटे की टक्कर नजर आ रही है।

C M Y K

मोदी के 75वें जन्मदिन पर भाजपा सरगुजा ने मनाया सेवा पखवाड़ा निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण और रक्तदान शिविर का आयोजन

33 निजी अस्पतालों में कुल 1845 लोगों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण और 78 यूनिट रक्तदान

-संवाददाता-
अंबिकापुर,18 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन के अवसर पर भाजपा जिला सरगुजा ने जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया के नेतृत्व में सेवा पखवाड़ा के प्रथम दिवस विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया। इस दौरान निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, रक्तदान शिविर,स्वच्छता अभियान प्रधानमंत्री जी का लाइव उद्बोधन और वृक्षारोपण जैसे कई कार्यक्रम समर्पण के साथ सफलता पूर्वक आयोजित किए गए, जिसमें बड़ी संख्या में पदाधिकारी कार्यकर्ता और आम नागरिकों ने भाग लिया। निजी अस्पतालों द्वारा आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण का प्रतिसाद अद्भुत रहा। सेवा पखवाड़ा के तहत जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया के आह्वान पर जिले के 33 निजी अस्पतालों ने स्वेच्छा से स्वस्फूर्त अपने-अपने ओ पी डी में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविरों के माध्यम से कुल 1845 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर रियायती दरों पर दवाइयां को भी उपलब्ध कराया इस पहल में सहयोग करने वाले प्रमुख निजी अस्पतालों में जीवन ज्योति अस्पताल,संकल्प हॉस्पिटल, डॉ. फिरदौसी हॉस्पिटल, लाइफ लाईन हॉस्पिटल, लेजर हॉस्पिटल, माता राजरानी हॉस्पिटल, डॉ. एम.पी. अग्रवाल क्लीनिक, श्री राम हॉस्पिटल, दयानिधि हॉस्पिटल, माँ महामाया मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल, आरोग्य निकेतन हॉस्पिटल, एस.आर.एस. हॉस्पिटल, अथर्व हॉस्पिटल, निर्मला हॉस्पिटल, गायत्री हॉस्पिटल, शिशु मंगलम हॉस्पिटल, ओजस हॉस्पिटल, मासूम चिल्ड्रेन हॉस्पिटल, डॉ. दुबे केयर क्लीनिक, परमार हॉस्पिटल, के.डी. हॉस्पिटल, हॉली क्रॉस हॉस्पिटल, अरिहंत हॉस्पिटल, लक्ष्मीनारायण हॉस्पिटल, और संस्कृति हॉस्पिटल शामिल हैं। इन सभी अस्पतालों के संचालकों और डॉक्टरों के सराहनीय योगदान के लिए भारत सिंह सिसोदिया के नेतृत्व में भाजपा पदाधिकारियों ने उन्हें शॉल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। अभियान के प्रथम दिवस पार्टी द्वारा गठित जिले के सभी 16 मंडलों में भी स्वच्छता वृक्षारोपण एवं स्वास्थ्य परीक्षण सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए ! इसी क्रम में रघुनाथ जिला चिकित्सालय, अंबिकापुर में वृहद रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें युवाओं ने कुल 78 यूनिट रक्तदान किया। इस अवसर पर अस्पताल परिसर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उद्बोधन का सीधा प्रसारण अस्पताल के अधिकारी कर्मचारी एवं आमजन के साथ देखा गया। इसके अलावा, जिले भर के 16 मण्डलों के 630 बूथों में लगभग 15,000 से अधिक लोगों ने स्वच्छता अभियान में हिस्सा लिया जो कार्यक्रम की विशेषता रही। रघुनाथ जिला चिकित्सालय में आयोजित कार्यक्रम के अंत में,जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने उपस्थित कार्यकर्ताओं और जनता को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री को जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत एक विकसित राष्ट्र के रूप में उभर रहा है, जो विश्व को नई दिशा दे रहा है। उन्होंने अंत्योदय के सपने को साकार करने और समाज के अंतिम व्यक्ति को सशक्त बनाने के लिए प्रधानमंत्री के प्रयासों की सराहना की ! कार्यक्रम का संचालन सेवा पखवाड़ा जिला संयोजक विनोद हर्ष एवं आभार प्रदर्शन मेडिकल कॉलेज अधिष्ठाता अविनाश मेश्राम ने किया ! इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता अनिल सिंह मेजर, ललन प्रताप सिंह, पूर्व संभागीय संगठन मंत्री विधान चंद्रकर, उपाध्यक्ष जिला पंचायत राजनांदगांव विक्रांत सिंह, अंबिकेश केशरी,वरिष्ठ नेता करता राम गुप्ता,डॉक्टर रमेश चंद्र आर्या, डॉ. जे के रेलवानी, कमलेश तिवारी, मनोज कंसारी, विद्यानंद मिश्रा, मधुसूदन शुक्ला, जन्मेजय मिश्रा, राजकुमार बंसल, विकास पांडेय, रिंकू सिंह, संतोष दास, रूपेश दुबे, पार्षद किरण साहू, ममता तिवारी, देवकी त्रिपाठी, सावित्री जयसवाल, प्रकाश साहू, अभय साहू, इंदर भगत, अनिल जायसवाल, संजय अग्रवाल, संतोष बिहाड़े, अनिल तिवारी, धनंजय मिश्रा, संजीव वर्मा, मयंक जायसवाल, राकेश शुक्ला, अभिषेक सिंह देव, अजय सोनी, भोला कश्यप, राजू खन्ना, डॉ. अविनाशी कुजूर, डॉ. सुमनसुधा तिर्की, डॉ. अरुणेश सिंह, डॉ. राकेश निगम, डॉ. पाल सारथी, पूर्णिमा केशरवानी, स्वास्थी शुक्ला, डाय टीशियन सुमन सिंह, सी एस लाल, छोटेलाल सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, सम्मानित चिकित्सक और आमजन मौजूद रहे।

विशेष विद्यालय में खेल-कूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियां हुईं आयोजित

-संवाददाता-
अंबिकापुर,18 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।
''सेवा पखवाड़ा'' 2025 अंतर्गत समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित दिव्यांग विद्यार्थियों के विशेष विद्यालय में गुरुवार को खेल-कूद प्रतियोगिता एवं विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित की गई। कार्यक्रम में नगर पालिक निगम अम्बिकापुर सभापति श्री हरमिन्दर सिंह टिन्नी, जनप्रतिनिधियों में डॉ शिवमंगल सिंह, श्री मनोज गुप्ता उपस्थित रहे। नगर पालिक निगम के सभापति श्री टिन्नी द्वारा दिव्यांग बच्चों के प्रतिभाओं की सराहना की। उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ये बच्चे प्रतिभावान हैं, बच्चों मे अद्भुत क्षमता है। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा दिव्यांग बच्चों के अधिकार, सुरक्षा एवं संरक्षण पर विधिक जानकारी प्रदान की गई। समाज कल्याण विभाग के उप संचालक श्री व्ही.के. उके द्वारा दिव्यांग स्कूलों के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान शासकीय बौद्धिक मंदता विद्यालय अम्बिकापुर में खेल-कूद प्रतियोगिता के तहत कुर्सी दौड़, 100 मीटर दौड़, पेंटिग का आयोजन किया गया तथा विद्यार्थियों द्वारा संगीत प्रस्तुत किया गया। इसी तरह होलीक्रास आशा निकुंज श्रवण बाधित विशेष विद्यालय अम्बिकापुर द्वारा पेंटिग, स्लोगन लेखन, बलून शर्ट, चना चम्मच, बलून ढूढ़ना, न्यूज पेपर फाड़ना, तीन पैर दौड़, गेंद फेंकना, आलू जमा करना, एकल नृत्य, छत्तीसगढ़ी नृत्य की प्रस्तुती दी गई। इस दौरान प्रतिभागी बच्चों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के दौरान शासकीय बौद्धिक मंदता विद्यालय अम्बिकापुर की प्रभारी अधीक्षक श्रीमती शाबरा बी. खान, होलीक्रास आशा निकुंज श्रवण बाधित विशेष विद्यालय अम्बिकापुर से सिस्टर श्वेता तथा विभागीय कर्मचारी उपस्थित थे।

एनएचएम कर्मचारियों की हड़ताल बनी सरकार के लिए चुनौती,बर्खास्तगी की प्रक्रिया शुरू,उग्र आंदोलन की चेतावनी

-संवाददाता-
अंबिकापुर,18 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल अब संकट का रूप ले चुकी है। 18 अगस्त से संविलियन और नियमितिकरण सहित 10 सूत्रीय मांगों को लेकर चल रही इस हड़ताल को 32 दिन बीत चुके हैं,लेकिन कर्मचारियों के न मानने और शासन की सख्त रवैये ने अब हालात को टकराव की ओर मोड़ दिया है।

सरकार ने अंतिम चेतावनी के बाद कार्रवाई शुरू कर दी है और 550 कर्मचारियों को बर्खास्त करने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया द्वारा 16 सितंबर तक ड्यूटी पर लौटने का अल्टीमेटम दिया गया था, लेकिन कर्मचारियों के नहीं लौटने पर 17 सितंबर को जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) को निर्देशित किया गया कि नई भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ की जाए। सीएमएचओ प्रेम सिंह मरकाम ने बताया कि बर्खास्त किए जाने वाले कर्मचारियों को एक माह का वेतन देकर सेवा से पृथक किया जाएगा, और नई संविदा भर्ती की जाएगी।

नौकरी से हाथ धो बैठेंगे 550 कर्मचारी

अंबिकापुर जिले के लगभग 550 एनएचएम कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त की जा रही हैं। इनकी जगह नई नियुक्तियां की जाएंगी। हालांकि,सीएमएचओ ने स्पष्ट किया कि पूर्व कर्मचारियों को भी पुनः भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने का मौका दिया जाएगा,लेकिन उनकी वरिष्ठता समाप्त मानी जाएगी। वेटिंग लिस्ट में शामिल अभ्यर्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी।

जेल भरो आंदोलन में उतरे कर्मचारी : सरकार की कार्रवाई के विरोध में गुरुवार को संभाग भर के एनएचएम कर्मचारी जेल भरो आंदोलन में शामिल हुए। कर्मचारियों ने प्रतिक्षा बस स्टैंड से रैली निकालकर कला केंद्र मैदान तक विरोध मार्च किया। इस दौरान जमकर नारेबाजी हुई। जिला एनएचएम कर्मचारी संघ की अध्यक्ष शिल्पी राय ने कहा कि शासन-प्रशासन दमनकारी नीति अपना रहा है। एक कर्मचारी नहीं, उसका पूरा परिवार बर्खास्त हो रहा है,उन्होंने कहा। साथ ही चेतावनी दी कि यदि मांगे नहीं मानी गईं तो उग्र आंदोलन होगा, और आत्मदाह जैसे कदम उठाने को भी कर्मचारी बाध्य होंगे।

सरकार ने पूरी कीं 5 मांगें फिर भी जारी है हड़ताल

कर्मचारी 10 सूत्रीय मांगों के साथ हड़ताल पर हैं, जिनमें से 5 मांगें शासन द्वारा पहले ही पूरी की जा चुकी हैं। इसके बावजूद भी हड़ताल खत्म नहीं हुई है। कर्मचारी नियमितिकरण, स्थायीत्व, और पुरानी सेवा शर्तों को लेकर अब भी अड़े हुए हैं।

स्वास्थ्य व्यवस्था पर पड़ा व्यापक असर

हड़ताल के कारण जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो चुकी है। ग्रामीण क्षेत्रों में टीकाकरण,मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाएं और प्राथमिक उपचार जैसी सुविधाएं ठप हैं। प्रशासन बार-बार कर्मचारियों से काम पर लौटने की अपील कर चुका है,लेकिन गतिरोध खत्म नहीं हो रहा।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार आरक्षक की मौत

-संवाददाता-
अंबिकापुर,18 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।
अंबिकापुर-बिलासपुर मुख्य मार्ग स्थित लहपटरा के पास बुधवार की दोपहर तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। दुर्घटना में बाइक सवार आरक्षक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया। यहां जांच के दौरान डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। आरक्षक सूरजपुर ड्यूटी जाने के लिए निकला था। आरक्षक हेलमेट भी पहना था पर लेकिन दुर्घटना में सिर से निकलकर फेंका गया और सिर में गंभीर चोट लगने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मसत्य राम पैकरा (42) उदयपुर थाना क्षेत्र के ग्राम सरना का रहने वाला था। वह सूरजपुर जिले में आरक्षक के पद पर पदस्थ था। वह घर आया था और 17 सितंबर की दोपहर बाइक से ड्यूटी जाने निकला था। रास्ते में लखनपुर थाना क्षेत्र के लहपटरा स्थित कमल फ्यूल के पास सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक क्रमांक यूपी 44 बीटी 0920 ने आरक्षक की बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर से आरक्षक बाइक समेत सडक़ पर जा गिरा। आरक्षक मसत्य राम पैकरा ने हेलमेट पहना हुआ था, इसक बावजूद भी उसकी जान नहीं बच पाई। ट्रक की टक्कर के बाद उसका हेलमेट निकलकर गिर गया और आरक्षक के सिर पर गंभीर चोटें आई थी।

पदीय दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही

विकासखण्ड लखनपुर के खाद्य निरीक्षक लखेश्वर प्रसाद वर्मा निलंबित

-संवाददाता-
अंबिकापुर,18 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।
कार्यालय कलेक्टर (खाद्य शाखा) अम्बिकापुर द्वारा आदेश जारी किया गया है। जिसमें विकासखण्ड लखनपुर के खाद्य निरीक्षक श्री लखेश्वर प्रसाद वर्मा को 16 जुलाई 2025 को पत्र जारी कर संदिग्ध राशन कार्डों के भौतिक सत्यापन एण्ट्री कार्य में प्रगति नहीं होने, 25 अगस्त को डी.डी राशि जमा कार्य में प्रगति नहीं होने, 04 सितम्बर को डीओ मात्रा में सुधार हेतु प्रतिवेदन प्रस्तुत नहीं करने के कारण, कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। जिसपर उक्त किसी भी नोटिस का जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया, ना ही कार्यों में प्रगति लाया गया। आज की स्थिति में विकासखण्ड लखनपुर में 278 संदिग्ध राशन कार्डों के भौतिक सत्यापन एण्ट्री कार्य शेष है। जिला कार्यालय अंबिकापुर में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा बैठक में श्री वर्मा बिना किसी सूचना के निरंतर अनुपस्थित रहते हैं,जिससे विकासखण्ड लखनपुर के पीडीएस संबंधी समस्त कार्य प्रभावित हो रहे है। श्री वर्मा द्वारा विकासखण्ड लखनपुर अंतर्गत उचित मूल्य दुकानों का निरीक्षण/पर्यवेक्षण में लापरवाही बरतने के कारण हितग्राहियों को नियमित रूप से खाद्यान्न प्राप्त करने में असुविधा होने के संबंध में लगातार जनशिकायतें प्राप्त हो रही है। श्री लखेश्वर प्रसाद वर्मा का उक्त कृत्य छ.ग. सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 3 के विपरीत है। कलेक्टर श्री विलास भोसकर ने आदेश जारी कर श्री लखेश्वर प्रसाद वर्मा को पदीय दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही एवं स्वेच्छाचारिता बरतने के कारण छ.ग. सिविल सेवा आवरण नियम 1965 का उल्लंघन किये जाने के फलस्वरूप, छ.ग. सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 9 (1) (क) के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। निलंबन काल में श्री वर्मा का मुख्यालय जिला कार्यालय (खाद्य शाखा) अम्बिकापुर नियत किया गया है। सक्षम अनुमति के बिना नियत मुख्यालय नहीं छोड़ने कहा गया है।

धान खरीदी में किसानों को नगद भुगतान की सुगमता हेतु बैंकर्स बैठक आयोजित

-संवाददाता-
अंबिकापुर,18 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।
छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार धान खरीदी वर्ष 2025-26 में किसानों और खातेदारों को नगद राशि का भुगतान सुगमता से सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. अम्बिकापुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीकांत चन्द्राकर की अध्यक्षता में बैंकर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पंजाब नेशनल बैंक, एक्सिस बैंक, आईडीबीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा एवं इंडसइंड बैंक के अधिकारी शामिल हुए। बैठक में आगामी धान खरीदी सत्र के दौरान किसानों को त्वरित और सुगम भुगतान सुनिश्चित करने के लिए सभी बैंकों ने सहयोग प्रदान करने पर सहमति व्यक्त की। विदित हो कि धान खरीदी वर्ष 2024-25 में सरगुजा संभाग अंतर्गत पांच जिलों की 31 शाखाओं से जुड़ी 153 समितियों के कुल 203 उपार्जन केन्द्रों के माध्यम से 1,95,647 किसानों से 1,28,43,956.40 क्विंटल धान की खरीदी की गई थी। इस दौरान किसानों/खातेदारों को बैंकों द्वारा 2,95,411.00 लाख रुपये का सफलतापूर्वक भुगतान किया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीकांत चन्द्राकर ने कहा कि शासन के मंशानुरूप किसानों को समय पर और पारदर्शी तरीके से नगद भुगतान सुनिश्चित करना बैंक की प्राथमिकता है। इसके लिए सभी बैंकर्स को मिलकर कार्य करना होगा ताकि किसानों को किसी भी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े।

कौशल दीक्षांत समारोह का हुआ आयोजन,विभिन्न विधाओं में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले हुए सम्मानित

-संवाददाता-
अंबिकापुर,18 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।
रजत जयंती महोत्सव के अंतर्गत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर गुरुवार को कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम जन शिक्षण संस्थान सरगुजा के द्वारा कौशल दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष श्री विश्व विजय सिंह तोमर उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में स्वागत प्रतिवेदन प्रस्तुत करके जन शिक्षण संस्थान के निदेशक एम सिद्दीकी ने संस्थान के कार्यों एवं उपलब्धियों से अवगत कराया। इस दौरान राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष श्री विश्वविजय सिंह तोमर ने कहा कि कौशल विकास का युवाओं से गहरा संबंध है, क्योंकि यह उन्हें नौकरी के लिए आवश्यक प्रशिक्षण और कौशल प्रदान करता है। जिससे उनकी रोजगार क्षमता बढ़ती है और वे आत्मनिर्भर बनते हैं।

युवाओं को ऐसे कौशल सिखाना जो बाजार की मांग के अनुरूप हों, ताकि उन्हें आसानी से नौकरी मिल सके। यह जरूरी है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में उपस्थित नगर निगम सभापति श्री हरमिंदर सिंह टिन्नी ने कहा कि आज विश्वकर्मा भगवान का जन्मदिवस है, आज का दिन बहुत खास है। इस खास दिन में कौशल दीक्षांत समारोह में जिन्हें दीक्षांत मिल रहा उन्हें बहुत-बहुत शुभकामनाएं।उन्होंने कहा कि रोजगार हेतु युवाओं को आधुनिक कौशल प्रदान करना होगा। जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन टेक्नोलॉजी और इलेक्ट्रिक वाहन जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षित करना होगा, जिससे युवा भविष्य के लिए तैयार हो सकें। पार्षद श्री आलोक दुबे ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वर्ष पूरे होने पर यह कौशल दीक्षांत समारोह का आयोजन हो रहा है। सभी के प्रयास से सरगुजा का यह जनशिक्षण संस्थान पूरे राज्य में सभी मामलों में सबसे आगे है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विजन से लाखों युवा जो बेरोजगार थे उन्हें कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के तहत रोजगार मिल रहा है। जन शिक्षण संस्थान युवाओं को प्रशिक्षण के साथ रोजगार मुहैया कराता है, सैकड़ों युवा संस्थान में प्रशिक्षण लेकर अपने पैरों पर खड़े होकर रोजगार कर रहे हैं। उन्होंने सभी को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पार्षद श्री जीतेन्द्र सोनी, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया अंबिकापुर श्री दीपेंद्र यादव , सहायक संचालक रोजगार श्री ललित पटेल, जन शिक्षण संस्थान सरगुजा से निदेशक एम सिद्दीकी, जिला परियोजना अधिकारी श्री गिरीश गुप्ता, जनप्रतिनिधियों में श्रीमती अनिता रविन्द्र गुप्ता, श्रीमती श्वेता गुप्ता, अधिकारी-कर्मचारी, स्थानीय जनप्रतिधि, विभिन्न स्कूल एवं कॉलेज के स्टाफ एवं प्रतिभागी उपस्थित रहे।

CMYK

सरपंच संघ चुनाव में कांग्रेस समर्थित रामसाय मिंज की 76 मतों से हुई जीत

-संवाददाता-

अंबिकापुर,18 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)। जनपद पंचायत अंबिकापुर में हुए ब्लॉक सरपंच संघ के चुनाव में कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी रामसाय मिंज ने भारी अंतर से जीत दर्ज की। ग्राम सरई टिकरा के सरपंच मिंज को 101 ग्राम पंचायतों में से 99 सरपंचों ने मतदान किया, जिसमें उन्हें 76 मत मिले,जबकि प्रतिद्वंद्वी सोनू तिग्गा को केवल 23 वोट प्राप्त हुए। कांग्रेस का कहना है कि अंबिकापुर ब्लॉक पहले से ही जनपद पंचायत में कांग्रेस के बहुमत वाले क्षेत्रों में शामिल है। इस निर्णायक जीत ने अंबिकापुर ग्रामीण क्षेत्र में कांग्रेस की राजनीतिक पकड़ को और मजबूत किया है। जिले के दोनों जिला पंचायत क्षेत्रों में भाजपा से जुड़े प्रभावशाली नेताओं के परिजन सदस्य हैं, फिर भी कांग्रेस को पंचायत प्रतिनिधियों का जबरदस्त समर्थन मिला है। चुनाव में दो सरपंच निजी कारणों से अनुपस्थित रहे।

तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से बाइक सवार ससुर-दामाद की मौत

-संवाददाता-

अंबिकापुर,18 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)। वाड्रफनगर चौकी अंतर्गत मोरन चौक के पास गुरुवार की दोपहर तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार ससुर-दामाद को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों के सिर में गंभीर चोट लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के वाड्रफनगर चौकी अंतर्गत ग्राम इंजानी निवासी संतोष पटेल 50 वर्ष व उसका ससुर गिरजा शंकर पटेल 65 वर्ष गुरुवार की दोपहर बाइक पर सवार होकर वाड्रफनगर जा रहे थे। वे अंबिकापुर-वाराणसी मुख्य मार्ग पर मोरन चौक से वाड्रफनगर की ओर मुड़े थे। दोनों चौक से करीब 2 किलोमीटर आगे बस्ती के पास पहुंचे ही थे कि बनारस की ओर से तेज रफ्तार में आ रहे ट्रक क्रमांक यूपी 44 एटी-0659 ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों सिर के बल सड़क पर जा गिरे। इससे उनका सिर फट गया और सड़क खून से लाल हो गई। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रक का चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। इधर सूचना मिलते ही वाड्रफनगर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। इस दौरान स्थानीय लोगों ने मृतकों की शिनाख्त की। पुलिस ने उनके परिजनों को सूचना देने के बाद ससुर-दामाद का शव वाड्रफनगर हॉस्पिटल पहुंचाया। इधर सूरजपुर जिले की चंदौरा पुलिस ने भाग रहे ट्रक चालक को वाहन समेत पकड़ लिया।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अंबिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र... अ-2/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रंजीत कुमार एक्का पिता इमिल एक्का जाति उरांव निवासी बिशुनपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम बिशुनपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) खसरा नंबर 157/6 रकबा 0.024 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1. खसरा, नक्शा, भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 04/10/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 18/09/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पुदमुद्रा से जारी।

(सील) अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अंबिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र... अ-2/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक जाकिर हुसैन पिता तईअब अंसारी जाति जुलाहा निवासी मोमिनपुरा तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम सोनपुरकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) खसरा नंबर 293 /1 रकबा 0.036 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु ÷व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, पंचायत नक्शा, सेटलमेन्ट, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 04/10/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 18/9/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी ।

(सील) अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा,छ0ग0

ईश्तहार

रा.प्र.क्र..202508021700028 /अ-27/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका बसन्ती इन्दवार पति स्व. रामविलास व अन्य, निवासी ग्राम कांतिप्रकाशपुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 द्वारा द्वारा ग्राम कांतिप्रकाशपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 205/1, 271/2, 272/3, 273/1, 388/3 कुल खसरा नंबर 05 कुल रकबा 0.1360 हे0 भूमि का अनावेदिका सूरजमनिया तुरी पिता रामबिलास, निवासी ग्राम कांतिप्रकाशपुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के मध्यम खाता विभाजन कराने के संबंध में आवेदन छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 178 के तहत् प्रस्तुत की गई है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 06/10/2025 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 15/09/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

(सील) नायब तहसीलदार, अम्बिकापुर-2

न्यायालय तहसीलदार बैकुण्ठपुर जिला कोरिया,छत्तीसगढ़

ईश्तहार

क्रमांक.../वाचक/2024 बैकुण्ठपुर दिनांक / /2024

एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं ग्रामवासी / नगरवासी ग्राम रटगां को आम जनता को ईश्तहार के जरिए सूचित किया जाता है कि आवेदक / आवेदिका. धर्मपाल पिता/पति सुखईराम जाति जोड निवासी रटंगा तहसील बैकुण्ठपुर जिला - कोरिया के द्वारा दलवीर सिंह निवासी रटंगा का जन्म/मृत्यु दिनांक 10-7-2015 को होने के कारण जन्म/मृत्यु प्रमाणपत्र बनवाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

आवेदक/आवेदिका द्वारा प्रस्तुत उक्त जन्म / मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने पर जिस किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो स्वयं अथवा अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में दिनांक 25-9-2025 को 11:00 बजे तक आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित समयावधि के बाद प्राप्त आपत्तियो पर कोई सुनवाई नही होगी।

आज दिनांक 12-9-2025- को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा अंकित कर जारी किया गया।

(सील) कार्यपालिक डण्डाधिकारी बैकुण्ठपुर कोरिया,छ0ग0

कलेक्टर ने स्कूलों बच्चों के साथ बैठकर किया मध्यान्ह भोजन

पढ़ाई की गुणवत्ता और स्कूल व्यवस्थाओं का किया अवलोकन

-संवाददाता-

अंबिकापुर,18 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)। कलेक्टर श्री विलास भोसकर एवं जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार अग्रवाल ने आज अंबिकापुर विकासखंड के विभिन्न प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों और छात्रावासों का औचक निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने बच्चों की पढ़ाई की गुणवत्ता,स्कूल एवं छात्रावास की व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन किया और शिक्षकों को बच्चों की साफ-सफाई एवं अनुशासन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर एवं सीईओ ने प्राथमिक एवं मिडिल स्कूल नानदमाली, पहाड़ी कोरवा बालक छात्रावास आश्रम नानदमाली, प्राथमिक शाला बारीपारा एवं मिडिल स्कूल बड़ादमाली का दौरा किया। बच्चों की त्रैमासिक परीक्षाओं के प्रश्न पत्र देखकर उन्होंने अध्ययन स्तर की समीक्षा की और विद्यार्थियों से सीधा संवाद कर उनकी शैक्षणिक प्रगति की जानकारी ली। कलेक्टर ने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि यदि किसी विषय को समझने में कठिनाई हो तो वे बिना झिझक शिक्षकों से पूछें और अपने संदेह दूर करें।

कलेक्टर ने प्राथमिक शाला नानदमाली में छज्जा की मरम्मत के लिए तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए। कोरवा बालक आश्रम छात्रावास के निर्माणाधीन डॉरमेट्री के संबंध में ठेकेदार से चर्चा कर इसे एक माह के भीतर पूर्ण करने को निर्देशित किया। इसके अतिरिक्त बच्चों के बेहतर अध्ययन के लिए दो अतिरिक्त कक्ष बनाने हेतु एस्टीमेट तैयार करने के निर्देश भी जारी किए गए।

कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ ने मिडिल स्कूल बड़ादमाली में बच्चों के साथ मध्यान्ह भोजन किया, जिससे बच्चों को एक सुखद और प्रोत्साहनपूर्ण अनुभव मिला। कलेक्टर ने सभी विद्यार्थियों को नियमित विद्यालय आने और बेहतर पढ़ाई करने के लिए प्रोत्साहित किया।

निरीक्षण के दौरान सहायक संचालक आदिवासी विकास विभाग सुश्री किरण राजपूत, शिक्षा विभाग एडीपीओ श्री रमेश सिंह, बीईओ श्री आलोक सिंह, बीआरसी एस के भारती एवं अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

रजिस्ट्री सं.डी.एल.–33004/99 REGD. NO. D.L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.–सी.जी.–अ.–02092025-265856
CG-CG-E-02092025-265856

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II—खण्ड 3—उप—खण्ड (ii)
PART II-Section 3-Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 3834] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अगस्त 28, 2025/भाद्र 6, 1947
No. 3834] NEW DELHI, THRUSDAY, AUGUST 28, 2025/BHADRA 6, 1947

रेल मंत्रालय
(दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे)
अधिसूचना
बिलासपुर, 27 अगस्त, 2025

का.आ. 3939 (अ). केंद्रीय सरकार, रेल अधिनियम 1989 (1989 का 24) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 20 (A) की उप-धारा (1) के अधीन जारी, भारत के राजपत्र, साधारण, भाग II, खंड 3 उपखंड (ii) में प्रकाशित, भारत सरकार के रेल मंत्रालय (रेलवेबोर्ड) की अधिसूचना संख्या का.आ. 2074, तारीख 9 मई 2025 (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिसूचना कहा गया है) द्वारा उक्त अधिसूचना में उपलब्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि को, छत्तीसगढ़ राज्य के चिरमिरी नागपुर रोड हाल्ट रेल परियोजना (17 कि.मी.) (पिंक बुक क्रमांक 9 वर्ष 2018-2019 के अन्तर्गत चिरमिरी नागपुर रोड हाल्ट रेल परियोजना (17 कि.मी.) के निष्पादन के लिए अर्जित करने के अपने आशय कि घोषणा की थी।

उक्त अधिनियम कि धारा 20 (A) की उप-धारा (4) के अधीन उक्त अधिसूचना संख्या का. आ. 2074 का सार दैनिक समाचार पत्र, अर्थात हरिभूमि बिलासपुर (हिंदी) एवं आदित्य समय अंबिकापुर (हिंदी) में दिनांक 21.05.2025 एवं द हित वादरायपुर (अंग्रेजी) एवं रिहंद टाइम्स अंबिकापुर (हिंदी) दिनांक 21.05.2025 में प्रकाशित किया गया था, निर्धारित तिथि तक निराकरण सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में कुल 32 आपतियां दर्ज की गयी थी, जिसमे से कुल 05 आपतियां सही पाई गयी जिनका 20 (1) प्रकाशन पुनः किया जावेगा शेष सभी आपतियों का निराकरण सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय के द्वारा कर दिया गया है, जिसका संदर्भित पत्र सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय के द्वारा पत्र क्रमांक 5167/अप.क्ले./भू-अर्जन/वाचक/2025 दिनांक: 01.08.2025 के द्वारा जारी किया गया है।

उक्त अधिनियम की धारा 20 (E) कि उप-धारा (1) के अनुसरण में सक्षम अधिकारी ने अपनी रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार को प्रस्तुत कर दी है, अतः अब, केन्द्रीय सरकार सक्षम अधिकारी से उक्त रिपोर्ट प्राप्त होने पर और उक्त रेल अधिनियम 1989 की धारा 20 (E) की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि इससे उपबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए अर्जित की जाएगी, और यह केन्द्रीय सरकार की उक्त अधिनियम की धारा 20 (E) की उप धारा (2) के अनुसरण में यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशित होने पर इससे उपबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि सभी विल्लंगनो से मुक्त होकर केन्द्रीय सरकार में आत्यंतिक रूप से निहित हो जाएगी।

क्र	खसरा नंबर	रकवा हेक्टेयर में	भूमि का प्रकार	कृषक का नाम
		ग्राम चिरईपानी, तहसील मनेन्द्रगढ जिला मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर छ.ग.		
1	167	0.155	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
2	169/3	0.05	निजीभूमि	जय सिंह, विजय सिंह, अजय सिंह आ. सुखराम सिंह, जंगबहादुर आ. रामबदन सिंह, पुष्पा, खुशबू, गणेश आ. रामबदन सिंह विनोद सिंह आ. नवरंग सिंह, धरमपाल सिंह, आ. अदलसाय लक्ष्मनिया पुत्री अदलसाय
3	169/4	0.06	निजीभूमि	प्रेम सिंह आ. जयमंगल
4	169/6	0.100	निजीभूमि	समारू बाई पति रमेश्वर, मानमति पति जबर सिंह, देव सिंह, राम सिंह आ. जबर सिंह
5	169/9	0.040	निजीभूमि	प्यारे सिंह आ. जयमंगल
6	169/10	0.040	निजीभूमि	दलबीर आ. जयमंगल
7	169/11	0.040	निजीभूमि	इन्द्रकुंवर आ. जयमंगल
8	169/12	0.020	निजीभूमि	इन्द्रवती आ. जयमंगल
9	169/13	0.010	निजीभूमि	सोनकुंवर आ. जयमंगल
10	169/14	0.030	निजीभूमि	जयमंत्री आ. जयमंगल
11	119/2	0.010	निजीभूमि	विजय सिंह आ. रूदन
12	120	0.010	निजीभूमि	ना.बा. अकाश सिंह, विकास सिंह, आ. रामनाथ
13	121	0.250	निजीभूमि	जय सिंह, विजय सिंह, अजय सिंह आ. सुखराम सिंह, जंगबहादुर आ. रामबदन सिंह, पुष्पा, खुशबू, गणेश आ. रामबदन सिंह विनोद सिंह आ. नवरंग सिंह, धरमपाल सिंह, आ. अदलसाय लक्ष्मनिया पुत्री अदलसाय
14	123/2	0.035	निजीभूमि	बीरबल सिंह पिता हरि सिंह
15	124	0.090	निजीभूमि	श्रीमति एस. प्रकाश उर्फ मेबिल प्रकाश पति चन्द्रप्रकाश
16	111/3	0.029	निजीभूमि	सुनिता, अनिता, पुनिता, गीता, पुत्री भोला, दसमतिया पिता जोखन
17	111/6	0.050	निजीभूमि	उदय सिंह आ. हरि सिंह
18	111/12	0.040	निजीभूमि	बैजनाथ पिता हरि सिंह
19	111/11	0.010	निजीभूमि	जैनाथ पिता हरि सिंह
20	39/1	0.260	निजीभूमि	सुनिता, अनिता, पुनिता, गीता, पुत्री भोला, दसमतिया पिता जोखन
21	38/1	0.290	निजीभूमि	लालबहादुर आ. शिवप्रसाद, अनिल सिंह आ. शिवप्रताप, उर्मिला, बॉबी बाई पति शिव प्रताप
22	36	0.010	निजीभूमि	हिरामती, संतोष, राजेन्द्र आ. रामगोपाल, सत्यनारायण आ. नन्दलाल, भगमनिया पुत्री नन्दलाल, रामलाल, मदनलाल, जलेश्वर पिता जगरनाथ, मानमति पुत्री जगरनाथ, दुर्गावती पति नंदलाल
23	38/2	0.170	निजीभूमि	लालबहादुर आ. शिवप्रसाद, अनिल सिंह आ. शिवप्रताप, उर्मिला, बॉबी
24	37/2	0.025	निजीभूमि	मोहरसाय आ. जगदीश, कविलासो बेवा जगदीश, रामसाद, कुन्ती, शिव प्रसाद, शन्ती आ. दुर्जन
25	37/3	0.040	निजीभूमि	धुरपत आ. इन्द्रपाल, दुर्गावती पुत्री इन्द्रपाल
26	37/4	0.130	निजीभूमि	धरपत आ. इन्द्रपाल
27	35	0.120	निजीभूमि	हिरामती, संतोष, राजेन्द्र आ. रामगोपाल, सत्यनारायण आ. नन्दलाल, भगमनिया पुत्री नन्दलाल, रामलाल, मदनलाल, जलेश्वर पिता जगरनाथ, मानमति पुत्री जगरनाथ, दुर्गावती पति नंदलाल
28	33/1	0.070	निजीभूमि	सुभद्री पिता भोलाराम
29	33/2	0.150	निजीभूमि	होलसाय पिता रामनाथ
30	33/3	0.050	निजीभूमि	ललिता यादव पति चन्द्रिका यादव
31	33/4	0.040	निजीभूमि	सुशीला पिता भोलाराम
32	33/5	0.030	निजीभूमि	प्रभा पिता भोलाराम
33	21/18	0.010	निजीभूमि	उर्मिला बाई, सुर्मिला, प्रमिला आ. शिवभरोष, मोहन पिता नान्हू, सीताराम, राजाराम, रामचरन, पिता हरिदीन, देवकुंवर पति लालसाय, प्रेमचंद पुत्र बंधु
34	21/20	0.015	निजीभूमि	महेन्द्र सिंह पिता धर्मपाल सिंह
35	21/21	0.010	निजीभूमि	जवाहर सिंह पिता मोहरसाय
36	125/2	0.065	निजीभूमि	विजय सिंह आ. रूदन
37	122	0.100	निजीभूमि	समारू बाई पति रमेश्वर, मानमति पति जबर सिंह, देव सिंह, राम सिंह आ. जबर सिंह
38	175/1	2.560	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
39	183	0.870	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
40	171/1	0.200	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
41	34	0.001	निजीभूमि	संतोष, राजेन्द्र दोनो आ. रामगोपाल, मानमती पिता जगरनाथ, सत्यनारायण आ. नन्दलाल, नाबा, भगमनिया आ. नन्दलाल, दुर्गावती बेवा नन्दलाल, रामलाल आ. जगरनाथ, मदनलाल आ. जगरनाथ, जुलेश्वर आ. जगरनाथ, हिरमतिया पत्नी रामगोपाल
42	21/19	0.010	निजीभूमि	उमेन्द्र सिंह आत्मज बैजनाथ
		ग्रामसरोला, तहसील मनेन्द्रगढ जिला मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर छ.ग.		
43	111	0.160	निजीभूमि	शांति बाई बेवा सुन्दरसाय सुखदेवलाल, चुन्नीलाल, प्रेमवती पुत्र/पुत्री सुन्दरसाय, छविलाल पुत्र शिगल, फुलेश्वरी बेवा परसराम, राजेश कुमार यादव पुत्र परसराम, इंद्रकुमारी और चक्रवती पुत्रियाँ परसराम, बसंत पुत्र शिगल
44	108/1	0.180	निजीभूमि	सुभाषचन्द्र पिता गोकुल, रामप्रताप आ. भगवान दास
45	110	0.280	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
46	113/2	0.030	निजीभूमि	आलोक कुमार राय पिता उमाशंकर
47	113/3	0.056	निजीभूमि	आशीष कुमार राय पिता उमाशंकर
48	113/5	0.010	निजीभूमि	देवकीनंदनी पति आलोक कुमार राय
49	113/6	0.040	निजीभूमि	तोशिबाराय पति आशीष कुमार राय
50	116	0.050	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
51	115	0.030	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
52	112	0.030	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
53	101/3	0.080	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
		ग्रामबंजो, तहसील मनेन्द्रगढ जिला मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर छ.ग.		
54	109/3	0.015	निजीभूमि	रामेश्वर प्रसाद आ. सुदर्शन राम कुम्हार
55	109/4	0.080	निजीभूमि	मोहन आ. नान्हू
56	109/11	0.040	निजीभूमि	होलसाय पिता रामनाथ
57	109/19	0.130	निजीभूमि	देवकुंवर पति लालसाय, रमेन्द्र, सुरेन्द्र पिता मोहन
58	109/20	0.090	निजीभूमि	प्रेमचन्द्र पिता बन्धु
59	109/21	0.060	निजीभूमि	उर्मिला बाई बेवा विजय कुवंर, चन्द्रमनी बेवा शिवभरोष, सुर्मिला, प्रर्मिला पुत्री शिवभरोष
60	109/22	0.040	निजीभूमि	सीताराम, रामचरन, राजाराम पिता हरिदीन
61	109/29	0.160	निजीभूमि	मूलचन्द्र, सुरेशचन्द्र, हेमचन्द्र, रमेशचन्द्र पिता शिवचरन, मुन्नाराम पिता
62	109/8	0.040	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
63	111/1	0.020	निजीभूमि	शर्माराम आ. आनंदराम
64	111/2	0.020	निजीभूमि	ललित कुमार आ. शर्माराम
65	111/3	0.020	निजीभूमि	कंचन पिता शर्माराम
66	111/4	0.020	निजीभूमि	भरतलाल पिता शर्माराम
67	111/5	0.020	निजीभूमि	चन्द्रवती पिता शर्माराम
68	111/6	0.020	निजीभूमि	शिवकुमारी पिता शर्माराम
69	111/7	0.020	निजीभूमि	प्रदीप कुमार आ. शर्माराम
70	111/8	0.020	निजीभूमि	सस्तुराम आ. शर्माराम
71	105	0.060	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
72	104	0.120	निजीभूमि	ना.बा. सोनालाल आ. बजेन्द्रलाल पालक माता कैलाश कुमारी पति बिजेन्द्र लाल
73	106	0.060	निजीभूमि	शासकीय भूमि
74	6/1	0.150	निजीभूमि	सुन्दरलाल, कृष्णलाल, अनन्तलाल, इन्दरलाल आ. शिवनारायण
75	6/4	0.010	निजीभूमि	उर्मिला चौबे पति जवाहिरलाल चौबे, अखिलेश्वर, उषा, संतोष, महेश पिता जवाहिरलाल चौबे
76	6/5	0.040	निजीभूमि	मोतीलाल, अम्मेलाल, कोईया आ. देवनारायण, अजय, विजय, अनिता आ. रामऔतार
77	27/3	0.150	निजीभूमि	उर्मिला चौबे पति जवाहिरलाल चौबे, अखिलेश्वर, उषा, संतोष, महेश पिता जवाहिरलाल चौबे
78	5/1	0.020	निजीभूमि	रामेश्वर प्रसाद आ. सुदर्शन राम कुम्हार
79	15/3	0.030	निजीभूमि	समयलाल आ. सिधवा
80	5/5	0.030	निजीभूमि	कांताप्रसाद आ. कमलेश्वर प्रसाद
81	5/8	0.010	निजीभूमि	विवेक कुमार प्रजापति आ. भुवेनश्वर प्रसाद प्रजापति
82	5/6	0.010	निजीभूमि	मुग्गी दीपक कुमार आ. हरिशंकर राव मुग्गी
83	109/33	0.020	निजीभूमि	जगदीश प्रसाद आ. आनंदराम
84	109/31	0.026	निजीभूमि	प्रवचन पिता छोटेलाल
85	109/30	0.027	निजीभूमि	बंसती बाई पिता स्व. रंजीत देवचरन आ. चक्रधारी
86	109/32	0.010	निजीभूमि	मोहेलाल आ. आनंदराम
87	109/34	0.010	निजीभूमि	रामकृष्ण, तेजबली पिता शिवकुमार, हंशराय, दीपचद्रं पिता हरिचरण, सतरूपा, गीता, सुरेगलता, पिता हरिचरण
88	39/1	0.040	निजीभूमि	सुदेसु पति सदन
89	39/2	0.030	निजीभूमि	अजय कुमार आ. अमीरसाय, गंगा, लक्ष्मी सरस्वती पुत्री अभीरसाय, कैशिल्या बाई, पति स्व. अमीरसाय
90	39/3	0.020	निजीभूमि	शिवकुमार, राजकुमार, हेमलता, पिता, सुबरन, सावित्री पति सुबरन
91	39/4	0.010	निजीभूमि	नर्बदा पिता सदम
92	39/5	0.010	निजीभूमि	काशी आ. सदन
93	38/1	0.010	निजीभूमि	सुदेसु पति सदन
94	37/1	0.030	निजीभूमि	मोहन आ. नान्हु
95	38/3	0.010	निजीभूमि	अजय कुमार आ. अमीरसाय, गंगा, लक्ष्मी सरस्वती पुत्री आ. मोहनराम, देवकुमार पिता लालसाय
96	37/2	0.070	निजीभूमि	रमेन्द्र, सुरेन्द्र आ. मोहनराम, देवकुंवर पिता लालसाय
97	37/3	0.060	निजीभूमि	उर्मिला बाई बेवा विजय कुंवर, चन्द्रमनी बेवा शिवभरोस, सुर्मिला, प्रर्मिला पुत्री शिवभरोस
98	4/3	0.020	निजीभूमि	मोहेलाल आ. आनंदराम
99	4/4	0.010	निजीभूमि	जगदीश प्रसाद आ. आनंदराम
100	4/5	0.020	निजीभूमि	प्रवचन पिता छोटेलाल
101	109/28	0.005	निजीभूमि	हीरालाल आ. ठुनवा
102	5/4	0.010	निजीभूमि	रोशनी आ. रामेश्वर प्रसाद
103	42	0.040	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि (सड़क)
104	37/4	0.010	निजीभूमि	प्रेमचंद आ. बंधु
		ग्राम खैरबना, तहसील मनेन्द्रगढ जिला मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर छ.ग.		
105	348	0.480	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
106	347	0.180	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
107	346	0.180	निजीभूमि	कुंवरसाय आ. सोहन
108	345	0.320	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
109	344/1	0.080	निजीभूमि	जगनारायण पिता परसोत्तम
110	344/2	0.170	निजीभूमि	श्रीमती झिंगोली जौ. जिरकू
111	350	0.020	निजीभूमि	श्रीमती झिंगोली जो. जिरकू
112	351	0.210	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
113	343	1.130	निजीभूमि	नारायण पिता ठाकुर
114	336	0.020	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
115	338	0.020	निजीभूमि	दोषमोहम्मद, शाह मोहम्मद आ. आलम खान
116	339	0.020	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
117	341/2	0.130	निजीभूमि	भागीरथी पिता जयकरण
118	340	0.430	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
119	342	0.030	निजीभूमि	इतवरिया, समयलाल, सावित्री आ. बैसाखु, शांति. सुशील पुत्री बुधु, कुइसी बेवा बधु
120	341/1	0.460	निजीभूमि	इतवरिया बेवा बैसाखू, समयलाल आ. बैसाखू, सावित्री पुत्री बैसाखु, शांति, सुशीला पुत्री बुधु, कुइसी बेवा बधु
121	316	0.020	निजीभूमि	प्रेम सिंह, सम्पत सिंह, भोला सिंह, कृष्ण कन्हैया, केवल सिंह आ. नंन्दलाल सिंह
122	318	0.270	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
123	322/1	0.380	निजीभूमि	गुलाब नबी आ. जयारत खान
124	322/2	0.800	निजीभूमि	गुलाम नबी आ. जयारत खान
125	322/3	0.070	निजीभूमि	गुलामरसूल आ. जयारत खान
126	315	0.010	निजीभूमि	प्रेम सिंह, संम्पत सिंह, भोला सिंह, कृष्ण कन्हैया, केवला सिंह, आ. नंदलाल सिंह
127	317	0.140	निजीभूमि	प्रेम सिंह, संम्पत सिंह, भोला सिंह, कृष्ण कन्हैया, केवला सिंह आ. नंदलाल सिंह
128	313	0.050	निजीभूमि	प्रेम सिंह, संम्पत सिंह, भोला सिंह, कृष्ण कन्हैया, केवला सिंह आ. नंदलाल सिंह
129	300/3	0.020	निजीभूमि	मनोज कुमार, रंजीत अनुज कुमार मिंज सभी आ. लुदन
130	298	0.210	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
131	323	0.220	निजीभूमि	आशीष कुमार, कुलदीप कुमार, सुदीप कुमार आ.विजय प्रसाद
132	324/1	0.040	निजीभूमि	जगनारायण पिता परसोत्तम
133	324/2	0.040	निजीभूमि	रूपनारायण पिता परसोत्तम
134	324/3	0.050	निजीभूमि	शुकुल पिता परसोत्तम
135	325	0.660	निजीभूमि	मेवालाल, धरम सिंह आ. बोगा, गोदिया बाई बेवा बोगा, जयपाल, प्रभु सिंह आ. देवसाय, फुलबसिया बेवा देवसाय, लाल सिंह, सुमित्रा, प्रेमा बाई पुत्री चन्द्रभान
136	326	0.200	निजीभूमि	श्रीमती कुन्ती बाई पुत्री भैयाराम
137	327	0.220	निजीभूमि	झिंगोली बेवा जिरकू, राकेश कुमार अलका कुमारी आ. जिरकू
138	297/1	0.090	निजीभूमि	राजकुमार पिता केशराम
139	243	0.230	निजीभूमि	सोनकली बेवा बच्चालाल प्रताप सिंह, सुनील सिंह, अजय सिंह, लालसाय धीरू बाई पुत्री धीरू बिलसिया बेवा धीरू संजय सिंह, अमृता सिंह माता सावित्री
140	183	0.110	निजीभूमि	राय सिंह आ. रामसाय, सुकुवरिया पुत्री रामसाय गोड़
141	244	0.210	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
142	292/1	0.250	निजीभूमि	राम सिंह, पप्पू आ. हीरा साय, सुमित्रा, चमेली पुत्री हीरासाय, देवकुवर बेवा हीरासाय, शिवमंगल, जयमंगल आ. समारू
143	292/2	0.010	निजीभूमि	राजकुमार आ. केशराम
144	245/1	0.020	निजीभूमि	राजकुमार आ. केशराम
145	291	0.110	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
146	249	0.120	निजीभूमि	चमन पिता बुढ़ा
147	290	0.520	निजीभूमि	राजेश, राकेश, आ. धनुकसाय, सरिता, सविता, अंजना, पिरियम पुत्री धनुकसाय
148	261	0.010	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
149	262	0.290	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
150	285	0.150	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
151	263/1	0.130	निजीभूमि	मंगल बच्चन, ललुवा, गेंदी आ. ललुवा फुलबस बेवा बलुवा
152	263/2	0.170	निजीभूमि	सम्पत आ. कृपाल, बिरझनबाई आ. कृपाल
153	274	0.020	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
154	265	0.550	निजीभूमि	फलमती बेवा सुखदेवकिशुन आ. सुखदेव, तेज सिंह, धरमपाल आ. सुखदेव, शुकवरिया आ. सुखदेव
155	266	0.410	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
156	271	0.340	निजीभूमि	बुधीबाई, सुधीबाई, पुत्री तिलक राम फुलमतिया बेवा धरमपाल आ. सुखदेव, शुकवरिया आ. सुखदेव
157	272	0.080	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
158	270	0.170	निजीभूमि	इंद्रकुंवर बेवा बच्चालाल
159	268	0.170	निजीभूमि	पिताम्बर आ. धनसाय
160	267	0.640	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
161	335	0.120	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
		ग्राम सरभोका, तहसील मनेन्द्रगढ़ जिला मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर छ.ग.		
162	267	0.600	निजीभूमि	बाबुलाल आ. पुसु अहीर
163	268	0.170	निजीभूमि	बीरबल आ. बाबुलाल अहीर
164	269	0.410	निजीभूमि	प्रभावती पुत्री पुरन अहीर
165	270	0.920	निजीभूमि	शिवबालक पिता लखनलाल अहीर पालक सम्पतलाल अहीर
166	271	0.370	निजीभूमि	तेजीलाल आ. सुखी
167	275	0.140	निजीभूमि	धीरसाय आ. दुरू चेरवा
168	276	0.260	निजीभूमि	सोमारमाय आ. हीरालाल
169	P-755	0.250	निजीभूमि	राजकुमार आ. धनसाय
170	P-755	0.460	निजीभूमि	विजय सिंह आ. हिरा सिंह
171	P-755	0.410	निजीभूमि	कौशिल्या पति धीरसाय
172	P-755	0.170	निजीभूमि	सुकाल सिंह आ. जय सिंह
173	P-755	0.230	निजीभूमि	प्रीतम सिंह आ. राम सिंह
174	P-755	0.150	निजीभूमि	मंगलसाय आ. धनसाय
175	P-755	0.270	निजीभूमि	रामसुंदर सिंह आ. भोला
		ग्राम, चित्ताझोर, तहसील चिरमिरी, जिला मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर छ.ग.		
176	57/5	0.130	निजीभूमि	निर्मला पुत्री गनिया, जाति पण्डो
177	57/8	0.870	निजीभूमि	अधनदास पिता पौलूस, जाति उरांव
178	57/7	0.500	निजीभूमि	कर्मा पिता पीयूस, जाति उरांव
179	58	0.250	निजीभूमि	प्रेमचंद्र पिता बेचू, सुमरिया पति बेचू, कमला पिता बेचू चंदा सिंह पिता बेचू ज्योति पिता बेचू, महेन्द्र सिंह पिता रामचद्र, ममता पिता रामचंद्र, उर्मिला पिता रामचंद्र, संजना (ना.बा.) पिता रामचंद्र, नीतू (ना.बा.), पिता रामचंद्र, लीलावती पिता रामचंद्र, राजू सिंह (ना.बा.), पिता शिवशंकर, अंकित (ना.बा.), पिता शिवशंकर पिंकी सिंह (ना.बा.) पिता शिवशंकर, रामवती पति शिवशंकर, जाति गोंड निवासी चित्ताझोर
180	59/2	0.730	शासकीय भूमि	शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज
181	60/1	0.010	निजीभूमि	रामकिशनु पिता देवप्रसाद रामकली पिता देवप्रसाद कलेशिया बाई पति देवप्रसाद बालगोविंद पिता हीरासाय, जाति बरगाह निवासी चित्ताझोर
182	60/2	0.020	निजीभूमि	मनोहर लाल पिता मोतीलाल दीपा पिता मोतीलाल फुलबाई पति मोतीलाल बच्चालाल पिता मोहरसाय गोरेलाल पिता होतीलाल लीला पिता होतीलाल गौरी पिता होतीलाल प्रमिला पिता होतीलाल दुर्गावती पिता होतीलाल जाति बरगाह, निवासी चित्ताझोर
183	60/3	0.204	निजीभूमि	जुबैर अहमद पिता इस्लाम जाति मुस्लिम निवासी हल्दीबाड़ी चिरमिरी
184	61/1	0.020	निजीभूमि	रमजीत पिता जगनारायण कुन्ती पिता जगनारायण प्रेमवती पिता जगनारायण दुर्गावती (ना.बा.), पिता ओमकार, पूर्णिमा (ना.बा.) पिता ओमकार जाति गोंड निवासी चित्ताझोर
185	61/2	0.079	निजीभूमि	सावित्री सिंह पति राम सिंह जाति गोंड निवासी वार्ड नं. 09 अखराडांड
186	62	0.020	निजीभूमि	श्रीराम पिता शिवचरन, हरीराम पिता शिवबचन मनियारो पति शिवबचन फुलसाय पिता जतन जाति पण्डो निवासी चित्ताझोर
187	63	0.080	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
188	64/1	0.070	निजीभूमि	इन्द्ररमनिया पति दखलसाय, सुखदेव पिता दखलसाय, धनुराम पिता दखलसाय सुमिता पिता दखलसाय लक्ष्मी पिता दखलसाय जाति पण्डो निवासी चित्ताझोर
189	64/2	0.014	निजीभूमि	संतोष कुमार सिंह पिता रामसुंदर जाति गोंड निवासी चित्ताझोर
190	64/3	0.050	निजीभूमि	रामदेव पिता केन्द्राराम जाति पण्डो निवासी चित्ताझोर
191	46/2	0.270	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
192	66	5.100	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
193	132/1	0.920	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
194	132/2	0.030	निजीभूमि	लोक स्वास्थय विभाग
195	133/6	0.057	निजीभूमि	सुरेश पाल पिता रामजन जाति गड़ेरी निवासी चित्ताझोर
196	133/7	0.056	निजीभूमि	सुनीता पिता रामनाथ अनीता पिता रामनाथ शांति रामनाथ जाति गड़ेरी निवासी चित्ताझोर
197	133/8	0.078	निजीभूमि	मुकेश पाल पिता रामनारायण विजय पाल सिंह रामनारायन पिन्टू पाल पिता रामनारायण अराधाना पिता रामनाराण सविता पिता रामनारायण जाति गड़ेरी निवासी चित्ताझोर
198	133/1	0.580	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
	महायोग	36.392 Hectare (Total land acquired-36.392 Hectare)		

[फा. सं. Dy.CE/Con/North/BSP/Chirmiri-Nagpur Road Halt]

आलोक तिवारी, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण)

CPR/10/PR/314 RO.No.-PC/70428

गजब सीएमओ साहब!

अपने ही नगर पंचायत अध्यक्ष व उपाध्यक्ष के कक्ष में बिना टाइल्स लगाए ही निकाल लिया पैसा

जो काम हुआ ही नहीं उसके भी पैसे कैसे निकाले जा रहे हैं?

पटना नगर पंचायत के सीएमओ को आखिर फर्जी बिल कौन मुहैया करा रहा?

नगर पंचायत चुनाव से पूर्व सीएमओ का हुआ था पटना में आगमन तब से लेकर अभी तक चल रही उनकी मनमानी भ्रष्टाचार का भी हुआ बड़ा खेल

» पटना नगर पंचायत अपने प्रथम वर्ष में ही प्रथम सीएमओ के साथ भ्रष्टाचार बयां कर रहा है...

» पटना नगर पंचायत के सीएमओ को आखिर कौन सा मंत्री इतना संरक्षण दे रहा है कि खुलकर यह बिना डर के भ्रष्टाचार?

इंसानों से परहेज रखने वाले मुख्य नगर पालिका अधिकारी पटना को अब इंसानों की जिम्मेदारी से किया गया मुक्त

खबर का असर

पटना नगर पंचायत सीएमओ भाग रहे हैं कभी कलेक्टर के जांच से तो कभी सामान्य सभा की बैठक से

पटना नगर पंचायत के मुख्य नगर पालिका अधिकारी शिकायतों की जांच से क्यों घबरा रहे हैं और कार्यालय छोड़कर क्यों भाग रहे हैं?

-रवि सिंह-

कोरिया/पटना,18 सितंबर 2025 (घटती-घटना)। अक्सर लोग इस कहावत को कहते हैं की डायन भी एक घर छोड़ देती है यह कहावत तब कही जाती है जब कोई अपनों को भी ना छोड़ता हो नुकसान पहुंचाने की मामले में, कुछ ऐसा ही मामला और इस कहावत से जुड़ा हुआ मामला सामने आया है वह है पटना नगर पंचायत के प्रथम सीएमओ सिकंदर सिदार की जो अपने अध्यक्ष व उपाध्यक्ष को भी नहीं छोड़ रहे हैं, उनके कक्ष में टाइल्स व रंग रोगन के नाम पर भी लाखों रुपए उन्होंने निकाल और दोनों के कक्ष में टाइल्स लगाने की भी वह बात करते हुए बिल लगा दिए लेकिन टाइल्स का पता ही नहीं है, सवाल तो तब उत्पन्न होता है कि जब टाइल्स लगी नहीं तो फिर बिल किसने दिया कहां से उन्होंने फर्जी बिल बनवाया बिना टाइल्स लगाए? क्या यह अपने अध्यक्ष व उपाध्यक्ष को भी पैसे कमाने के चक्कर में नहीं छोड़ रहे हैं, क्या यह नगर पंचायत पटना को प्रथम साल में ही भ्रष्टाचार के दलदल में धकेल कर पैसा कमाना चाह रहे हैं, यह बात सिर्फ इसलिए हो रही है क्योंकि अब उनके ऊपर लाखों रुपए के भ्रष्टाचार का आरोप लगने लगा है, जो दस्तावेज व जानकारी दैनिक घटती घटना को मिली है उसके अनुसार अभी तक वह 65 लाख रुपए से अधिक का भ्रष्टाचार कर चुके हैं, यदि इसकी जांच हो जाए तो इन्हें जेल जाने से कोई नहीं रोक सकता, लेकिन जांच करेगा कौन इतनी खबरें छपने के बाद अध्यक्ष उपाध्यक्ष का मंत्रियों के दरवाजा खटखटाने के बाद भी कार्यवाही करने की हिम्मत कोई भी नहीं जुटा पा रहा है, कलेक्टर के हटाने के बाद भी नहीं हटाए गए, जिसे लेकर यह सवाल उठता है कि आखिर किस मंत्री से इनकी रिश्तेदारी है जिस वजह इन्हें हटाना तो दूर उनके ऊपर कार्यवाही करने तक से लोग घबरा रहे हैं? कलेक्टर द्वारा शिकायतों की जांच के लिए गठित जांच दल पहुंचता तो है पर बैरंग लौट जाता है।

ज्ञात हो कि नव गठित नगर पंचायत पटना के सीएमओ ने एक बार फिर साबित किया है कि वह भ्रष्टाचार के लिए ही प्रथम नगर अधिकारी बनकर आए हैं,नगर विकास की राशि अपनी जेब में डालने के अलावा कोई ऐसी उपलब्धि वह अपने नाम नहीं कर पाए जिससे यह कहा जा सके कि वह विकास उद्देश्यों के साथ नगर आए थे प्रथम अधिकारी बनकर, चुनाव पूर्व पदस्थापना करवाकर नवगठित नगर पंचायत के प्रथम अधिकारी बनने का गौरव प्राप्त करने वाले सीएमओ सिकंदर सिदार की कार्यप्रणाली जब उजागर होने लगी उनकी ऐसी छवि सामने आने लगी जिसमें वह केवल स्वहित इंसान मात्र नजर आते हैं। नगर का विकास जहां उनका जिम्मा था वह केवल अपनी जेब का विकास करते नजर आ रहे हैं जिसमें हस्तक्षेप उन्हें बर्दाश्त भी नहीं, नगर के प्रथम चुनाव से पूर्व ही नगर में पदस्थ हुए सिकंदर सिदार किस तरह नगर विकास की राशि अपनी जेब में डाल रहे हैं इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सुशासन तिहार जो शासन की महत्वाकांक्षी एक अभियान बतौर प्रदेश में गर्मियों के दिनों में जारी था जहां आमजनों की समस्या शिकायत सुनने आदर सत्कार से उन्हें आमंत्रित करना था उनके लिए कई व्यवस्थाएं करनी थीं उसमें भी इस अधिकारी ने भ्रष्टाचार को अंजाम दिया और जितनी राशि खर्च किया जाना बताया उसके एक भाग की भी राशि खर्च नहीं की,न अतिथियों के सत्कार के लिए कोई अच्छी व्यवस्था नहीं रही न ही आमजनों के लिए ही व्यवस्था बेहतर रही केवल खुद के लिए इसने जुगाड बनाया और पैसे निकालकर लम्बा चौड़ा बिल लगा दिया जो खर्च कम से कम कार्यक्रम में नहीं किया गया,अभी एक नई जानकारी के अनुसार सिकंदर सिदार ने अध्यक्ष,उपाध्यक्ष के कक्ष में टाइल्स लगाने के नाम पर लाखों रुपए निकाल लिए हैं, अध्यक्ष के कक्ष में जहां टाइल्स लगाया ही नहीं गया वहीं उपाध्यक्ष के कक्ष में पंचायत कार्यकाल के दौरान लगाए गए टाइल्स की ही मौजूदगी है,अब सिकंदर सिदार ने टाइल्स कहां लगाया किस अध्यक्ष के कक्ष में लगाया गया वही बता सकते हैं क्योंकि अध्यक्ष उपाध्यक्ष के कक्ष में टाइल्स नहीं लगाया गया है जबकि इस नाम से लाखों रुपए निकाले जा चुके हैं।

पीआईसी के बैठक से भी भाग रहे...

सीएमओ सिकंदर सिदार की कार्यप्रणाली को लेकर बताया जाता है कि आज तक पीआईसी सदस्यों से किसी भी मामले में अनुमोदन नहीं लिया गया है उसके द्वारा, यहां तक की पीआईसी सदस्यों की बैठक बुलाकर नगर से खुद भाग जाने की बात जरूर सामने आती रही है। आज नव गठित नगर पंचायत की स्थिति यह है कि यह एक मात्र अधिकारी सीएमओ के लिए एटीएम मशीन मात्र बनकर रह गई है और वह जब चाहे तब नगर विकास की राशि किसी भी खर्च के नाम से अपनी जेब में डाल सकता है। अध्यक्ष उपाध्यक्ष सहित पीआईसी सदस्य अब तक सीएमओ की कार्यप्रणाली को लेकर धैर्य ही बनाए नजर आ रहे हैं जबकि सीएमओ पीआईसी पर भी आरोप लगा रहा है और वह इसके लिए समाचारों में बयान दे रहा है,आज नव गठित नगर पंचायत में बयान देकर सीएमओ खुद को ही निर्वाचित भी साबित कर रहा है और वह मनमानी करता चला जा रहा है।।नगर की जनता ने ग्राम को नगर बनाकर विकास की कल्पना की थी लेकिन उन्हें क्या पता था कि उनकी कल्पना को बर्बाद करने उन्हें एक स्वेच्छाचारी अधिकारी मिल जाएगा जो अपने लिए ही केवल सोच रखने वाला होगा जो इंसानी सुविधा में ही सेंध लगाएगा। पीआईसी पर आरोप लगाने के लिए सिकन्दर सिदार समाचारों में जो बयान दे रहा है उसमें वह कह रहा है कि पीआईसी के अनुमोदन के अभाव में टेंडर निरस्त हो रहे हैं और विकास अवरुद्ध हो रहा है नगर का जबकि जब सिकंदर सिदार को जेब में अपने पैसा डालना होता है वह पीआईसी अनुमोदन की बात नहीं करता वह अपने अनुसार पैसा आहरण कर लेता है। पीआईसी से एक भी अनुमोदन नहीं लेने वाला अधिकारी अब अनुमोदन न मिलने की बात कह रहा है।

यदि किसी मंत्री का इन पर आशीर्वाद नहीं है तो फिर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही है?

सिकंदर सिदार नव गठित नगर पंचायत पटना के लिए किसी अभिशाप से कम नहीं है, प्रथम अधिकारी बनने का गौरव पाने वाले सीएमओ ने नव गठित नगर पंचायत को अपने लिए भ्रष्टाचार का अड्डा बना लिया है और जो जानकारियां सामने आ रही हैं उसके अनुसार सीएमओ नगर विकास की राशि कभी मंत्री सत्कार,कभी तीर्थ यात्रियों के लिए वाहन व्यवस्था कभी तिरंगा यात्रा के नाम से निकाल रहा है और अपने जेब में डाल रहा है,सीएमओ किसी मंत्री का खास है यह रिश्तेदार है वह ऐसा कहता है और एक भय भी उत्पन्न करता है इस मामले में वहीं वह किस मंत्री का खास है किसका उसे संरक्षण है यह सामने आना बाकी है, वैसे वह यदि किसी मंत्री का रिश्तेदार नहीं है तो क्यों उसके ऊपर कार्यवाही नहीं हो रही है,सिकन्दर सिदार को क्यों नव गठित नगर पंचायत को आर्थिक रूप से खोखला करने का अधिकार मिला हुआ है,वैसे यह अधिकार उसे केवल भ्रष्टाचार के लिए मिला हुआ है और विकास विषय में जनप्रतिनिधियों के सम्मान के विषय में उसे कोई निर्देश या आदेश नहीं मिला है यह आश्चर्य का विषय है।

नगर में भाजपा की सरकार और भाजपा के ही अध्यक्ष उपाध्यक्ष परेशान फिर भी ऐसे अधिकारियों को संरक्षण किसका?

नव गठित नगर पंचायत में भाजपा की पहली बार सरकार बनती देखी गई,सरकार भाजपा की बनी तो ऐसा लगा कि यह ट्रिपल इंजन वाली सरकार होगी नव गठित नगर का अच्छा विकास होगा लेकिन जब प्रथम सीएमओ की कार्यप्रणालियों को देखा सुना जाने लगा यह साफ हो गया नगर विकास की जगह नगर बर्बाद करके मानेगा सीएमओ,अध्यक्ष उपाध्यक्ष आज सीएमओ द्वारा उपेक्षित हैं और जिन्हें वह कुछ नहीं समझता न पीआईसी से उसे कोई लेना देना होता है वह खुद निर्णय लेता है पैसा निकालता है और जेब में डालता है। अध्यक्ष उपाध्यक्ष जिस अधिकारी से परेशान हैं उसे किस नेता या अधिकारी का संरक्षण है यह एक बड़ा सवाल है,वैसे संरक्षण बिना वह इतने बड़े स्तर का भ्रष्टाचार नहीं कर सकता जिसमें वह अध्यक्ष उपाध्यक्ष के कक्ष के नाम पर ही लाखों डकार जाए।

भ्रष्टाचार के कई प्रमाण सिर्फ इंतजार जांच का ,जो करेगा कौन?

सिकंदर सिदार के अब तक के कार्यकाल की यदि जांच की जाए तो यह साबित होना तय बताया जा रहा है कि उसने नवगठित नगर पंचायत के विकास की राशि को केवल जेब में डालने का काम किया है,सीएमओ लगातार भ्रष्टाचार करते हुए ऐसे ऐसे आहरण कर चुका है जिसमें वह कभी भी दोषी साबित हो जाएगा,कभी अलाव के नाम पर पैसा डकारना,कभी होर्डिंग,कभी मंत्री अंबिकापुर आए और पटना से खर्च कभी सुशासन तिहार के नाम पर खर्च कभी तिरंगा यात्रा पर खर्च कभी कुछ कभी कुछ प्रतिदिन केवल पैसा निकालर जेब में डालना ही सीएमओ का काम है और जांच होने पर निश्चित यह दोषी साबित होगा जो बताया जाता है,वैसे यह जांच कौन करेगा क्योंकि कलेक्टर को सिकंदर सिदार कुछ नहीं समझता उनके द्वारा गठित जांच दल को देखकर पिछले दरवाजे से भाग जाता है वहीं जब कलेक्टर उसे हटाए जाने की कार्यवाही करती हैं वह अपनी धौंस दिखाकर कलेक्टर को भी दबा ले जाता है जिसके बाद बड़ा सवाल है कि जांच करेगा कौन।

अपने ही अध्यक्ष उपाध्यक्ष से नहीं बन रही पर विपक्षी पार्षदों से संबंध मधुर हैं, क्यों?

पटना नगर पंचायत के सीएमओ का अपने निर्वाचित जनप्रतिनिधियों से सामंजस्य नहीं बैठ पा रहा है, भाजपा की सरकार में भाजपा के ही जनप्रतिनिधियों से संबंध ना बैठाना कहीं ना कहीं एक घटिया कार्यप्रणाली को प्रदर्शित करता है, नगर पंचायत के निर्वाचित अधिकाशं जनप्रतिनिधि आज सीएमओ को लेकर आक्रोशित हैं और वह सीएमओ को नगर के लिए घातक मान रहे हैं और वह इसकी सम्पूर्ण कार्यप्रणाली संपूर्ण कार्यकाल के जांच की भी बात करते सुने जाते हैं। पर वही पटना नगर पंचायत में भाजपा की सरकार है और भाजपा के ही अध्यक्ष उपाध्यक्ष हैं पर उनके साथ संबंध बिल्कुल भी अधिकारी का ठीक नहीं है पर वहीं विपक्षी पार्षदों के साथ घंटों बैठना है और उनके मन मुताबिक काम करने सिकंदर सिदार की वह दिलचस्पी है जो यह बताती है कि वह कांग्रेस विचारधारा से नगर पंचायत पटना को चलाना चाह रहे हैं, जिसमें सिर्फ भ्रष्टाचार ही प्रथम दृष्टि या देखने को मिल रहा है।

कोरिया जिले में बैठकर बलरामपुर जिले से किस बात का मोह?

सीएमओ नगर विकास की राशि जेब में डालने के लिए अपने गृह क्षेत्र बलरामपुर तक के फर्म का उपयोग करते हैं ऐसा बताया जाता है जिस फर्म के खाते में केवल भ्रष्टाचार का पैसा वह भेजते हैं उस फर्म से कोई लेना देना नगर पंचायत का नहीं होता वह पूर्ण रूप से सीएमओ के हाथों की कठपुतली फर्म मात्र है। जिले से काफी दूर संभागीय मुख्यालय से भी दूर के एक फर्म के नाम के बिल से भी सीएमओ नगर विकास की राशि आहरित करता है,बताया जाता है उक्त फर्म बलरामपुर के किसी व्यक्ति का है जो सीएमओ के करीबी व्यक्ति का फर्म है जो बिल वाउचर सिकंदर सिदार को भ्रष्टाचार के लिए उपलब्ध कराता है,अब सोचने वाली बात है कि जो सामान कोरिया जिले एमसीबी जिले सूरजपुर जिले या अंबिकापुर जिले में नहीं मिल पा रहा है वह सामान दूरस्थ जिले बलरामपुर में मिल रहा है। यह भ्रष्टाचार नहीं तो और क्या है समझना होगा।

कलेक्टर भी सीएमओ के सामने आदेश निकालने के बाद बौना साबित हो गई

कलेक्टर कोरिया सीएमओ की भ्रष्टाचार से अवगत हुई और उन्होंने इसे हटाने का भी प्रयास किया लेकिन किसी बड़े मंत्री का रिश्तेदार होने का धौंस दिखाकर यह बच निकला या कहीं न कहीं कलेक्टर कोरिया को ही अपने आदेश को वापस लेने वह मजबूर कर ले गया जो वह कहता भी सुना जाता है कि यदि मुझे हटाया गया हटाने वाला भी हटेगा वह जानता है,कुल मिलाकर नगर पंचायत पटना में केवल भ्रष्टाचार का ही राज कायम है जो केवल सीएमओ कर पा रहा है जिसे रोकने में सक्षम निर्वाचित जनप्रतिनिधि भी नहीं क्योंकि मंत्री से जुड़ा व्यक्ति सीएमओ है जो अध्यक्ष उपाध्यक्ष पीआईसी से ऊपर है जिसे किसी अनुमोदन या किसी सहमति की जरूरत नहीं किसी मामले में। सीएमओ सत्ताधारी दल के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को ही चुनौती दे रहा है लगातार जिसे रोकने की हिम्मत न जिला प्रशासन जुटा पा रहा है और न ही भाजपा ही मामले में कुछ कर पा रही है,आज स्थिति यह है कि सीएमओ को जब मन तब नगर विकास की राशि जेब में डाल रहा है और नगर को वह आर्थिक रूप से खोखला करता चला जा रहा है।

जनपद सदस्य अभय प्रताप सिंह के प्रयास से हाइड्रो पावर प्लांट के पानी बर्बाद हुई फसल पर किसानों को मिला मुआवजा

-संवाददाता-

सूरजपुर/भैयाथान,18 सितंबर 2025 (घटती-घटना)। सूरजपुर जिले के भैयाथान से लगे पसला गांव में हाइड्रो पावर प्लांट बिजली उत्पादन के लिए स्थापित की जा रही है जिसका कार्य पिछले कई सालों से हो रहा है यह पावर प्लांट रेण की तट पर बनाया जा रहा है पर हाइड्रो पावर प्लांट प्रबंधन की लापरवाही की वजह से इस बार हो रही बारिश ने बांध को भर दिया और तीन गांव इस पानी के चपेट में आ गए, 100 एकड़ से अधिक भूमि में लेगी फसल बर्बाद हो गई, वहीं 60 से अधिक किसान बुरी तरह से प्रभावित हो गए थे,अब किसानों की फसल बर्बादी का मुआवजा मिले इसके लिए जनपद सदस्य अभय प्रताप सिंह ने कृषि मंत्री को पत्र लिखा था और प्रयास किया था कि किसानों को उनके बर्बाद हुई फसल का मुआवजा मिल सके, जनपद सदस्य प्रतिनिधि अभय प्रताप सिंह किसानों की आवाज़ बन कर हाइड्रो पॉवर प्लांट से किसान हीत में में लड़ाई लड़े और किसानो को मुआवजा दिलाया, किसानों के फसल चौपट होने के महीनों बाद आधे किसानों को मुआवजा मिला और जल्द बाक़ी के किसान को भी मिलेगा मुआवज़ा, जनपद सदस्य प्रतिनिधि अभय प्रताप सिंह ने कहा कि किसानों के हक़ में आगे भी लड़ाई जारी रहेगी, किसानों से हाइड्रो पॉवर प्लांट ने लिया सपथपत्र क्रमिक प्रबंधक संतोष सिंह का टूटा घमंड अंग्रेज़ी हुकूमत की तरह सोच रखते हैं जनपद सदस्य अभय प्रताप सिंह ने कहा हम हाइड्रो पॉवर प्लांट के मालिक कमल साड़ा जी का आभार व्यक्त करते हैं और आगे जब भी ग़लत नीति में हाइड्रो पॉवर प्लांट चलेगा हम विरोध करेंगे।

ज्ञात हो की बीते महीने में क्षेत्र में लगातार हुई तेज बारिश से रेण नदी में विद्युत उत्पादन हेतु स्थापित छत्तीसगढ़ हाइड्रो पावर प्लांट के कारण नदी के आस पास स्थित किसानों की भूमि जलमग्न हो गई थी जिसके कारण किसानों को काफी नुकसान हुआ था जिसे लेकर अब मुआवजे की मांग हो रही थी, इसी क्रम में पूर्व सभापति अभय प्रताप सिंह ने छत्तीसगढ़ हाइड्रो पावर प्लांट के प्रबंधक को पत्र के माध्यम से किसानों के हुए नुकसान को लेकर मुआवजे की मांग की थी। उन्होंने पत्र में बताया है कि सत्य नगर, पासल, भैयाथान, हर्रापारा के किसानों की रोपाई के लिए किए गए धान का थहरा पानी में डूबने से पूर्णतः बर्बाद हो गया है, वहीं कुछ किसानों के रोपाई के लिए तैयार किया गया धान की नर्सरी बह गया है। पूर्व सभापति श्री सिंह ने बताया है कि लगभग दो दर्जन किसान की फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई है तथा सैकड़ों किसानों की फसल आंशिक रूप से बर्बाद हुई है उन्होंने छत्तीसगढ़ हाइड्रो पावर प्लांट के महाप्रबंधक को पत्र के साथ नुकसान हुए आंकलन का ग्राम पंचायत पटवारी का संयुक्त प्रतिवेदन भी संलग्न कर भेजा है तथा अतिशीघ्र मुआवजे देने की मांग की थी जिस पर विचार कर कुछ किसानों को मुआवजा दिया गया और किसानों भी मिलेगा।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता,

ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग सूरजपुर,जिला-सूरजपुर (छत्तीसगढ़)

Phone :- 07775-266048 E-Mail ID : ee-res.surajpur@gov.in

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक/. /.....1623... /वलेलि/ग्रा. यां. से/2025-26 सूरजपुर दिनाँक 17/09/2025

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से लोक निर्माण विभाग छत्तीसगढ़ में एकीकृत पंजीयन प्रणाली केअंतर्गत 'डी' एवं उच्च श्रेणी में पंजीकृत सिविल/विद्युत ठेकेदारों से ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु प्रतिशत दर पर ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र0	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रूपए लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि	अमानत राशि सत्य सत्यनिष्ठा संधि एवं तकनीकी दस्तावेज स्पीड पोस्ट से जमा करने की तिथि
1	2	3	4	5
1	CONST. OF MAHTARI SADAN BHAWAN NIRMAN AT PIDHA JP SURAJPUR DIST. SURAJPUR	26.78	06-10-2025	07.10.2025 17:30pm
2	CONST. OF MAHTARI SADAN BHAWAN NIRMAN AT BELTIKRY JP SURAJPUR DIST. SURAJPUR	26.78	06-10-2025	07.10.2025 17:30pm
3	CONST. OF MAHTARI SADAN BHAWAN NIRMAN AT BATRA JP BHIYATHAN DIST. SURAJPUR	26.78	06-10-2025	07.10.2025 17:30pm
4	CONST. OF MAHTARI SADAN BHAWAN NIRMAN AT ODGI JP ODGI DIST. SURAJPUR	26.78	06-10-2025	07.10.2025 17:30pm

उपरोक्त निर्माण कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी दिनांक 17.09.2025 से कार्यालयीन समय में उपस्थित होकर एवं विभागीय वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in/प्राप्त की जा सकती है ।

अधीक्षण अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा
सूरजपुर,जिला-सूरजपुर

जी नंबर-252603582/3

26 सालों तक प्रभारी प्राचार्य बनने का सौभाग्य प्राप्त अखिलेश चंद्र गुप्ता के भ्रष्टाचार की जांच की जिम्मेदारी आयुक्त उच्च शिक्षा रायपुर को मिली क्या होगी जांच?

सेवानिवृत्त प्रभारी प्राचार्य शासकीय रामानुज प्रताप सिंहदेव बैकुंठपुर अखिलेश चंद्र गुप्ता के विरुद्ध पीएमओ में हुई शिकायत की जांच अब आयुक्त उच्च शिक्षा रायपुर के जिम्मे...

कलेक्टर कोरिया ने आयुक्त उच्च शिक्षा रायपुर को लिखा पत्र,12 बिंदुओं की शिकायत की जांच के लिए किया अनुरोध

जिले के अग्रणी महाविद्यालय में दो दशकों से भी ज्यादा समय तक के भ्रष्टाचार से उठ सकेगा पर्दा,जगी उम्मीद

-रवि सिंह-
कोरिया,18 सितंबर 2025
(घटती-घटना)।

अंततः अब दो दशकों से भी ज्यादा समय तक हुए जिले के अग्रणी महाविद्यालय शासकीय रामानुज प्रताप सिंहदेव महाविद्यालय के भ्रष्टाचार की जांच होने की उम्मीद जगी है और लगता है इस बार की जांच में भ्रष्टाचार का मामला उजागर होगा और दोषी सेवानिवृत्त प्रभारी प्राचार्य अखिलेश चंद्र गुप्ता के स्वत्व भुगतान से पहले जांच पूर्ण कर ली जाएगी। यह जांच आयुक्त उच्च शिक्षा रायपुर के द्वारा की जाए इस आशय का एक अनुरोध पत्र कलेक्टर कोरिया द्वारा आयुक्त उच्च शिक्षा रायपुर को भेजा जा चुका है जिसमें शिकायत जो 12 बिंदुओं अनुसार की गई है के जांच की मांग की गई है।

बता दें कि कोरिया जिले के अग्रणी महाविद्यालय शासकीय रामानुज प्रताप सिंहदेव महाविद्यालय में दो दशकों से ज्यादा समय तक एक ही व्यक्ति जुगाड और प्रभाव से प्रभारी प्राचार्य पद संभालता रहा और उसके द्वारा महाविद्यालय में महाविद्यालय के विभिन्न मदो में जमकर भ्रष्टाचार किया गया ऐसा बताया जाता है,जब उक्त प्रभारी प्राचार्य के सेवानिवृत्ति का समय आया और अन्य को महाविद्यालय का प्रभार मिला तब भी

सेवानिवृत्त होकर भी अखिलेश चंद्र गुप्ता ने सम्पूर्ण प्रभार नहीं दिया बल्कि महाविद्यालय के कई कक्षों में ताला बंद कर सील कर कई महीनों तक उनके द्वारा रखा गया,वहीं जब अखिलेश चंद्र गुप्ता को यह एहसास हो गया कि प्रभार देना ही पड़ेगा तब उन्होंने चुपके से महाविद्यालय पहुंचकर कई महत्वपूर्ण दस्तावेज को आग के हवाले कर दिया और तब जाकर उन्होंने बंद कमरों को खोल दिया, दस्तावेज जो जलाए गए वह बड़े भ्रष्टाचार के सबूत थे जिसे दो दशकों से ज्यादा समय तक प्रभारी प्राचार्य रहे अखिलेश चंद्र गुप्ता ने मिटाने का काम किया ऐसा माना जा रहा है। वैसे महाविद्यालय के कैसबुक,लेजर,स्टॉक पंजी सहित विभिन्न पंजीयों को देखकर सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि किस तरह अखिलेश चंद्र गुप्ता भ्रष्टाचार को अंजाम दे रहे थे और किस तरह वह उच्च शिक्षा प्राप्त करने महाविद्यालय आने वाले छात्रों के शिक्षा उद्देश्य से प्रदान राशि का दुरुपयोग कर रहे थे। अग्रणी महाविद्यालय के 26 वर्षों तक साथ ही जिले के अन्य महाविद्यालयों के भी प्रभार में समय समय पर रहे सेवानिवृत्त प्रभारी प्राचार्य अखिलेश चंद्र गुप्ता के सम्पूर्ण कार्यकाल की जांच संबधी आवेदन सह शिकायत पत्र प्रधानमंत्री कार्यालय भारत सरकार को शिकायतकर्ता द्वारा भेजी गई थी जिसके बाद उक्त जांच कार्यवाही के लिए कलेक्टर कोरिया द्वारा पत्र आयुक्त उच्च शिक्षा रायपुर को भेजा गया है।

प्रधानमंत्री कार्यालय में की गई शिकायत,जांच के लिए आयुक्त उच्च शिक्षा रायपुर को लिखा गया पत्र

जिले के शासकीय रामानुज प्रताप सिंहदेव महाविद्यालय के सेवा निवृत्त प्राचार्य साथ ही महाविद्यालय या जिले के अन्य महाविद्यालयों के क्रमशः साथ ही साथ 26 सालों तक प्रभारी प्राचार्य बनने का सौभाग्य प्राप्त करने वाले जिला मुख्यालय निवासी अखिलेश चंद्र गुप्ता की सम्पूर्ण कार्यकाल की कार्यप्रणाली दोषपूर्ण और भ्रष्टाचार से जुड़ी हुई थी इस आशय की शिकायत प्रधानमंत्री कार्यालय भारत सरकार को की गई है,शिकायत में बताया गया है कि किस तरफ अखिलेश चंद्र गुप्ता ने पद का दुरुपयोग कर महाविद्यालय को आर्थिक नुकसान पहुंचाया है और महाविद्यालय की राशि का दो दशकों से ज्यादा समय तक बंदरबांट किया है। शिकायतकर्ता ने शिकायत पत्र में मांग की है कि सेवानिवृत्त प्रभारी प्राचार्य अखिलेश चंद्र गुप्ता के सम्पूर्ण सेवाकाल को लेकर जांच की आवश्यकता है और जिसके बाद बहुत बड़े भ्रष्टाचार से पर्दा उठना तय है।

कैशबुक सहित अन्य कार्यालय उपयोग में आने वाली आर्थिक आय व्यय संबधी पंजीयों में है भारी अनियमितता

शिकायतकर्ता ने प्रधानमंत्री कार्यालय को लिखे गए शिकायत पत्र में उल्लेख किया है कि अखिलेश चन्द्र गुप्ता सेवानिवृत्त प्रभारी प्राचार्य शासकीय रामानुज प्रताप सिंहदेव महाविद्यालय बैकुंठपुर ने महाविद्यालय में अपने 26 वर्षों के कार्यकाल में काफी अनियमितताएं प्रभारी प्राचार्य बतौर की है,शिकायतकर्ता के अनुसार अखिलेश चंद्र गुप्ता ने कैशबुक का प्रभार खुद के पास रखा था और जिसमे आय व्यय का लेखन कार्य वह खुद किया करते थे,ऐसा वह अपने भ्रष्टाचार को उजागर होने से बचाने के लिए किया करते थे,अखिलेश चंद्र गुप्ता कैशबुक किसी लिपिक को लेखन कार्य के लिए नहीं सौंपते थे जिससे किसी गलती पर वह वोकार्यवाही कर सकें या किसी लिपिक पर त्रुटि होने पर कभी भी जवाबदेही तय की जा सके। इन सबके पीछे की मंशा केवल भ्रष्टाचार था,शिकायतकर्ता के अनुसार अखिलेश चंद्र गुप्ता द्वारा कैशबुक में चार सालों का योग ही नहीं किया गया है जो गम्भीर श्रेणी की अनियमितता और भ्रष्टाचार है। कैशबुक में कहीं पर भी कैंसिल कहीं भी कटपिट कई बार है जिसकी सत्यापित छायाप्रति शिकायतकर्ता के पास है और जो साबित करती है कि किस तरह स्वेच्छाचारिता पूर्ण कार्यप्रणाली के साथ चलकर बड़े भ्रष्टाचार को उच्च शिक्षा संस्थान में अंजाम दिया गया है।

सेवाकाल के अंतिम माह में अखिलेश चंद्र गुप्ता ने महाविद्यालय के 40 लाख किए खर्च

अखिलेश चंद्र गुप्ता के कार्यकाल की जांच की मांग के साथ प्रधानमंत्री कार्यालय भारत सरकार को लिखे गए शिकायत पत्र में शिकायतकर्ता ने उल्लेखित किया है कि अखिलेश चंद्र गुप्ता जो 26 वर्षों तक अग्रणी महाविद्यालय कोरिया के प्रभारी प्राचार्य रहे ने अपने पूरे कार्यकाल में जमकर भ्रष्टाचार किया है,उन्होंने भ्रष्टाचार की अपनी आदत को सेवाकाल के अंतिम समय तक बरकरार रखा था और सेवानिवृत्ति वाले माह भी उन्होंने महाविद्यालय के 40 लाख का आहरण किया। वह चाहते यह आहरण अन्य अगले प्राचार्य के जिम्मे छोड़ सकते थे लेकिन ऐसा न करते हुए उन्होंने 40 लाख रुपए निकाले और जिसे वह बंदरबांट कर ले गए,वैसे अखिलेश चंद्र गुप्ता ने अपने सेवाकाल के अंतिम माह के अंतिम दिन भी महाविद्यालय से राशि आहरित की है जिसका उपयोग खुद की ही विदाई पार्टी आयोजन में किया गया उनके द्वारा यह भी एक जांच का तथ्य है, इस तरह के भ्रष्टाचार से उच्च शिक्षा का मंदिर दूषित हुआ है और इसकी जांच होनी चाहिए अखिलेश चंद्र गुप्ता के स्वत्व भुगतान पर रोक लगाकर वसूली होनी चाहिए यह शिकायतकर्ता की मांग है।

अखिलेश चंद्र गुप्ता की सहायक प्राध्यापक धर्मपत्नी के कार्यकाल की भी जांच की हुई है मांग

शिकायतकर्ता ने अखिलेश चंद्र गुप्ता की सहायक प्राध्यापक पत्नी डॉक्टर प्रीति गुप्ता के कार्यकाल की भी जांच की मांग की है,अभी वह पोड़ी बचरा नवीन महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य हैं,बताया जाता है कि वहां भी उधार के भवन में जमकर खरीदी की गई है जो अखिलेश चंद्र गुप्ता ने ही की है,पत्नी को प्रभारी प्राचार्य बनाकर एक अलग महाविद्यालय के नवीन अस्तित्व को खोखला करने का पूरा दिमाग अखिलेश चंद्र गुप्ता ने लगाया था ऐसा बताया जाता है और महाविद्यालय उनकी पत्नी गाहे बगाहे ही जाती हैं शेष वह अग्रणी महाविद्यालय में ही आ जाकर अपना समय व्यतीत कर रही हैं,शिकायत में पोड़ी बचरा नवीन महाविद्यालय की सम्पूर्ण खरीदी और उसके भौतिक सत्यापन की मांग की गई है। पोड़ी बचरा नवीन महाविद्यालय आज अपनी बदहाली के लिए जाना जा रहा है जहां छात्र और छात्रा महाविद्यालय त्यागने के विचार के साथ किसी तरह अध्ययन करने पहुंच रहे हैं ऐसा छात्रों का ही कहना है।

जांच से साबित होगा जिले की उच्च शिक्षा संस्थान को एक व्यक्ति ने निजी हितों के लिए जमकर लुटा

शिकायतकर्ता के अनुसार यदि शिकायत की जांच ठीक ढंग से हुई और जांच में शिकायत की प्रत्येक बिंदु को आधार मानकर जांच हुई एक बड़े भ्रष्टाचार का पर्दाफाश होगा,कैसे एक व्यक्ति निजी हित साधने उच्च शिक्षा संस्थान को लूटता रहा और अपनी जेब भरता रहा यह सामने होगा,संपत्तियों में इजाफा और बैंक बैलेंस में अथाह वृद्धि भी भ्रष्टाचार बताने काफी होगा। शिकायतकर्ता के अनुसार अब जांच उच्च शिक्षा विभाग के पास है जिसे जांच करनी चाहिए और जांच में दोषी पाए जाने पर अखिलेश चंद्र गुप्ता की सेवानिवृत्ति स्वत्व भुगतान जो शेष है से वसूली होनी चाहिए।वैसे देखना है कि अब जांच कब तक सम्पन्न की जाती है और कब सत्य सामने आएगा।

लैब सहित खेल शाखा की जांच से भी सामने आएगा अखिलेश चंद्र गुप्ता का भ्रष्टाचार,शिकायत में यह भी उल्लेखित है...

शिकायतकर्ता ने अपने शिकायत पत्र में उल्लेखित किया है कि अखिलेश चन्द्र गुप्ता ने प्रभारी प्राचार्य रहते हुए महाविद्यालय में जितनी भी खेल सामग्रियां या लैब से सम्बन्धित सामग्रियां खरीदी हैं सभी जांच का विषय हैं,अखिलेश चंद्र गुप्ता ने इन खरीदियों में भी अपनी जेब गर्म जमकर की है, शिकायतकर्ता के अनुसार अखिलेश चंद्र गुप्ता खरीदी करके जल्द अपलेखन में विश्वास करते थे और लैब और खेल सामग्रियां ऐसे ही खरीदी और अपलेखित की जाती थीं,यह अलग तरह का भ्रष्टाचार था जिसमें पकड़े जाने की संभावना कम हुआ करती थी, अखिलेश चंद्र गुप्ता महाविद्यालय को दीमक की तरह खोखला करते गए शिकायत की मूल भावना यही मानी जा सकती है और इसी के जांच की मांग की गई है जिसके बाद प्रधानमंत्री कार्यालय ने शिकायत को जांच योग्य माना है।

खाते में राशि प्राप्त कर महाविद्यालय व्यय का भुगतान किया जाना अनुचित,क्रय नियम की अवहेलना

अखिलेश चंद्र गुप्ता की शिकायत जो प्रधानमंत्री कार्यालय भारत सरकार को की गई है उसमें इस विषय के जांच की भी मांग की गई है कि अखिलेश चन्द्र गुप्ता जो प्रभारी प्राचार्य थे कभी नियमानुसार या क्रय नियम के अनुसार भुगतान महाविद्यालय संबधी व्ययों नहीं किया करते थे,शिकायत अनुसार पांच हजार से अधिक राशि की खरीदी कोटेशन मंगाकर किए जाने का प्रावधान शासकीय है जबकि अखिलेश चंद्र गुप्ता डेढ़ लाख तक की खरीदी में भी क्रय नियम का पालन नहीं किया करते थे सीधे भुगतान किया करते थे अपने हाथों से,इसी तरह मजदूरी भुगतान भी वह स्वयं किया करते थे जबकि मनरेगा मजदूर को भी दैनिक मजदूरी का भुगतान उसके खाते में किया जाता था। बताया जाता है ऐसा वह केवल भ्रष्टाचार के लिए किया करते थे और पैसा अपनी जेब में डाला करते थे,इन विषयों की जांच होने पर अखिलेश चंद्र गुप्ता दोषी साबित होंगे और बड़े भ्रष्टाचार से पर्दा उठ सकेगा ऐसा शिकायतकर्ता का शिकायत में कहना है।

सूरजपुर जिले में आदि सेवा पर्व का शुभारंभ

-संवाददाता-
सूरजपुर,18 सितंबर 2025
(घटती-घटना)।

आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2025 तक आयोजित आदि सेवा पर्व का शुभारंभ सूरजपुर जिले में हुआ। इस अवसर पर जिले के विकासखण्ड सूरजपुर, भैयाथान, ओड़गी, प्रेमनगर, रामानुजनगर एवं प्रतापपुर के कुल 284 आदिवासी बहुल ग्रामों में जनप्रतिनिधियों के माध्यम से आदि सेवा केन्द्रों का उद्घाटन किया गया। ग्राम पंचायत देवीपुर में आयोजित आदि कर्मयोगी रेस्पॉन्सिव गवर्नेंस कार्यक्रम में जनजातीय कार्य विभाग (दिल्ली) से श्री प्रमोद द्वारा शपथ कार्यक्रम संपन्न हुआ, जिसमें महिला एवं पुरुष ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई। कार्यक्रम का उन्मुखीकरण श्री दीपक मिश्रा द्वारा किया गया।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत के सरपंच, उपसरपंच, सचिव, पंचगण एवं कर्मयोगी साथियों ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। ग्रामीण स्तर पर 20 लाख परिवर्तनकारी लीडरों के माध्यम से इस अभियान का उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करना है। आदि सेवा पर्व के शुभारंभ अवसर पर सभी आदि साथी, सहयोगी एवं ब्लॉक स्तरीय मास्टर ट्रेनरों ने सेवा, संकल्प और समर्पण भाव से अभियान को सफल बनाने हेतु शपथ ली।

सांसद महंत पहुंची नगर सेना हवलदार महेश मिश्रा के घर

-संवाददाता-
कोरिया,18 सितंबर 2025
(घटती-घटना)।

सांसद श्रीमती ज्योत्सना चरण दास महंत बुधवार को ग्राम खैरी पहुंची जहां उन्होंने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति का गृह रक्षक एवं नागरिक सुरक्षा पदक प्राप्त कर तन समर्पित,मन समर्पित यह जीवन समाज सेवा के नाम समर्पित वाक्य को चरितार्थ करने वाले ट्रैफिक मैन के नाम से मशहूर हवलदार डॉ. महेश मिश्रा को बधाई शुभकामनाएं एवं

सम्मान भेंट करते हुए उनके द्वारा किए जा रहे हैं कार्यों को अत्यंत ही प्रशंसनीय बताते हुए कहा कि हम सबको इन पर गर्व है,निश्चित रूप से ऐसे कर्मचारी जब आपके संसदीय क्षेत्र एवं राज्य में हों तो इससे प्रदेश एवं देश का नाम रौशन के साथ ही जीवन रक्षा जैसे पुनीत कार्य के प्रति आम जनमानस में सकारात्मक प्रभाव होता है। गौरतलब है कि डॉ. मिश्रा विगत दो दशकों से निरंतर जन जागरूकता एवं समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करते हुए सैकड़ो जान बचाने का पुनीत कार्य कर रहे हैं जिसके फल स्वरूप उन्हें राष्ट्रपति पदक प्राप्त हुआ है, जिससे आज पूरा छत्तीसगढ़ प्रदेश एवं कोरिया जिला अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहा है। राष्ट्रपति पदक प्राप्त करने पर सांसद महंत के साथ श्री योगेश शुक्ला, वेदांती तिवारी, विनोद शर्मा, सूरज महंत, भूपेंद्र यादव, सौरभ गुप्ता, जगदीश कुशवाहा के साथ ही ग्राम पंचायत डकईपारा की सरपंच कातो बाई, उपसरपंच शशि कला मिश्रा के साथ ही अन्य गण मान्य जन ग्राम खैरी पहुंचकर बधाई, शुभकामना एवं सम्मान भेंट किये।

'मिराय' के लिए 8 महीने तक निंजा तलवारबाजी सीखी:मनोज मांचू

रॉकिंग स्टार मनोज मांचू इस बार एक खलनायक के रूप में दर्शकों को चौंका रहे हैं। उनकी फिल्म 'मिराय' 100 करोड़ रुपए से ऊपर का कलेक्शन कर चुकी है। हाल ही में उन्होंने अपने किरदार और साउथ सिनेमा के बदलते परिदृश्य पर खुलकर बात करते हुए बताया कि 'मिराय' के लिए 8 महीने तक निंजा तलवारबाजी सीखी है। एक्टर ने बताया कि अब कोई साउथ या नॉर्थ नहीं रह गया, बल्कि सिर्फ सिनेमा है।

'मिराय' में आप पहली बार एक नकारात्मक किरदार में हैं। इसकी क्या खासियत है?

यह किरदार सिर्फ इंसानों से नहीं, बल्कि सीधे भगवान राम से लड़ रहा है। 'रामा वर्सेस लामा' का यह कॉन्सेप्ट ही मुझे इस किरदार के लिए सबसे ज्यादा आकर्षित करने वाली बात थी। मैं खुद भगवान का बड़ा भक्त हूं और मुझे लगा कि एक अभिनेता के रूप में यह मेरे लिए एक बहुत बड़ी चुनौती है। ऐसी कहानियों से हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को बहुत कुछ सिखा सकते हैं।

महावीर लामा या 'द ब्लैक स्वॉर्ड' के किरदार में आपके लिए सबसे बड़ी चुनौती क्या थी?

शुरुआत में मेरे लिए यह बहुत मुश्किल था क्योंकि मुझे भगवान के खिलाफ बोलना था। मेरे किरदार का मानना है कि दुनिया में कोई भगवान नहीं है। वह एक ऐसी दुनिया बनाना चाहता है जहां कोई जाति, धर्म, या अमीर-गरीब का भेद न हो, जहां सब बराबर हों। मुझे डर था कि कहीं मैं अपनी बात रखते हुए भावनाओं को ठेस न पहुंचा दूं, लेकिन जब निर्देशक कार्तिक गट्टामनेनी सर ने मुझे पूरी कहानी और संवाद समझाए, तो मेरा डर खत्म हो गया। उन्होंने इसे बहुत सावधानी से संभाला, बिना किसी का अनादर किए।

इस किरदार के लिए कोई खास ट्रेनिंग या तैयारी की?

हां, मैंने 8 महीने तक तलवारबाजी की कड़ी ट्रेनिंग ली। मैं अपनी पिछली फिल्मों में भी असली स्टंट के लिए जाना जाता हूं, लेकिन इस फिल्म ने मुझे निंजा तलवारबाजी सीखने का मौका दिया। यह मेहनत रंग लाई और अब मेरे पास तलवार और लाठी चलाने जैसे दो नए हुनर हैं। यह मेरे द्वारा निभाए गए सबसे महान किरदारों में से एक है और मुझे उम्मीद है कि यह हमेशा मेरे फिल्म करियर में सबसे ऊपर रहेगा। मुझे उम्मीद है कि यह मुझे भविष्य में ऐसे और भी महान किरदार निभाने का मौका देगा।

हाल के वर्षों में साउथ सिनेमा का प्रभाव बहुत ज़्यादा बढ़ गया है। इसका मुख्य कारण क्या है?

मुझे लगता है इसका मुख्य कारण लॉकडाउन है। लॉकडाउन से पहले, एस.एस. राजामौली की 'बाहुबली' ने सभी के लिए दरवाजे खोले थे। फिर 'कांतारा, 'पुष्पा, और 'केजीएफ जैसी फिल्मों ने इसे और आगे बढ़ाया। लॉकडाउन के दौरान, जब लोग घर पर थे, उन्होंने सबटाइटल लगाकर दूसरी भाषाओं की फिल्में देखना शुरू कर दिया। इससे दर्शकों का नजरिया और भी बड़ा हो गया। आज के समय में हमारे दर्शक दुनिया भर की फिल्में देख रहे हैं, इसलिए अब सिनेमा के लिए कोई 'साउथ या 'नॉर्थ नहीं रह गया है, बल्कि सिर्फ 'सिनेमा' है। अब दर्शक बहुत खुले दिमाग के हैं और अगर कोई फिल्म अच्छी है, तो वह किसी भी भाषा में हिट हो सकती है। जैसे 'ओपेनहाइमर' और 'महावतार नरसिम्हा' जैसी फिल्मों ने दर्शकों को खूब चौकाया है यह दिखाता है कि भारतीय सिनेमा बहुत आगे जा रहा है।

पहले सुपरहीरो के लिए बॉडीबिल्डर जैसी फिजिक जरूरी मानी जाती थी, लेकिन अब तेजा जैसे एक्टर्स के साथ भी ऐसी कहानियां बन रही हैं?

मुझे लगता है कि यह एक अच्छा बदलाव है। खासकर 'मिराय' में, हमारे निर्देशक ने जानबूझकर ऐसा किया ताकि दर्शक यह सोचें कि एक सामान्य लड़का, बिना किसी सुपरपावर के,एक शक्तिशाली किरदार को कैसे हरा सकता है। अगर हीरो भी बहुत ताकतवर होता, तो यह एक आसान लड़ाई लगती और दर्शकों को इतना रोमांच महसूस नहीं होता। यह 'अंडरडॉग' की जीत की कहानी है, जो हमेशा दर्शकों को पसंद आती है। यह हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि कैसे एक आम इंसान भी सुपरहीरो बन सकता है।

भविष्य में कैसी स्क्रिप्ट और किरदार की तलाश में हैं,ड्रीम डायरेक्टर्स कौन हैं?

मैं एक अभिनेता हूं और मेरे लिए कोई सीमा नहीं है। आज भारतीय सिनेमा दुनिया भर में फैल गया है, इसलिए मैं किसी भी भाषा या किसी भी तरह के किरदार के लिए तैयार हूं। निर्देशकों में ऐसे बहुत सारे नाम हैं, जिनके साथ मैं काम करना चाहूंगा- जैसे कि राजामौली सर, सुकुमार सर, तमिल से वेट्रिमारन सर और प्रशांत नील। मैं एक्शन फिल्में पसंद करता हूं, इसलिए मैं इन एक्शन निर्देशकों का नाम ले रहा हूं।

तेजा सज्जा के साथ काम करने का आपका अनुभव कैसा रहा?

हम दोनों ने ज्यादातर समय अलग-अलग ही काम किया, क्योंकि फिल्म में मेरे और तेजा के सीन अलग-अलग हैं। हम केवल क्लाइमैक्स और कुछ फाइट सीक्वेंस में ही साथ थे। हमारे बीच ज्यादा काम का संपर्क नहीं हुआ, लेकिन वो मेरे छोटे भाई जैसे हैं।

बिग बॉस से बाहर आने के बाद इनसिक्योर हुईं नगमा

बोलीं...तान्या अवेज पर डोरे न डाले,अमाल के बिजनेस वाले बयान पर भी रिएक्शन

बिग बॉस 19 की कंटेस्टेंट और सोशल मीडिया स्टार नगमा मिराज हाल ही में शो से एविक्ट हो गईं। शो में उनके बॉयफ्रेंड अवेज दरबार के साथ उनकी लव स्टोरी को लेकर दर्शकों के बीच काफी चर्चाएं रहीं। कुछ लोग इसे फेक कह रहे हैं, तो कुछ इसे सिर्फ एक गेम प्लान मान रहे हैं। लेकिन इस एक्सक्लूसिव बातचीत में नगमा ने सब कुछ साफ कर दिया। उनका रिश्ता, उनका गेम, घर के कंटेस्टेंट्स को लेकर राय, बाहर की दुनिया से मिला रिएक्शन और अब आगे का उनका प्लान।

आपको क्या लगता है कि बिग बॉस के घर से आपका एविक्शन इतनी जल्दी क्यों हुआ?

मेरे एविक्शन की सबसे बड़ी वजह मेरी तबीयत रही। जब मैं बिग बॉस के घर में थी, तब मेरी तबीयत लगातार बिगड़ती जा रही थी। मुझे कुछ दवाइयां लेनी पड़ रही थीं जिनकी वजह से मुझे पूरे दिन भारीपन और नींद महसूस होती थी। इस वजह से मैं गेम में अपनी पूरी एनर्जी नहीं दे पाई और शायद यही वजह बनी कि मुझे बाहर होना पड़ा। मैं अब भी पूरी तरह ठीक नहीं हूं, लेकिन जो कुछ भी सीखा और अनुभव किया, वो मेरे जीवन का हिस्सा बन चुका है।

क्या बिग बॉस के घर में अवेज दरबार के साथ दिखाया गया प्यार सिर्फ एक गेम स्ट्रैटेजी थी?

नहीं,ऐसा बिल्कुल नहीं है। अगर ये प्यार फेक होता, तो अवेज दरबार पूरे देश के सामने मुझे प्रपोज नहीं करते। हम दोनों शो में आने से पहले ही एक सीरियस रिलेशनशिप में थे और हमारे परिवार तक को हमारी रिलेशनशिप की जानकारी थी। हम शादी की भी प्लानिंग कर रहे थे और बहुत जल्द आप सबको इसकी अनाउंसमेंट भी मिल जाएगी। अगर ये सिर्फ कोई गेम की स्ट्रैटजी होती, तो मैं बिग बॉस के घर में इतने इमोशंस के साथ कभी नहीं जुड़ती।

क्या यह सच है कि बिग बॉस से पहले आपके और अवेज दरबार के रिश्ते में दरारें आ चुकी थीं?

हां, ये बात सही है कि हम दोनों एक-दूसरे को करीब 10 सालों से जानते हैं, लेकिन ये रिश्ता हमेशा एक जैसा नहीं रहा। कभी हमारी बातचीत बंद हो जाती थी, तो कभी फिर से शुरू हो जाती थी। हमने अपने रिश्ते में कई उतार-चढ़ाव देखे, लेकिन यही हर सच्चे रिश्ते की पहचान होती है।

बिग बॉस के घर में जाने से पहले और अब, आप अपने अंदर कितना बदलाव महसूस करती हैं?

बिग बॉस के घर का अनुभव मेरे लिए बहुत गहरा और भावनात्मक था। मैं वहां सिर्फ 22 दिन रही, लेकिन हर दिन ने मुझे कुछ न कुछ नया सिखाया। घर के अंदर रहकर मैंने जाना कि सिर्फ दिल से नहीं, दिमाग से भी सोचने की जरूरत होती है। मैं बहुत जल्दी लोगों पर भरोसा कर बैठी, और शायद ये मेरे गेम के लिए नुकसानदायक रहा।

बिग बॉस का ऐसा कौन-सा कंटेस्टेंट है, जिससे आप अवेज दरबार को सावधान रहने की सलाह देंगे?

मैं चाहूंगी कि अवेज दरबार अमाल मलिक से थोड़ी दूरी बनाकर रखें। शो के पहले हफ्ते में अमाल ने कहा था, हम उनसे इसलिए पंगा नहीं लेते क्योंकि वो हमें बिजनेस देते हैं। यह सुनकर मैं चौंक गई थी। मुझे नहीं लगा था कि दोस्ती या प्रोफेशनल रिलेशनशिप को इस तरह से शो में इस्तेमाल किया जाएगा।

बनारस में शुरू होगी फिल्म 'मिर्जापुर' की शूटिंग

शरद शुक्ला का किरदार निभाने वाले एक्टर बोले- सीरीज के सीजन वन की टाइमलाइन पर आधारित होगी मूवी

इस महीने की आखिर से बनारस में मिर्जापुर फिल्म की शूटिंग शुरू हो रही है। यह देश का पहला ऐसा प्रोजेक्ट है, जो सेम टाइटिल, कलाकारों और किरदारों की वेब सीरीज से फिल्म में तब्दील हो रही है। इसमें एक अहम किरदार शरद शुक्ला का है, जिसकी सीधी जंग त्रिपाठी परिवारों के साथ है। साथ में टकराव गुड्डू पंडित और बबलू पंडित से भी है। शरद को अंजुम शर्मा ने प्ले किया है।

यह प्रयोग भारतीय सिने इतिहास में शायद पहली बार हो रहा है। इसके बारे में कुछ दिलचस्प बातें बता सकते हैं?

बिल्कुल ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। निर्माताओं के लिए भी यह एक बहुत बड़ी चुनौती है, क्योंकि उनके पास कोई रेफरेंस पॉइंट नहीं है। ऐसा कभी नहीं हुआ कि किसी इतने लोकप्रिय शो पर कोई फिल्म बनाई गई हो।

तो क्या यह फिल्म मूल सीरीज के पहले दो सीजन की कहानियों को मिलाकर बनाई गई है?

नहीं, ऐसा नहीं है। इसकी कहानी मुख्य रूप से सीजन 1 की टाइमलाइन पर आधारित होगी, लेकिन इसकी कहानी एकदम नई और अलग होगी। यह एक अलग समानांतर कहानी है।

क्या यह नई कहानी सीज न 1 की कहानी से मेल खाएगी?

नहीं, बिल्कुल नहीं। इसे इस तरह से लिखा गया है कि जब आप फिल्म देखेंगे,तो यह सीजन 1 की कहानी से बिल्कुल नहीं टकराएगी। ऐसा नहीं लगेगा कि अरे, वहां तो ऐसा हुआ था। यह अपने आप में एक अलग कहानी है। उदाहरण के लिए, अगर सीजन 1 की कहानी में आपने सोमवार, बुधवार और शुक्रवार के घटनाक्रम देखे, तो यह फिल्म उसी हफ्ते की मंगलवार, गुरुवार और शनिवार की कहानी होगी। यानी, आप उसी समय में हैं, लेकिन एक अलग रास्ते पर गए हैं।

लेकिन क्या किरदारों के नाम और उनकी पहचान वही रहेगी?

हां, किरदार बिल्कुल वही रहेंगे। उनके नाम और पहचान में कोई बदलाव नहीं है। सिर्फ घटनाक्रम थोड़ा अलग होगा।

तो इसका मतलब क्या यह जौनपुर और मिर्जापुर के बीच के संघर्ष पर केंद्रित होगी?

हां, मोटे तौर पर कह सकते हैं कि यह कहानी मिर्जापुर बनाम जौनपुर के संघर्ष को बहुत ही प्रमुखता से दिखाएगी। इस फिल्म में जो भी नयापन आएगा, वह इसी पुराने विवाद से ही निकलेगा। जो मेरा किरदार शरद शुक्ला का है, उसके इर्द गिर्द भी कहानी काफी बड़े स्तर पर घूमती है।

दरअसल मेकर्स फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी ने यही वजह भी जाहिर की थी मुझे फिल्म में कास्ट करने की। वर्ना वेब सीरीज के तीसरे सीजन में तो मेरा किरदार मर चुका था। पर फिल्म के लिए उसे वापस लाया गया।

क्या इस फिल्म में कोई नया,बड़ा किरदार भी है?

हां, एक नया और दिलचस्प किरदार है, जो खलनायक जैसा है। वह भी इसी पुराने संघर्ष से जुड़ा हुआ है। यह मैं कह सकता हूं कि उसका जन्म भी उसी जौनपुर और मिर्जापुर के कॉन्फ्लिक्ट से होता है। जो रविकिशन प्ले कर रहें हैं।

क्या यह नया किरदार आपके किरदार का कोई रिश्तेदार है?

सीधे तौर पर रिश्तेदार तो नहीं है, लेकिन हां, उन किरदारों से उसका एक गहरा संबंध है। जब आप फ़िल्म देखेंगे, तो आपको समझ आएगा कि यह नयापन भी मौजूदा विवादों से ही निकल रहा है, ताकि दर्शक उससे जुड़ाव महसूस कर सकें।

वेब सीरीज में काफी खुलकर खेलने की छूट होती है, फिल्म में सेंसरशिप का क्या असर होगा? क्या इसमें गाली-गलौज, हिंसा या बोल्ड सीन होंगे?

हां,ये सब फिल्म के प्रारूप के हिसाब से ही होगा। मुझे पूरा यकीन है कि निर्माताओं ने इस बात का ध्यान रखा होगा। वैसे भी, मिर्जापुर सीजन दर सीजन थोड़ा कम होता गया। सीजन 3 में ये सब चीजें पहले से बहुत कम हो गई थीं।

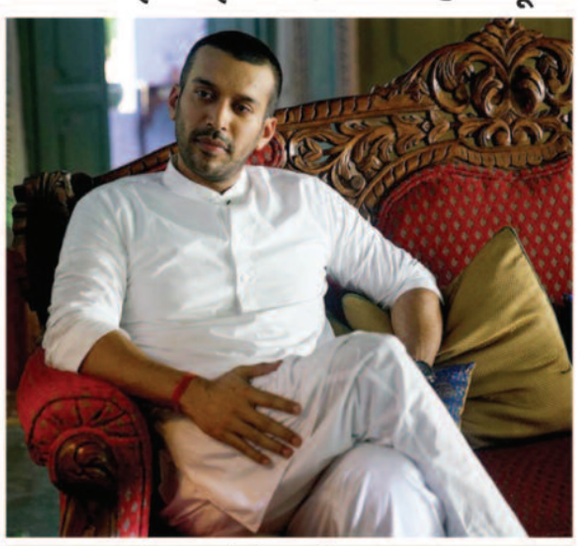

सीजन 3 में हिंसा की क्या वजह थी? क्या फिल्म में भी ऐसा होगा?

सीजन 3 में हिंसा कम नहीं हुई थी, बल्कि उसका स्वरूप बदल गया था। सीजन 1 में हिंसा का उद्देश्य मजा लेना था, जहां किरदार हिंसा को एक खेल की तरह देखते थे। लेकिन सीजन 3 में वही हिंसा एक दु:ख, दर्द और इंटेनसिटी को दिखाती थी। वह हल्केपन से नहीं, बल्कि गंभीरता से दिखाई गई। जहां तक फिल्म की बात है, उसमें सेंसरशिप होगी, तो यह जरूरी है कि उसे फिल्म के हिसाब से ही ढाला जाए।

क्या आप लोगों की आपस में रीडिंग और लुक टेस्ट जैसी तैयारी हो चुकी है?

हां, लुक टेस्ट और रीडिंग हो चुकी है। यह सब नए कलाकारों के साथ ज्यादा हुआ है। मेरे लिए तो मिर्जापुर का सेट घर वापसी जैसा है। प्रोड्यूसर्स से भी मैसेज आए हैं कि वे हमें इस सफर में दोबारा पाकर बहुत खुश हैं।

आप लोग फिल्म की शूटिंग कब शुरू कर रहे हैं और कहां?

शूटिंग इस महीने, सितंबर के आखिरी हफ्ते (25 के आसपास) शुरू हो रही है। पहला और लंबा शेड्यूल बनारस में होगा, जिसके बाद मुंबई में कुछ इंडोर शूट होंगे।

खेल समाचार

40 सेंटीमीटर से मेडल चूके सचिन यादव

86.27 मीटर के साथ चौथे नंबर पर,नीरज चोपड़ा आठवें स्थान से बाहर,त्रिनिनाद-टोबैगो को गोल्ड

नई दिल्ली,18 सितम्बर 2025। टोक्यो में चल रही वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप के जेवलिन थ्रो फाइनल में भारत के नीरज चोपड़ा और पाकिस्तान के अरशद नदीम मेडल नहीं जीत सके। भारत के एक अन्य थ्रोअर सचिन यादव ने करियर बेस्ट (86.27 मीटर) प्रदर्शन किया, लेकिन वे चौथे स्थान से आगे नहीं बढ़ सके। सचिन महज 40 सेंटीमीटर के फासले से ब्रॉन्ज चूक गए। ब्रॉन्ज जीतने वाले खिलाड़ी ने 86.67 मीटर का थ्रो किया। त्रिनिदाद एंड टोबैगो के केशॉर्न वाल्कॉट ने 88.16 मीटर के बेस्ट थ्रो के साथ गोल्ड मेडल जीता। ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स (87.38 मीटर) ने सिल्वर और अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन (86.67 मीटर) ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। डिफेंडिंग चैंपियन नीरज पांच प्रयास में 84.03 मीटर का बेस्ट थ्रो ही निकाल सके। वे आठवें नंबर पर रहते हुए बाहर हुए। वहीं, ओलिंपिक गोल्ड मेडलिस्ट पाकिस्तान के अरशद नदीम चार अटैम्प्ट में 82.75 मीटर के बेस्ट थ्रो के साथ 10वें नंबर पर रहे।

कैसा रहा नीरज, नदीम और सचिन का प्रदर्शन : नीरज चोपड़ा ने पहला थ्रो 83.65 मीटर का थ्रो किया। उनका दूसरा थ्रो 84.03 मीटर का रहा और तीसरा थ्रो फाउल रहा। चौथे प्रयास में उन्होंने 82.86 मीटर का थ्रो किया। इस तरह चार राउंड के बाद उनका बेस्ट स्कोर 84.03 मीटर का रहा। उनका पांचवां प्रयास फाउल रहा और वे मेडल की रेस से बाहर हो गए। नदीम ने पहला थ्रो 82.75 मीटर का किया था। उनका दूसरा थ्रो फाउल रहा है। तीसरे प्रयास में 82.73 मीटर का थ्रो किया। उनका चौथा प्रयास फाउल रहा और वे 10वें नंबर पर रहते हुए मेडल की रेस से बाहर हो गए। इन दोनों से आगे सचिन यादव रहे। सचिन ने 86.27 मीटर का पहला थ्रो किया। सचिन का दूसरा थ्रो फाउल रहा। तीसरे प्रयास में उन्होंने 85.71 मीटर का थ्रो किया। उनका चौथा थ्रो 84.90 मीटर का रहा। उन्होंने पांचवें प्रयास में 85.96 और छठे प्रयास में 80.95 का स्कोर निकाला। इस तरह वे 86.27 मीटर के बेस्ट थ्रो के साथ चौथे नंबर पर रहे। तीन थ्रो के बाद 11वें और 12वें नंबर पर मौजूद थ्रोअर रेस से बाहर हुए। चौथे थ्रो के बाद नौवें और 10वें नंबर के थ्रोअर बाहर हो गए। 5वें राउंड के बाद सातवें और आठवें नंबर पर रहने वाला थ्रोअर बाहर हुआ। नीरज इसी राउंड के बाहर हुए। 3 राउंड पूरे हो चुके हैं। त्रिनिदाद एंड टोबैगो के केशहॉर्न वाल्कॉट नंबर-1 पर बने हुए हैं। भारत के सचिन यादव चौथे और नीरज चोपड़ा 8वें स्थान पर हैं। पाकिस्तान के अरशद नदीम 10 वें नंबर पर हैं। इस राउंड के बाद चेक रिपब्लिक के जैकब वेल्देजेच और ऑस्ट्रेलिया के कैमरुन मैकेंट्री बाहर हो चुके हैं। नीरज चोपड़ा ने दूसरा थ्रो 84.03 मीटर थ्रो फेंका : डिफेंडिंग चैंपियन नीरज चोपड़ा ने अपने दूसरे प्रयास में 84.03 मीटर स्कोर किया है। उनसे पहले पीटर्स ने 87.38, येगो 85.54 और वीबर ने 86.11 मीटर स्कोर किया है।

चौथा राउंड पूरा,सचिन चौथे,नीरज 8वें नंबर पर

चौथा राउंड पूरा हो चुका है। भारत के सचिन यादव चौथे और नीरज चोपड़ा 8वें नंबर पर हैं। त्रिनिदाद एंड टोबैगो के केशहॉर्न वाल्कॉट नंबर-1 पर बने हुए हैं। उन्होंने चौथे प्रयास में अपना स्कोर सुधारते हुए 88.16 मीटर स्कोर किया।

सचिन ने चौथे प्रयास में 84.90 मीटर भाला फेंका

भारत के सचिन यादव ने अपने चौथे प्रयास में 84.90 मीटर भाला फेंका है। फिलहाल,वे चौथे स्थान पर कायम हैं।

पाकिस्तान के अरशद नदीम बाहर

चौथे राउंड के बाद पाकिस्तान के अरशद नदीम मेडल की रेस से बाहर हो गए हैं। उनका चौथा प्रयास फाउल रहा। अरशद ने पहले प्रयास में 82.73, दूसरा फाउल, तीसरे 82.75 और चौथा में फाउल रहा।

नई दिल्ली वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 के लिए मेडल्स का हुआ अनावरण

नई दिल्ली,18 सितम्बर 2025। भारत में होने वाले अब तक के सबसे बड़े पैरा स्पोर्ट्स आयोजन की उलटी गिनती शुरू हो गई है। पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया (पीसीआई) ने गुरुवार को इंडियन ऑयल नई दिल्ली 2025 वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के मेडल्स का अनावरण राजधानी के एक होटल में किया। यह ऐतिहासिक आयोजन 27 सितंबर से 5 अक्टूबर तक जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में होगा,जिसमें 104 देशों के 2200 से अधिक पैरा-एथलीट्स और सपोर्ट स्टाफ हिस्सा लेंगे। मेडल्स का डिज़ाइन भारतीय संस्कृति,पैरा स्पोर्ट्स और खेल भावना का अनोखा संगम है। मेडल के एक तरफ पारंपरिक भारतीय कला से प्रेरित बारीक डिज़ाइन के साथ टूर्नामेंट का नाम, व्हीलचेयर रेसर, डिस्कस थ्रोअर और भारत के राष्ट्रीय पुष्प कमल की आकृति उकेरी गई है। दूसरी तरफ ब्रेल लिपि में हृद्र2 छ्द्दद्यद्धद्ध 2025, कमल-प्रेरित पैटर्न और आधुनिक ज्योमेट्रिक डिज़ाइन हैं। इन मेडल्स को नीले रिबन के साथ प्रस्तुत किया गया है, जो समावेशिता और उपलब्धि का प्रतीक है। इस मौके पर

चैंपियनशिप का आधिकारिक गीत उड़ान भर भी लॉन्च किया गया, जिसमें रैप तत्वों के साथ भारतीय पैरा-एथलीट्स की प्रतिभा और जज्बे को दिखाया गया है। पीसीआई अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया ने कहा, ये मेडल्स सिर्फ जीत का प्रतीक नहीं, बल्कि समावेश, प्रयास और जज़्बे की पहचान हैं। भारत 104 देशों के एथलीट्स की मेजबानी कर विश्व स्तरीय आयोजन पेश करेगा। वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स प्रमुख पॉल फिट्ज़गेराल्ड ने कहा,नई दिल्ली में होने वाली यह चैंपियनशिप अब तक का भारत का सबसे बड़ा पैरा-स्पोर्ट्स आयोजन होगी। ये मेडल्स भारतीय संस्कृति और समावेशिता का बेहतरीन उदाहरण हैं। भारत की पैरा-एथलेटिक्स में प्रगति बेहद प्रेरणादायक है। पीसीआई की संरक्षक व विधायक वानाथी श्रीनिवासन ने कहा,ये मेडल्स साहस और धैर्य की कहानियां कहते हैं। भारत सबका स्वागत खुले दिल से करेगा और यह आयोजन इतिहास रचेगा। पैरा एथलीट्स नवदीप सिंह और प्रवीन कुमार ने भी मेडल्स को देखकर गर्व और प्रेरणा व्यक्त की। प्रवीन ने कहा, ये मेडल हर पैरा-एथलीट की संघर्ष और जीत की कहानी है। अपने देश में इसे जीतना बेहद खास होगा। मेडल अनावरण के साथ ही नई दिल्ली वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 की आधिकारिक काउंटडाउन शुरू हो गई है।

रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर में तेजी से हो रहा निवेश आने वाली पीढ़ियों के लिए नया भविष्य गढ़ेगा : मुख्यमंत्री साय

रायपुर,18 सितम्बर 2025। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजिम में नई रेल सेवा का शुभारंभ किया। उन्होंने क्षेत्र के लोगों की आवागमन सुविधा में वृद्धि करते हुए राजिम से रायपुर के लिए नई मेमू ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने राजिम-रायपुर-राजिम मेमू नई ट्रेन सेवा तथा रायपुर-अभनपुर 2 मेमू रेल सेवा का राजिम तक विस्तार भी प्रारंभ किया। भारी संख्या में यात्री इस अवसर पर ट्रेन में सवार हुए और उत्साहपूर्वक रायपुर की ओर रवाना हुए। सस्ती एवं सुलभ नई रेल सुविधा मिलने से पूरे क्षेत्र में हर्ष और उल्लास का वातावरण रहा। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि इस नई रेल सेवा से राजिम सहित गरियाबंद एवं देवभोग क्षेत्र के लोगों को भी राजधानी रायपुर तक सस्ती और किफायती यात्रा का विकल्प प्राप्त होगा। विद्यार्थी,नौकरीपेशा वर्ग और व्यापारी वर्ग सहित सभी के लिए यह ट्रेन अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ का प्रयाग, राजिम अब रेल नेटवर्क से जुड़ गया है। ग्रामीण अंचलों से राजधानी रायपुर का आवागमन अब और अधिक सुगम,सुविधाजनक और किफायती बन गया है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमारे छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के आशीर्वाद से लगातार 19 महीनों से विकास की गति निरंतर अग्रसर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर में तेजी से हो रहा निवेश आने वाली पीढ़ियों के लिए नया भविष्य गढ़ेगा। उन्होंने बताया कि लगभग आठ वर्ष पूर्व धमतरी से रायपुर तक नैरोगेज ट्रेन चलती थी और अब आठ वर्षों के अंतराल के बाद यहां ब्रॉडगेज ट्रेन सुविधा उपलब्ध हुई है। इसके लिए उन्होंने पूरे छत्तीसगढ़ की जनता की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर वन मंत्री केदार कश्यप, खाद्य मंत्री दयालदास बघेल, लोकसभा सांसद रायपुर बृजमोहन अग्रवाल, महासमुंद सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी, अभनपुर विधायक इन्द्रकुमार साहू, राजिम विधायक रोहित साहू, छत्तीसगढ़ राज्य भंडार गृह निगम के अध्यक्ष चंदूलाल साहू, नगर पालिका गोबरा नवापारा अध्यक्ष श्रीमती ओमकुमारी संजय साहू, नगर पंचायत राजिम अध्यक्ष महेश यादव सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक तरुण प्रकाश, रेलवे अधिकारी-कर्मचारी एवं भारी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। वन मंत्री एवं रायपुर जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि इस नई सेवा से छत्तीसगढ़ के प्रयाग राजिम तक सीधी रेल पहुँच सुनिश्चित हो गई है, जिससे पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि 22 मई को 'निर्मल भारत रेलवे स्टेशन' के नाम से देश के 103 रेलवे स्टेशनों को मॉडिफाई करने के लिए चयनित किया गया, जिनमें से छत्तीसगढ़ के पाँच रेलवे स्टेशन शामिल हैं और 32 स्टेशन भी इस योजना में जोड़े गए हैं। इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के प्रति आभार व्यक्त किया और मुख्यमंत्री साय के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में लगभग 45,000 करोड़ रुपये की रेलवे परियोजनाएँ चालू हैं, जिनसे रेल कनेक्टिविटी में तेजी आएगी। बस्तर को भी इससे लाभ हो रहा है और रावघाट प्रोजेक्ट के अंतर्गत 140 किलोमीटर लंबी रेलवे लाइन का कार्य प्रगति पर है। रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ के प्रयागराज राजिम में बाहर से साधु-संत एवं पर्यटक भारी संख्या में आते हैं। अब उन्हें सीधे रायपुर से राजिम आने की सुविधा मिलेगी, जिससे पर्यटन एवं क्षेत्रीय विकास को नई दिशा मिलेगी और विश्व पटल पर राजिम का नाम और अधिक रोशन होगा। महासमुंद सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी ने नई रेल सेवा के लिए लोगों को बधाई देते हुए कहा कि अब राजिम से रायपुर आना बहुत आसान हो गया है। श्रद्धालु एवं पर्यटक यात्री अब राजिम से सीधे डोंगरगढ़ तक भी यात्रा कर सकेंगे। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर रेल मंडल से प्राप्त जानकारी के अनुसार रायपुर-अभनपुर-रायपुर मेमू पैसेंजर ट्रेन का परिचालन अब राजिम तक किया जाएगा। 19 सितम्बर 2025 से नियमित समय-सारणी के अनुसार गाड़ी संख्या 68766/68767 राजिम-अभनपुर-रायपुर मेमू पैसेंजर प्रतिदिन दोनों छोरों–राजिम और रायपुर–से संचालित होगी।

ढाई लाख लोगों को मिलेगा लाभ

रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, रायपुर से राजिम रोजाना 2 हजार लोग यात्रा करते हैं। इस इलाके के ढाई लाख लोगों को इसका लाभ मिलेगा। ट्रेन के शुरू होने से उन्हें राहत मिलेगी। यह रेलवे प्रोजेक्ट 1500 करोड़ का है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नई रेल सेवा शुरू करने का फैसला लिया है।मुख्यमंत्री साय ने कहा कि वर्तमान में छत्तीसगढ़ में रेलवे की लगभग 45,000 करोड़ रुपये की परियोजनाएं संचालित हो रही हैं। वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में लगभग 7,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है,जिससे प्रदेश में रेल सेवाओं का तीव्र विस्तार और विकास सुनिश्चित हो रहा है।

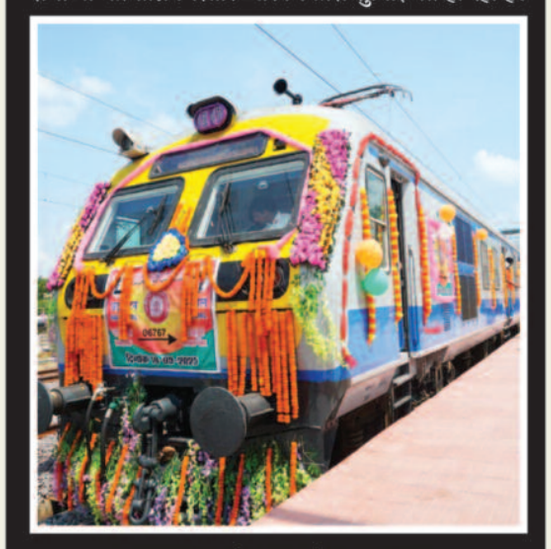

रायपुर स्टेशन के आउटर में दिखी बड़ी लापरवाही

रायपुर स्टेशन के आउटर में ट्रेन कुछ देर रुकी थी। इसी बीच सीनियर्स के निर्देश पर स्काउट एंड गाइड के कैडेट्स ने जान जोखिम में डालते हुए ट्रेन से छलांग लगा दी। जिससे जल्दी डीआरएम ऑफिस पहुंच सके। इस तरह बड़ी लापरवाही देखने को मिली।

ईओडब्ल्यू ने रिटायर्ड आईएएस निरंजन दास को हिरासत में लिया

सिंडिकेट में गहरी साजिश का खुलासा

रायपुर,18 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाले में एक और बड़ा खुलासा हुआ है। आर्थिक अपराध विंग (ईओडब्ल्यू) ने रिटायर्ड आईएएस अधिकारी निरंजन दास को हिरासत में ले लिया है। कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में आबकारी आयुक्त के पद पर तैनात निरंजन दास पर शराब सिंडिकेट चलाने और राज्य को करोड़ों का चूना लगाने का गंभीर आरोप है। इस गिरफ्तारी से घोटाले की परतें धीरे-धीरे खुल रही हैं, और जांच एजेंसियां अन्य शामिल लोगों पर शिकंजा कसने की तैयारी में जुटी हैं। जांच एजेंसियों के अनुसार, निरंजन दास ने पूर्व आईएएस अनिल टुटेजा (सिंडिकेट के कथित संरक्षक), तत्कालीन विशेष सचिव आबकारी अरुणपति त्रिपाठी, व्यवसायी अनवर ढेबर और अन्य के साथ मिलकर एक विशाल शराब सिंडिकेट का संचालन किया। इस सिंडिकेट ने आबकारी विभाग की मिलीभगत से राज्य के खजाने को भारी नुकसान पहुंचाया। अनियमितताओं में सरकारी शराब दुकानों पर कमीशन फिक्स करना, डिस्टिलरियों से अतिरिक्त शराब उत्पादन कराना, विदेशी ब्रांड की अवैध सप्लाई पर वसूली, और डुप्लीकेट होलोग्राम (सुरक्षा फीचर) का इस्तेमाल कर नकली शराब को वैध दिखाकर बेचना प्रमुख हैं। इन गड़बड़ियों से राज्य को अनुमानित 1200 करोड़ रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ। चार्जशीट में दर्ज विवरणों के मुताबिक, निरंजन दास ने नोएडा की प्रिज्म होलोग्राफी सिक्योरिटी फिल्म्स (मालिक विधु गुप्ता) को टेंडर दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बहुचर्चित कस्टम मिलिंग घोटाले के मामले में भिलाई में ईडी की रेड से मचा हड़कंप,दस्तावेजों की छानबीन जारी

भिलाई,18 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ में हुए 140 करोड़ रुपये के बहुचर्चित कस्टम मिलिंग घोटाले के मामले में एक बार फिर प्रवर्तन निदेशालय ने भिलाई के हुडको में आज सुबह से छापामारी कार्रवाई की जा रही है। ईडी की चार सदस्यीय टीम ने हुडको निवासी सुधाकर राव के निवास पर छापा मारा और महत्वपूर्ण दस्तावेजों की छानबीन शुरू कर दी है। बता दें कि आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो ने इस घोटाले में मुख्य आरोपी रिटायर्ड आईएएस अनिल टुटेजा और होटल कारोबारी अनवर ढेबर को गिरफ्तार किया था। कस्टम मिलिंग योजना के तहत राज्य सरकार किसानों से धान खरीदती है और उसे चावल में बदलने के लिए मिलर्स को देती है। इस प्रक्रिया में मिलर्स को भुगतान किया जाता है। आरोप है कि इस पूरी प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर धांधली और फर्जी भुगतान किए गए। जिससे 140 करोड़ रुपये से अधिक की अवैध वसूली हुई।

सुकमा मुठभेड़ में 5 लाख ईनामी महिला माओवादी ढेर,हथियार-बारूद बरामद

सुकमा,18 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में गुरुवार सुबह सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में बड़ा सफलता हाथ लगी है। जिले की मलांगीर एरिया कमेटी की सक्रिय महिला माओवादी बूस्की नुप्पो मारी गई। उस पर सरकार ने 5 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। घटना स्थल से सुरक्षा बलों ने 315 बोर रायफल, कारतूस, विस्फोटक सामग्री और नक्सली साहित्य बरामद किया है। सुकमा पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण ने बताया कि 18 सितंबर की सुबह थाना गादीरास क्षेत्र के गुफड़ी और पेरमापारा के बीच घने जंगल और पहाड़ी इलाकों में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी।

प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी डीएन मिश्रा निलंबित

शिक्षा मंत्री ने दिये निर्देश,एक को शोकॉस नोटिस

रायपुर,18 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के नये शिक्षा मंत्री ने स्कूल शिक्षा विभाग की बैठक के दौरान बड़ एक्शन लिया हैं। शासकीय कार्य में लापरवाही बरतने वाले रामानुजगंज-बलरामपुर के प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी डीएन मिश्रा को निलंबित कर दिया है। साथ ही प्रशासनिक कार्यों में उदासीनता बरतने पर मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के डीईओ आरपी मिरे को शो कॉस नोटिस जारी किया है। डी एन मिश्रा, (मूलपद प्राचार्य) प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी, रामानुजगंज-बलरामपुर (छ.ग.) के द्वारा जिले में वर्ष 2025-26 में निःशुल्क गणवेश वितरण में हितग्राही छात्रों की संख्या त्रुटिपूर्ण दी गयी। जिससे वितरण पश्चात् अत्यधिक मात्रा में गणवेश बच जाने से शासन को अनावश्यक व्यय भार हुआ है। शेष गणवेश के रखरखाव एवं अनुरक्षण नहीं हो पाने की स्थिति में गणवेश के खराब होने एवं अनुपयोगी हो जाने की संभावना बन गयी है। जिससे शासन को हानि होने की संभावना है। शासकीय कार्य में लापरवाही बरतने वाले रामानुजगंज-बलरामपुर के प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी डीएन मिश्रा को निलंबित कर दिया गया है।

छत्तीसगढ़ शासन, स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आज मंत्रालय, महानदी भवन में स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में विभागीय कार्यों की समीक्षा के साथ आगामी वर्षों की ठोस कार्ययोजना तैयार करने पर विशेष बल दिया गया। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव रेणु जी पिल्ले, स्कूल शिक्षा सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी, संचालक लोक शिक्षण ऋतुराज रघुवंशी एवं प्रबंध संचालक समग्र शिक्षा संजीव झा प्रमुख रूप से उपस्थित थे। बैठक में मंत्री यादव ने स्पष्ट निर्देश दिए कि राज्य के सभी जिलों में गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने मॉडल स्कूल स्थापित किए जाएंगे। मॉडल स्कूल स्थापित करने योग्य स्कूलों की जानकारी 10 दिन में संचालनालय को प्रस्तुत की जाए। शिक्षा मंत्री ने कहा डीएवी, इग्नाइट और पीएम विद्यालयों को मॉडल स्कूल के रूप में विकसित किया जाएगा।

उन्होंने भवन विहीन और भवन की आवश्यकता वाले स्कूलों की संख्यात्मक जानकारी ली और अधिकारियों से कहा कि जहां भवन बनाना आवश्यक हो वहां प्राथमिकता से इस कार्य को करें। उन्होंने कहा कि डिस्मेन्टल योग्य भवनों की स्थिति का शीघ्र समाधान किया जाए। उन्होंने लघु मरम्मत और शौचालय मरम्मत कार्यों को प्राथमिकता के साथ शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। मंत्री यादव ने कहा कि नए शिक्षा सत्र शुरू होते ही निःशुल्क पाठ्यपुस्तक,गणवेश और सायकल का वितरण स्कूल खुलते ही विद्यार्थियों तक पहुँच जाना चाहिए। इसके लिए सभी आवश्यक औपचारिकताएँ समय रहते पूरी कर ली जाएँ। मंत्री ने प्रशासनिक कार्यों में उदासीनता के कारण मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के जिला शिक्षा अधिकारी आर पी मिरे को शो कॉस नोटिस देने के निर्देश वरिष्ठ अधिकारियों को दिए। यादव ने मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान की समीक्षा करते हुए कहा कि 5वीं, 8वीं, 10वीं, 12वीं के बेहतर परीक्षा परिणाम के लिए प्रारंभ से ही विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों के बच्चों के प्रतिभा में कोई कमी नही है। उन्होंने विभाग के अंतर्गत न्यायालयीन प्रकरणों की अद्यतन जानकारी लेकर प्राथमिकता से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने केन्द्रीय छात्रवृत्ति योजना, विद्यार्थियों के बैंक खाते खोलने तथा उनके जाति प्रमाण पत्र आदि के संबंध में विशेष चर्चा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। पेंशन और वेतन निर्धारण के मामलों पर मंत्री यादव ने कहा कि किसी भी कर्मचारी को सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन के लिए भटकना न पड़े। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी कर्मचारियों की सेवा पुस्तिका और पास बुक नवंबर माह तक अपडेट कर ली जाए। मृतक कर्मचारियों के आश्रितों और सेवानिवृत्त कर्मचारियों को समय पर हितलाभ भुगतान सुनिश्चित किया जाए। बैठक में छात्रवृत्ति योजनाओं, मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता कार्यक्रम, रजत जयंती कार्यक्रम एवं सेजेस भर्ती की स्थिति की समीक्षा की गई। यादव ने कहा कि इन सभी योजनाओं की सतत मॉनिटरिंग हो और पात्र विद्यार्थियों तक सभी लाभ समय पर पहुँचें।

संयुक्त सचिव का जवाब देख भड़की हाईकोर्ट शिक्षा सचिव को खुद हाज़िर होने का आदेश

बिलासपुर,18 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने प्रदेशभर में बिना मान्यता के चल रहे नर्सरी और प्ले स्कूलों पर कड़ा रुख अपनाया है। अदालत ने शिक्षा विभाग की लापरवाही पर गंभीर नाराजगी जताते हुए कहा कि बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा। यह सुनवाई मुख्य न्यायाधीश रमेश कुमार सिन्हा और न्यायमूर्ति रविन्द्र अग्रवाल की खंडपीठ में हुई। कोर्ट ने साफ कहा कि छोटे-छोटे कमरों में पान-ठेले की तरह स्कूल खोल दिए गए हैं, जो किसी भी दृष्टि से स्वीकार्य नहीं है।

शिक्षा सचिव की जगह संयुक्त सचिव ने दिया शपथपत्र : हाईकोर्ट ने इस मामले में शिक्षा सचिव से शपथपत्र मांगा था। लेकिन उनकी अनुपस्थिति का हवाला देकर शिक्षा विभाग के संयुक्त सचिव ने शपथपत्र पेश किया। इसे देखकर खंडपीठ भड़क गई और टिप्पणी की–ऐसी छूट के लिए अलग से आवेदन जरूरी है, अन्यथा सचिव को ही जवाब देना होगा।

कोर्ट ने मांगी रिपोर्ट, सचिव को तलब : अदालत ने शिक्षा सचिव को अगली सुनवाई में स्वयं उपस्थित रहने के आदेश दिए। साथ ही पूछा कि अब तक प्रदेशभर में बिना मान्यता के चल रहे नर्सरी स्कूलों के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई है। अगली सुनवाई 17 अक्टूबर को होगी। यह मामला आरटीआई कार्यकर्ता विकास तिवारी द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान सामने आया। याचिका में कहा गया कि प्रदेश में बड़ी संख्या में नर्सरी और प्ले स्कूल बिना मान्यता के संचालित हो रहे हैं।

वोट-चोर गद्दी-छोड़ सभा...पायलट बोले-बीजेपी के लिए काम कर रहा चुनाव आयोग,मोदी सरकार को वोट चोर

रायपुर,18 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ में वोट चोर-गद्दी छोड़ कार्यक्रम का तीसरे दिन समापन हो गया है। सचिन पायलट ने दुर्ग में समापन सभा में मोदी सरकार को वोट चोर बताया। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग भाजपा के साथ मिलकर लोकतंत्र को कमजोर कर रहा है। राहुल गांधी ने वोट चोरी के सबूत दिए, लेकिन आयोग ने उल्टा उन्हें नोटिस थमा दिया। पायलट ने कहा कि छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम विजय शर्मा पर भी यही आरोप लगे, लेकिन उन्हें कोई नोटिस नहीं मिला। चुनाव आयोग अब भाजपा सरकार के लिए काम करता दिख रहा है। छत्तीसगढ़ में जनता बदलाव चाहती है और कांग्रेस की सरकार बनेगी। वहीं राजनांदगांव में भाषण के दौरान अजान की आवाज़ आई, तो पायलट ने डेढ़ मिनट तक मौन रखकर धार्मिक भावनाओं का सम्मान किया। इसके बाद पायलट ने कहा कि वोट चोरों को देश की जनता माफ नहीं करेगी। देशभर में वोट चोरी के खिलाफ आवाज उठ रही है। वहीं इसी सभा में पूर्व ष्टरू भूपेश बघेल ने कहा कि निर्वाचन आयोग देश का नहीं भाजपा का बन गया है।

विधानसभा चुनाव में वोटों की चोरी हुई। वोटर लिस्ट में किसी का नाम काट दिया गया तो किसी का तीन-तीन बार नाम है। एक घर से सैकड़ों नाम भी सामने आए हैं। भूपेश बघेल ने कहा कि वोट चोरी पर चुनाव आयोग चुप रहा, लेकिन जवाब भाजपा देती रही। निर्वाचन आयोग देश का नहीं भाजपा का बन गया है। बघेल ने बिजली कटौती पर कहा कि, कांग्रेस कार्यकाल में बिजली बिल नहीं बढ़ाया गया, लेकिन भाजपा ने आते ही पहले बिजली दरें बढ़ाई। बिजली बिल हाफ योजना बंद किया। अब बिजली का वोल्टेज भी कम हो गया और सांय-सांय कटौती हो रही है।

हस्ताक्षर एकत्र कर दिल्ली भेजेंगे : बैज

बैज ने कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि वे अपनी तैयारी पूरी रखें, क्योंकि आने वाले समय में फिर कांग्रेस की सरकार बनेगी। भाजपा के झूठ और विफलताओं को उजागर करना अब जरूरी है। छत्तीसगढ़ से हस्ताक्षर एकत्र कर दिल्ली भेजकर चुनाव आयोग से पूछेंगे, वोट चोरी कैसी हुई।

भाजपा ने संस्कारधानी को बर्बाद कर दिया : भूपेश

भाजपा ने संस्कारधानी को बर्बादी की कगार पर ला खड़ा किया है। गली-गली में शराब बिक रही है, युवा सट्टे में धकेले जा रहे हैं, पुलिस खुलेआम रिश्वत ले रही है और दिनदहाड़े हत्याएं हो रही हैं। उन्होंने कहा कि यह सब भाजपा की एक सोची-समझी साजिश है ताकि संस्कारधानी की पहचान खत्म की जा सके।

रायपुर में एनएचएम कर्मचारियों का जेल भरो आंदोलन

तूता में जुटे 10 हजार कर्मी,हस्ताक्षर कर लौटे,बोले- मांग पूरी होने तक जारी रहेगी लड़ाई

रायपुर,18 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ में नियमितीकरण समेत 10 मांगों को लेकर एनएचएम संविदा कर्मचारी एक महीने से हड़ताल पर हैं। बिलासपुर, दुर्ग और रायपुर 3 संभाग के 10 हजार कर्मचारियों ने गुरुवार को नया रायपुर में जेल भरो आंदोलन किया। प्रशासन ने राजेश्वर मैदान को लगभग डेढ़ घंटे तक एक प्रतीकात्मक जेल के तौर पर बदल दिया था। डेढ़ घंटे तक इस प्रतीकात्मक जेल में यह कर्मचारी बंद रहे। इसके बाद हर कर्मचारी का नाम और हस्ताक्षर लिए गए और उन्हें छोड़ दिया गया। रायपुर एनएचएम संघ के जिला अध्यक्ष ने बताया कि आंदोलन के बाद बाकी कर्मचारी अपने-अपने जिले लौट गए। कल से यह आंदोलन जिला स्तर पर जारी रहेगा। कर्मचारियों का कहना है कि मांगे पूरी नहीं होती है तो उग्र आंदोलन और आत्मदाह भी करेंगे। छत्तीसगढ़ में एनएचएमसंविदा कर्मचारियों की हड़ताल का आज 32 वां दिन रहा। सरकार ने 16 सितंबर तक सभी कर्मचारियों को काम पर लौटने का फाइनल अल्टीमेटम दिया था। लेकिन कर्मचारियों ने हड़ताल जारी रखा। इधर सरकार ने एक्शन लेते हुए 17 सितंबर को सूरजपुर जिले में 594 कर्मचारियों की सेवा खत्म कर दी है। इससे पहले यानी 16 सितंबर को बलौदाबाजार और कोरबा में 200 कर्मचारी को नौकरी से निकाला दिया गया। बलौदाबाजार के 160 और कोरबा के लगभग 21 कर्मचारियों को एक मुश्त नौकरी से निकाला गया था।

10 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे : बता दें कि कर्मचारी 10 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रोटेस्ट कर रहे हैं। इनमें से पांच पर मौखिक सहमति बन चुकी है। बाकी पांच पर राज्य सरकार ने अपना स्टैंड क्लियर नहीं किया है। दूसरी ओर कर्मचारियों का कहना है कि मौखिक आश्वासन से काम नहीं चलेगा। सभी 10 मांगे लिखित में पूरी करनी होगी। एनएचएमसंघ के प्रदेश अध्यक्ष अमित कुमार मिरी ने दैनिक भास्कर को बताया कि आज के आंदोलन के बाद सरकार की ओर से कुछ सकारात्मक बातचीत की पहल हुई है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)